28 अगस्त 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

दिशा की बैठक में उठा सवाल जांच के दौरान फर्स्ट आइडिया को कैसे किया गया भुगतान 3

अमेरिकी टैरिफ के बीच मोहन भागवत का स्वदेशी अपनाने पर जोर, कहा

व्यापार दबाव में नहीं, सहमति से होना चाहिए

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल सहमति से होनी चाहिए, किसी दबाव में नहीं। उन्होंने साफ कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनकर ही दुनिया में योगदान देना है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने 'हिंदुत्व' की परिभाषा पर भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, हिंदुत्व या हिंदुपन क्या है? अगर इसे संक्षेप में कहना हो तो दो शब्द हैं सत्य और प्रेम। दुनिया का संचालन एकता से होता है, सौदेबाजी

और अनुबंधों से नहीं। इस दौरान मोहन भागवत ने कहा कि हिंदुस्तान का जीवन मिशन विश्व कल्याण है। उनका कहना था कि विकास की दौड़ में दुनिया ने भीतर झांकना छोड़ दिया है। अगर भीतर खोज होगी तो ऐसी अनंत खुशी मिलेगी जो कभी खत्म नहीं होगी। यही मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है और इससे पूरी दुनिया में शांति और सौहार्द का माहौल बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व किसी एक संप्रदाय या समुदाय की विचारधारा नहीं है, बल्कि यह वह सोच है जो सत्य और प्रेम पर आधारित होकर सबको साथ लेकर चलती है। अगर यही मार्ग अपनाया जाए तो दुनिया के संघर्ष खत्म हो जाएंगे और सच्चा सुख-शांति स्थापित होगी।

धर्म सदैव सार्वकालिक सुखदाई होता है : भागवत

मोहन भागवत ने कहा कि समाज में जीवन में विविधता है, लेकिन कई बार इनमें संघर्ष भी दिखाई देता है, लेकिन सबको साथ लेकर चलना है और इसके लिए सबके बीच समन्वय स्थापित करना है। इसके लिए कई बार कुछ त्याग भी करना पड़ता है जिसके लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म सदैव सार्वकालिक सुखदाई होता है। यदि कोई वस्तु दुखदाई है तो वह धर्म नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि मरने के बाद अलग-अलग वर्गों के लिए अलग श्मशान होने की सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता। सबको साथ लेकर देश को मजबूत बनाएंगे।

धर्म शाश्वत है

उन्होंने कहा कि उपभोक्तावाद की वृद्धि के कारण दुनिया में पाप, दु:ख और संघर्ष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वोक कल्चर पूरी दुनिया पर छा रहा संकट है। क्योंकि लोग अपने अलावा किसी दूसरे की ओर नहीं देख रहे हैं। इससे बचने के लिए लोगों को केवल धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए। यह धर्म लोगों को हमेशा मध्यम मार्ग पर बनाए रखता है और इससे आपस में संघर्ष पैदा नहीं होता। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के शब्दों में भारत के पास धर्म है जिसे उसे समय-समय पर दुनिया को देनी चाहिए। धर्म शाश्वत है।

कटक रेलवे स्टेशन पर हादसा दीवार-प्लेटफार्म का शेड गिरा

एजेंसी। ओडिशा

ओडिशा के कटक रेलवे स्टेशन पर बुधवार (27 अगस्त, 2025) को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब यहां प्लेटफॉर्म की निमार्णाधीन छत का एक हिस्सा अचानक गिर गया. यह निमार्णाधीन की छत प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 के ऊपर की थी. हादसे के बाद प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 पर ट्रेन सेवा को अस्थायी तौर पर रोक दिया गया. रेलवे अधिकारियों ने बताया कि घटना में एक शख्स मामूली रूप से जख्मी हो गया है और ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है. पूर्वी तटीय रेलवे (ECOR) के एक अधिकारी ने बताया कि प्लेटफार्म नंबर एक पर दीवार गिरने से एक शेड की छत भी ढह कर पटरियों पर गिर गई. ECOR ने एक बयान में कहा, 'कटक रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों के दौरान, पर्याप्त सुरक्षा सावधानियों के साथ कुछ निर्माण कार्य किया जा रहा था. दुर्भाग्य से दोपहर 3.45 बजे, एक पुरानी दीवार प्लेटफॉर्म पर गिर गई, जिससे प्लेटफॉर्म एक और दो पर ट्रेनों की आवाजाही अस्थायी रूप से बाधित हुई. मौके पर मौजूद एक शख्स के अनुसार, यह घटना वंदे भारत ट्रेन के प्लेटफॉर्म से गुजरने के तुरंत बाद हुई. खुर्दा रोड मंडल के अतिरिक्त मंडलीय रेलवे प्रबंधक (परिचालन) प्रदीप कुमार बेहरा ने कहा, 'घटना में एक व्यक्ति को मामूली चोट आई है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है.' बेहरा ने कहा, 'जो ढांचा ढहा है, वह बहुत पुराना था. पुनर्विकास कार्य किया रहा था, इसलिए किसी भी आम आदमी को उस हिस्से के पास जाने की अनुमति नहीं थी।

भारी बारिश के कारण सभी सेवा प्रदाताओं की कॉल और मोबाइल इंटरनेट सेवा बाधित

सेना को 5 साल तक के युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए : राजनाथ सिंह

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारत की सेनाओं को अपनी तैयारी मजबूत करने के लिए कहा है। राजनाथ सिंह ने ये तक कह दिया है कि भारत के सशस्त्र बलों को छोटी लड़ाइयों से लेकर पांच साल तक की जंग समेत सभी तरह की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। दरअसल बुधवार को राजनाथ सिंह महू सैन्य छावनी के आर्मी वॉर कॉलेज में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी सहित भारत के शीर्ष सैन्य अधिकारी भी उपस्थिति थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- ह्यह्यआज के दौर में युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित हो गए हैं कि यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि कोई युद्ध कब समाप्त होगा और कितने समय तक चलेगा। भारतीय सशस्त्र बलों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। इसका मतलब यह है कि अगर कोई युद्ध दो महीने, चार महीने, एक साल, दो साल, यहां तक कि पांच साल तक भी चलता है, तो हमें उसके लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए।

हमें किसी की जमीन नहीं चाहिए: रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- राष्ट्रीय सुरक्षा अब सिर्फ सेना का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह संपूर्ण राष्ट्र के दृष्टिकोण का मुद्दा बन गया है। हमें किसी की जमीन नहीं चाहिए, लेकिन हम अपनी जमीन की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

भारत में जेट इंजन पर भी बात

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा है कि ये अभियान भारत के स्वदेशी प्लेटफॉर्म, हथियार सिस्टम की सफलता का एक बेहतरीन उदाहरण बन उभरा है। उन्होंने कहा कि हमें सूचना और साइबर युद्ध का महत्व सिखा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने आत्मनिर्भरता के मार्ग पर महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन हमें अब भी एक लंबा रास्ता तय करना है। उन्होंने आगे ये भी बताया कि हम भारत में जेट इंजन बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में सेना की भूमिका की सराहना

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर तीनों सेनाओं की सराहना की और कहा कि यह भारत के स्वदेशी प्लेटफॉर्मों, उपकरणों और वेपन सिस्टम की सफलता का बड़ा उदाहरण है। उन्होंने ये भी कहा है कि यह सफलता एक बार फिर से आत्मनिर्भरता की आवश्यकता की जरूरत बताती है, जिसमें अभी हमें और लंबा रास्ता चलना है।

जयशंकर के तीखे बयान की यूएसए के टीवीचैनलों पर चर्चा, ट्रंप के वित्त मंत्री बोले

भारत दुनिया का बड़ा लोकतंत्र, अंत में हम हो लेंगे साथ

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बुधवार से 50 फीसदी टैरिफ लागू कर दिए जाने से दोनों देशों के रिश्तों में काफी ज्यादा तल्खी आ गई है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के एक बयान ने अमेरिका में हड़कंप मचा दिया है। अमेरिका के टेलीविजन चैनलों पर जयशंकर के इस बयान की खूब चर्चा हो रही है। जयशंकर के इस बयान के बाद अमेरिका के रुख में भी नरमी देखी जा रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को जयशंकर के तीखे बयान के बाद यहां तक कहना पड़ा कि भारत दुनिया का बड़ा लोकतंत्र है। अंततः हम भारत के साथ आ ही

जाएंगे। जयशंकर ने क्या बयान दिया है, आइये आपको बताते हैं। दरअसल रूस से भारत के तेल खरीदे जाने के आरोपों पर जयशंकर ने कहा कि अगर अमेरिका को भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने से समस्या है तो वह भारत से शोधित तेल खरीदना बंद कर दे। जयशंकर के इस तल्ख बयान से अमेरिका के होश उड़ गए हैं। अमेरिका के फॉक्स टीवी चैनल पर एक एंकर ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से ऐसा ही सवाल पूछा। एंकर ने कहा, भारत के विदेश मंत्री ने कहा है कि अगर अमेरिका को भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने से समस्या है, तो वह भारत से रिफाइंड (परिष्कृत) तेल खरीदना बंद कर सकता है...इस पर आपका क्या कहना है? एंकर के इस सवाल पर अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा,खैर, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था। अंततः हम एक साथ आ ही जाएंगे। अमेरिका के इस बयान से साफ है कि वह भारत से दुश्मनी मोल लेने का नुकसान अच्छी तरह से समझ रहा है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दुर्गा पूजा अनुदान पर दिए सख्त निर्देश, कहा

पिछला हिसाब दिए बिना नहीं मिलेगा नया फंड

एजेंसी। कोलकाता

दुर्गा पूजा समितियों को मिलने वाले सरकारी अनुदान को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की डिविजन बेंच ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने साफ कर दिया है कि पिछले साल मिले अनुदान का पूरा हिसाब-किताब दिए बिना किसी भी क्लब को नया अनुदान नहीं मिलेगा। इसे बंगाल सरकार के लिए बड़े झटके रूप में देखा जा रहा है।बुधवार को न्यायमूर्ति सुजय पाल और न्यायमूर्ति स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि सरकारी पैसे का इस तरह बेतरतीब खर्च नहीं हो सकता। जिन क्लबों ने अब तक बीते साल का हिसाब नहीं दिया है, उन्हें एक महीने की मोहलत दी गई है। तय समय सीमा में उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) जमा करने वाले क्लबों को ही इस साल का अनुदान मिलेगा। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि साल 2024 में कोलकाता पुलिस इलाके की 2,876 पूजा समितियों को अनुदान दिया गया था और सभी ने उपयोगिता प्रमाणपत्र जमा किया है। वहीं, जिलों में 41,799 चेक जारी किए गए, जिनमें से 41,795 क्लबों ने अनुदान लिया और 41,792 ने हिसाब भी दिया।

जम्मू की बारिश-बाढ़ ने लगाया ट्रेनों पर ब्रेक, 58 गाड़ियां हुई रद्द

एजेंसी। श्रीनगर

देश के कई राज्यों में भारी बरसात का दौर जारी है। जम्मू में बाढ़ और भूस्खलन ने बेहाल कर रखा है। इसका असर रेल यातायात पर भी दिख रहा है खासतौर पर जम्मू डिविजन खासा प्रभावित नजर आ रहा है। उत्तर रेलवे ने जम्मू कटरा रेलवे स्टेशनों पर आने-जाने वाली 22 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इससे पहले मंगलवार को 27 ट्रेनों को बीच में ही जहां का तहां रोक दिया गया था। अचानक ट्रेन कैंसिल होने से रेल यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे का

कहना है कि, जम्मू में भारी बारिश के चलते 58 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। जबकि 18 ट्रेनों का रूट बदल दिया गया है।उत्तर रेलवे जम्मू संभाग के जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, जम्मू क्षेत्र में मौजूदा मौसम की स्थिति को देखते हुए ट्रेनों को रद्द किए जाने का ये फैसला किया गया है। जम्मू-कटरा रेलवे स्टेशन के बीच चलने वाली जिन ट्रेनों को रद्द किया गया है, उनमें 22 ट्रेनों में से 9 माता वैष्णो देवी मंदिर कटरा से चलने वाली हैं, जबकि बाकी ट्रेनें कटरा, जम्मू और उधमपुर स्टेशनों पर पहुंचने वाली थीं।रेलवे का कहना है कि, बारिश के प्रकोप को देखते हुए 27 रेलगाड़ियों को फिरोजपुर, मांडा और चक रखवालान के अलावा पठानकोट में बीच में ही रोक दिया गया है।

वैष्णो देवी लैंडस्लाइड में अब तक 34 की मौत

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से हालात बिगड़े हैं. कटरा स्थित माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बुधवार को हुए बड़े भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई और 23 लोग घायल हुए हैं. कई जगहों पर भूस्खलन के बाद मलबा जमा होने और पत्थर गिरने से जम्मू-कटरा राजमार्ग बंद हो गया है. भारी बारिश के कारण नॉर्दर्न रेलवे ने बुधवार को 22 ट्रेनें रद्द कर दीं और 27 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया. इनमें वैष्णो देवी बेस कैंप से चलने वाली 9 ट्रेनें भी शामिल हैं।

मंगलवार की देर शाम ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कृतसागर गांव के पास एनएच 922 पर हुई है वारदात, मामले के शीघ्र उद्भेदन में जुटी पुलिस

वारदात, हथियार के बल पर युवक की बाइक, नगदी व मोबाइल की लूट, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कृतसागर गांव के समीप एनएच-922 पर मंगलवार की देर शाम लूट की एक बड़ी घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार शाहपुर थाना क्षेत्र के रानीसागर गांव निवासी सुनील कुमार, पिता विजय प्रसाद, सिमरी से अपने घर लौट रहे थे। वे जैसे ही कृतसागर गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही उजले रंग की अपाचे बाइक पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। बदमाश उनकी होंडा शाइन बाइक के आगे खड़े होकर अचानक रास्ता रोक लिए और हथियार के बल पर उनसे करीब 24 हजार नगद, बाइक और मोबाइल छीन लिया। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी तेजी से कृष्णाब्रह्म की दिशा में फरार हो गए। पीड़ित सुनील कुमार ने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही ब्रह्मपुर थाना अध्यक्ष सुरेश कुमार ने पुलिस बल के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि अपराधियों की पहचान के लिए जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष ने पुष्टि करते हुए कहा कि अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जल्द ही पूरे कांड का उद्भेदन कर लिया जाएगा।स्थानीय लोगों के अनुसार, एनएच-922 पर अक्सर रात्रि के समय पुलिस गश्ती की कमी के कारण असामाजिक तत्व सक्रिय हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर अंधेरा रहने और सुनसान इलाका होने से अपराधियों के हौसले बुलंद रहते हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन को इस मार्ग पर विशेष रूप से गश्त बढ़ानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल कायम है। खासकर ग्रामीणों और राहगीरों में भय का वातावरण है। लोग कह रहे हैं कि अगर अपराधियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आम जनता का सड़क पर निकलना मुश्किल हो जाएगा। ब्रह्मपुर थाना पुलिस ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। साथ ही शाहपुर और आसपास के थानों की पुलिस को भी सतर्क कर दिया गया है। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर पीड़ित को न्याय दिलाया जाएगा। गौरतलब है कि इस तरह की घटनाएं हाल के दिनों में एनएच-922 पर बढ़ गई हैं। लोगों का कहना है कि हाईवे पर पुलिस गश्ती की सख्त आवश्यकता है। फिलहाल पुलिस की कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि जल्द ही अपराधियों को पकड़ा जाएगा और क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति बहाल होगी।

प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री रामकृपाल यादव ने विरोधियों पर बोला हमला, कहा

आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिलेगी ऐतिहासिक जीत : रामकृपाल यादव

- 2025 चुनाव में एनडीए 200 से अधिक सीटें जीतेगा, विपक्ष कर रहा है मतदाताओं को गुमराह

केटी न्यूज/बक्सर

भारत सरकार के पूर्व मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रामकृपाल यादव का बुधवार को बक्सर में एक दिवसीय प्रवास रहा। इस दौरान वे जिला अतिथि गृह पहुंचे जहां भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई ने एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की। पत्रकारों से बातचीत के क्रम में पूर्व मंत्री ने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला और 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत का दावा किया। रामकृपाल यादव ने कहा कि लालू प्रसाद के तथाकथित ह्यजंगलराजह्ण के बाद बिहार में भाजपा और नीतीश कुमार की अगुवाई में सरकार बनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में आम जनता के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ है। चाहे बुजुर्ग हों या बच्चे, गरीब हों या मेहनतकश तबका, सभी को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। उन्होंने दावा किया कि 2047 तक बिहार को विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेकर एनडीए आगे बढ़ रहा है।

विपक्ष के पास न विजन है, न नेतृत्व

पूर्व मंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि आज राहुल गांधी और तेजस्वी यादव जैसे नेता जनता को गुमराह कर रहे हैं। दोनों यह प्रचार कर रहे हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है। जबकि हकीकत यह है कि आयोग मतदाता सूची में व्यापक सुधार कर रहा है। मृतकों के नाम हटाए जा रहे हैं, जिनका नाम कई जगहों पर दर्ज है उन्हें एक स्थान पर किया जा रहा है और जो दूसरे राज्यों में वोटर बन चुके हैं उनका नाम बिहार की सूची से हटाया जा रहा है।

जनता सवाल पूछ रही, विपक्ष जवाब नहीं दे रहा

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं से जनता पूछ रही है कि क्या मृतकों के नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटने चाहिए। क्या एक व्यक्ति का नाम कई जगहों पर रहना चाहिए, क्या दूसरे राज्यों के वोटरों का नाम बिहार की सूची में होना उचित है। क्या घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट में बने रहना चाहिए, आदि। उन्होंने कहा कि इन सवालों का कोई ठोस जवाब विपक्षी नेताओं के पास नहीं है। वे लोग सिर्फ थेथर लॉजी में लगे हैं।

चुनाव आयोग को बलि का बकरा बना रहा विपक्ष

पूर्व मंत्री ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट उपलब्ध कराई गई है। आयोग रोजाना बुलेटिन जारी कर रहा है कि किस पार्टी ने कितनी आपत्तियां दर्ज कीं। सिर्फ माले ने 10 शिकायतें दर्ज कराई हैं, बाकी दलों ने कोई आपत्ति नहीं दी। इससे साफ है कि मतदाता सूची में कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं है। दरअसल राहुल और तेजस्वी अपनी संभावित हार को देखते हुए चुनाव आयोग को बलि का बकरा बनाना चाहते हैं।

पुराने धंधे पर लौटना चाहती है विपक्षी मंडली

उन्होंने कहा कि यही बिहार कभी बूथ कैप्चरिंग और रक्तरंजित चुनावों के लिए बदनाम था, लेकिन अब पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा तक के चुनाव ईवीएम से पूरी पारदर्शिता के साथ हो रहे हैं। सोशल मीडिया के युग में कोई भी गड़बड़ी छिपाई नहीं जा सकती। विपक्ष का यह पुराना धंधा है, अगर जीत जाएं तो बब्बर शेर, और हार जाएं तो ईवीएम हैक और वोट चोरी का राग अलापने लगते हैं।

लोकतांत्रिक ढांचो को कमजोर कर रहे है राहुल गांधी

राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि वे लगातार संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। जिस नेता को अपने देश के मतदाता और लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है, वह विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश की उपलब्धियों के साथ कभी खड़े नहीं होते। ट्रंप ने भारत की अर्थव्यवस्था को ह्यडेड इकोनॉमीह्ण कहा तो राहुल गांधी ने भी वही राग अलापा, जबकि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है।

लालू प्रसाद बनाम तेजस्वी

रामकृपाल यादव ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि वे स्वयं लालू प्रसाद यादव के साथ राजनीति कर चुके हैं। लालू ने कभी भी कांग्रेस के चरणों में अपनी पगड़ी नहीं रखी, लेकिन आज उनका बेटा राहुल गांधी का अनुयायी बनकर घूम रहा है। उन्होंने राजद समर्थकों को चेताया कि जिस तरह राहुल गांधी ने कांग्रेस का हाल किया, वैसा ही हाल राजद का होने वाला है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2025 विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए 200 से अधिक सीटों पर विजय हासिल करेगा।

कार्यक्रम में कई नेता रहे मौजूद

प्रेसवार्ता में भाजपा के अलावा जदयू के नेता भी मौजूद रहे। मौके पर मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक रणधीर यादव, जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय, प्रवक्ता दीपक पांडेय, जिला मंत्री संध्या पांडेय, जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह यादव, प्रदेश महासचिव युवा जदयू आजाद सिंह राठौर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनाथपुर में जल जमाव से ग्रामीण परेशान, सड़क बनी तालाब

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड अंतर्गत रामपुर पंचायत के बैजनाथपुर गांव स्थित वार्ड संख्या 6 में राज किशोर सिंह के घर के पास सड़क पर लगातार जल जमाव हो रहा है। बारिश का पानी जमा होने से ग्रामीणों की आवाजाही में काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीण राज किशोर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, मिथिलेश यादव, चौकीदार राम, सोहाग यादव, सुरेंद्र तिवारी, अशोक सिंह, हरि सिंह आदि ने बताया कि यह सड़क राज किशोर सिंह के घर से केसठहचौगाई मुख्य पथ तक जाती है। लेकिन राज किशोर सिंह के घर के पास सड़क गड्ढेनुमा हो जाने के कारण थोड़ी-सी भी बारिश में पानी भर जाता है। कई दिनों तक पानी जमा रहने से दुर्गंध उठने लगती है और मच्छरों के प्रकोप का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों के अनुसार यह सड़क मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना के तहत बनी थी, लेकिन निर्माण कार्य के समय गुणवत्ता की अनदेखी तथा मिट्टीहगिट्टी की कमी के कारण यहां गड्ढा बन गया। समस्या की जानकारी राजद प्रखंड अध्यक्ष राज किशोर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने अपने स्तर से आरडब्ल्यूडी के जेई को पहले ही दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए, ताकि सड़क को समतल कर बारिश का पानी जमा होने से रोका जा सके। लोगों ने पत्राचार के माध्यम से संबंधित अधिकारियों तक अपनी आवाज पहुंचाने की बात कही है, ताकि जल जमाव की समस्या से राहत मिल सके।

पुलिस बस ने बाइक को ठोका, दो युवक गम्भीर रूप से घायल

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पांडेयपट्टी स्कंदही मां मंदिर के समीप बुधवार की देर शाम पुलिस बस और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान लालगंज निवासी सोनू कुमार तथा हुकहा गांव निवासी उमेश कुमार यादव के रूप में हुई है। दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि सोनू और उमेश अपने गांव से नई बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही पुलिस बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों सड़क पर बुरी तरह गिरकर घायल हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची हुई थी। ग्रामीणों ने इस दुर्घटना पर आक्रोश जताते हुए प्रशासन से घायल युवकों को उचित मुआवजा और दोषी चालक पर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इस दुर्घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और कुछ समय के लिए सड़क पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि यदि वाहन चालक सावधानी बरतते तो ऐसी नौबत नहीं आती।

शिक्षक ने दिखाई मानवता, दुर्लभ हिरण के बच्चे को बचा वन विभाग को सौंपा

- कुत्तों के झूंड से घिर गया था नन्हा शावक, नावानगर नगर स्थित रेस्क्यू सेंटर लेकर गए वन विभाग के अधिकारी

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

प्रखंड के रघुनाथपुर निवासी तथा चौगाईं प्रखंड के उच्च विद्यालय ओझा बरांव के शिक्षक धीरज कुमार ने दुर्लभ जीवों की श्रेणी में शामिल हिरण के एक शावक को कुत्तों के झुंड से बचा मानवता की मिशाल पेश की है। बाद में उक्त शावक को उन्होंने ब्रह्मपुर से वन उप परिसर पदाधिकारी विपीन कुमार को सौंप दिया। वे उसे लेकर नावानगर स्थित हिरणों के लिए बनाए गए रेस्क्यू सेंटर में ले जाकर उसे सुरक्षित छोड़े। हिरण के बच्चें को बचाने के लिए वन विभाग ने शिक्षक की तारीफ की है तथा कहा है कि दुर्लभ जीवों का संरक्षण सभी नागरिक का कर्तव्य है। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षक धीरज कुमार शाम में टहलते हुए बधार की तरफ गए थे। अंधेरा होने के करीब उन्होंने देखा कि एक जगह कीचड़ में हिरण का एक छोटा बच्चा फंस गया है तथा कुत्तें उसे नोचनें को आतुर है। उन्होंने बिना देर किए कुत्तों को वहां से भगा हिरण के बच्चें को गोद में उठा अपने घर लाए तथा वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किए। लेकिन रात में संपर्क नहीं हो पाया इसके बाद वे उस मृग शावक को अपने हाथों दूध पिला उसे पूरी रात अपने पास ही सुरक्षित रखे। सुबह में जब उनकी बात रेंजर से हुई तो रेंजर ने ही ब्रह्मपुर के वन उप परिसर पदाधिकारी को भेज हिरण के बच्चें का रेस्क्यू करवा उसे अभ्यारण में छुड़वाया। धीरज का कहना है कि हमे सभी जीवो के प्रति दया दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती को सुंदर बनाने में इंसान के साथ ही जीव जंतुओं का बड़ा योगदान है। हमे जैव विविधता को बचाए रखने में सहयोग करना चाहिए। धीरज के इस प्रयास से न सिर्फ दुर्लभ प्रजाति के एक शावक की जान बची बल्कि लोगों को भी एक संदेश दिया है कि पशु-पक्षियों को सुरक्षित रखना हमारा दायित्व है।

एक नजर

मामूली बात पर मां-बेटे की पिटाई, पांच नामजद

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र के अमसारी गांव में मंगलवार की शाम एक मामूली बात पर मां-बेटे के पिटाई का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पीड़िता रामदती देवी ने गांव के ही पांच लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस पीड़िता के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

डुमरांव पुलिस ने 94 टेट्रा पैक शराब के साथ दो तस्करों को पकड़ा

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने बुधवार को अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 94 पीस टेट्रा पैक शराब जब्त की है। जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के पुराना थाना रोड स्थित दो ठिकानों पर शराब की खेप छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें लालबाबू और नागरमल नामक दो धंधेबाज पकड़े गए। पुलिस ने बताया कि लालबाबू के ठिकाने से 59 पीस और नागरमल के ठिकाने से 35 पीस एट पीएम फ्रूटी पैक शराब बरामद हुआ है। शराब को कब्जे में लेकर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि दोनों के खिलाफ आवश्यक कागजी कार्रवाई की जा रही है और शराब तस्करी के नेटवर्क की भी जांच की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई से स्थानीय क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

वार्ड 21 में जलजमाव से परेशान लोगों ने मुक्ति दिलाने की आवाज उठाई

डुमरांव। नगर में नई कॉलोनियों की भरमार हो चूकी है। शहर के आसपास खेत से लेकर परती जमीन पर बहुमंजिले भवन बनाए जा रहे हैं। इन नई कॉलोनियों के घरों से निकलने वाला पानी कहां जाकर गिरेगा, इसकी व्यवस्था नप की तरफ से नहीं की गई, जिसको लेकर आए दिन आपस में तनाव बढ़ते जा रहा है। इसी तरह की समस्या वार्ड 21 के शिवपुरी कॉलोनी में आ गई है। नाली नहीं होने के कारण रोड पर पानी बहता है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मोहल्लेवासी मो. अली खान, चंदन कुमार, दीपक राय, रेनू देवी, पूनम देवी, रवीन्द्र यादव सहित अन्य का कहना है कि इसकी शिकायत वार्ड पार्षद मेहरूनीशा और नप ईओ से मनीष कुमार से की गई थी, लेकिन निदान नहीं निकल पाया है। इस संबंध में जब मनीष कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया की इसका निदान निकालने के लिये कर्मियों को आवश्यक निदेश दे दिये गए हैं। धीरे-धीरे सारे कठिनाईयों को दूर कर दिया जाएगा। मालूम हो डुमरांव में और विस्तारित क्षेत्रों में नई-नई कॉलोनियों बन चुकी हैं, जिसमें बहुमंजिले इमारतों की भरमार है, लेकिन उन्हें उसके अनुसार सुविधा नहीं मिल रही है। सिकरौल-डुमरांव राजवाहा के उस पार कई कॉलोनियों बस गई हैं। वहां जाने के लिये कुछ मोहल्लों में पीसीसी रोड बना दिया गया है तो किसी में कच्ची सड़कों से होकर आना-जाना पड़ता है। जिस कॉलोनी में पीसीसी रोड बनाया गया है, उसके दोनों तरफ नाली की व्यवस्था नहीं की गई, जिससे घर का पानी रोड पर ही बहता रहता है। इसकी शिकायत करने के बाद भी इस समस्या का हल नप नहीं निकाल पाया है, जिससे बरसात को लेकर लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमराँव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

दो सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है जल स्तर, गंगा के साथ ही सहायक कर्मनाशा व ठोरा भी उफनाई

बक्सर में फिर बढ़ा बाढ़ का खतरा, चेतावनी बिंदू को पार कर गई गंगा, विवाह मंडप डूबा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में गंगा एक बार फिर से चेतावनी बिंदू को पार कर गई है। बुधवार की सुबह 11 बजे गंगा का जल स्तर 59.95 मीटर दर्ज किया गया। जो चेतावनी बिंदू से 63 सेमी उपर तथा जबकि खतरे के निशान से मात्र 37 सेमी नीचे है। बता दें कि खतरे का निशान 60.32 मीटर है।

राहत की बात है कि मंगलवार की अपेक्षा बुधवार को जल स्तर बढ़ने का रफ्तार काफी कम हो गया था। बुधवार को दो सेमी प्रति घंटे की रफ्तार से जल स्तर बढ़ रहा है, जबकि मंगलवार को यह रफ्तार 8 सेमी प्रति घंटा दर्ज किया गया था।

जल स्तर बढ़ने से बक्सर के ऐतिहासिक रामरेखा घाट स्थित विवाह मंडप डूब गया है। इसके अलावे चौसा, सिमरी, ब्रह्मपुर आदि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दियारा इलाके के खेतों में एक बार फिर से बाढ़ का पानी चढ़ने लगा है। जिससे फसलों को नुकसान पहुंचने की चिंता बढ़ गई है। गंगा क साथ ही बक्सर में उसकी प्रमुख सहायक नदी कर्मनाशा तथा ठोरा में भी उफान है। जिससे चौसा प्रखंड की एक बड़ी आबादी पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल स्तर बढ़ने का यही रफ्तार रहा तो जल्दी ही फिर से उनके घरों में बाढ़ का पनी आ जाएगा। बता दें कि पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बादल फटने तथा भारी बारिश हो रही है। जिस कारण गंगा में एक बार फिर से बाढ़ आ गई है। हालांकि, जिला प्रशासन गंगा के लगातार बढ़ रहे जल स्तर पर निगरानी बनाकर रखा हैं। जिला प्रशासन का कहना है कि बाढ़ की चुनौती से निपटने का प्रयास किया जा रहा है। गौरतल हो कि इस बरसात में यह तीसरा मौका है जब गंगा चेतावनी बिंदू को पार कर गई है। वहीं, इसके पहले एक बार खतरे के निशान को पार कर गंगा दियारे क्षेत्र में तबाही मचा चुकी है। एक बार फिर से बाढ़ के संभावित खतरे को देखते हुए दियारावासियों की चिंता बढ़ गई है। लोग अभी से ही सुरक्षित ठिकानों की तलाश करने लगे है। वहीं, किसानों को अपने फसल क चौपट होने का खतरा बढ़ गया है।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में, छाया रहा शिक्षा व स्वास्थ्य का मुद्दा

दिशा की बैठक में उठा सवाल जांच के दौरान फर्स्ट आइडिया को कैसे किया गया भुगतान?

- बोले स्थापना डीपीओ जांच के दौरान भुगतान पर नहीं लगाई गई थी रोक
- जीविका की कार्यशैली तथा अधिकारियों की मनमानी पर सदस्यों ने जताया आक्रोश

केटी न्यूज/बक्सर

बुधवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भले ही सबसे अधिक मामले राजस्व विभाग से संबंधित आए, लेकिन शिक्षा विभाग व स्वास्थ्य विभाग का मुद्दा छाया रहा। बक्सर सांसद सुधाकर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने सवाल उठाया कि जब शिक्षा विभाग में हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन व कार्यशैली की जांच चल रही थी तथा विभागीय अधिकारियों के जांच में फर्स्ट आइडिया के चयन को एकरारनामे का उल्लंघन माना गया था तथा जिला प्रशासन द्वारा जांच जारी थी, ऐसे समय में हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया को शिक्षा विभाग द्वारा भुगतान क्यों किया गया, जबकि जिले में कार्यरत अन्य एजेंसियों का भुगतान नहीं किया गया है। इसका जबाव देते हुए स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय ने बताया कि जांच के दौरान भुगतान पर रोक नहीं लगाई थी। उन्होंने कहा कि सिर्फ फर्स्ट आइडिया को ही नहीं बल्कि सभी कार्यरत एजेंसियों का भुगतान किया गया है। इस जबाव से सदस्य असंतुष्ट दिखे वहीं, अध्यक्षता कर रहे सांसद सुधाकर सिंह ने भी माना कि जांच पूरी होने तक भुगतान नहीं किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि मैं किसी एजेंसी के पक्ष में नहीं हूं। उन्होंने इस मामले की जांच डीडीसी के नेतृत्व वाली एसआईटी से कराने को कहा और कहा कि दोषी लोगों पर कार्रवाई होगी।बता दें कि बक्सर के शिक्षा विभाग में सक्रिय तथाकथित मॉफिया अजय सिंह व अरविंद सिंह के सहयोग से संचालित फर्स्ट आइडिया को फर्स्ट (पहले) भुगतान के अलावे स्थापना डीपीओ विष्णुकांत राय द्वारा अजय की शिक्षिका पत्नी शोभा का निलंबन टूटते ही आनन-फानन में निलंबन अवधि के समस्त बकाए का भुगतान कर दिया गया था। तथाकथित मॉफियाओं के प्रति स्थापना डीपीओ की इस हमदर्दी से कई सवाल खड़े हो रहे है। बता दें कि हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के चयन पर विवाद के बाद यह तीसरा मौका है जब हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन व कायैशैली की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। ऐसे में आम लोगों में अब इस बात को ले आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है कि आखिर प्रशासन द्वारा कितने दिनों में जांच पूरा किया जाएगा।

इसके अलावे बैठक में राजस्व विभाग से आए मामलों पर भी चर्चा किया गया। अध्यक्ष ने राजस्व विभाग के लंबित मामलों पर नाराजगी जताई तथा भूमि विवाद से संबंधित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिया गया।

इसके अलावे स्कूलों में प्रभारी प्रधानाध्यापकों की प्रतिनियुक्ति में विभागीय गाइड लाइन का पालन नहीं करने, हाउस कीपिंग एजेंसियों द्वारा सफाई में कोताही तथा सफाईकर्मियों का भुगतान नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठा था।

सदर अस्पताल के बदले निजी अस्पताल पर ध्यान देते है चिकित्सक

वहीं, दिशा की बैठक में स्वास्थ्य विभाग का मुद्दा भी छाया रहा। जांच सदस्यों ने आरोप लगाया कि सदर अस्पताल के दूसरे व तीसरे तल्ले पर डॉक्टर मरीजों को देखने नहीं जाते है। तय किया गया कि अस्पताल के सीसीटीवी की जांच कर दोषी पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सदस्यों ने सदर अस्पताल में पोस्टेड एक डॉक्टर पर निजी क्लीनिक तथा पैथोलॉजी चलाने, निजी एंबुलेंस रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे सदर अस्पताल से मरीजों को अपने निजी अस्पताल में बुला इलाज करते है। सदस्यों ने उक्त चिकित्सक के अन्यत्र स्थानांतरण की मांग की जबकि जीविका समूह के अधिकारियों की मनमानी तथा अटांव पंचायत में हुए गबन मामले में संबंधित अधिकारियों को क्लीन चिट दिए जाने पर डुमरांव विधायक ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को मॉनिटरिंग करनी थी, लेकिन वर्षों से जीकिवा समूह का पैसे का गबन किया जा रहा था, बावजूद अधिकारी क्यों नहीं इसका पड़ताल किए। इसके अलावे विधायक ने हरियाली जीविका समूह पुराना भोजपुर तथा अनमोल जीविका समूह सोवां के सदस्यों को हटाने का मुद्दा भी उठाया। इसके अलावे भी बैठक में कई अनय विषयों पर चर्चा की गई तथा कई आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सांसद सुधाकर सिंह, डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह के अलावे बक्सर सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, राजपुर विधायक विश्वनाथ राम, ब्रह्मपुर विधायक शंभूनाथ सिंह, डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह, एसपी शुभम आर्य समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा दिशा के सदस्य मौजूद थे।

एक नजर

स्टेशन रोड के दोनों तरफ जलजमाव को रोकने के लिये पुल का निर्माण हुआ शुरू

डुमरांव। नगर से गुजर रही एनएच-120 के महरौरा मोड़ के पास रोड कटिंग में पानी जमा होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। रोड कटिंग में पानी भर जाने के कारण ओवरफ्लो होकर बस्ती से लेकर सड़क पर चला आता है, जिससे यातायात में परेशानी तो होती ही है, जिस मोहल्ले में पानी चला जाता है, घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। इतना ही नहीं पानी बहकर कृषि उद्यान में चले जाने के कारण उसमें लगे दर्जनों आम, अमरूद, चिलबिल, शीशम के पेड़ सूख गए। इस कृषि उद्यान को वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय हैंडओवर ले लिया है, जिसमें छात्रों के लिये रिसर्च सेंटर खोला जाएगा। इन सारी समस्याओं को समाप्त करने के लिये एनएच ने महरौरा मोड़ के पास पुल निर्माण कराने के लिये गड्ढे की खुदाई कराना शुरू कर दिया है। गड्ढे की खुदाई शुरू होते ही लोगों में यह उम्मीद जगी है कि उन्हें अब जलजमाव से मुक्ति मिलेगी। इधर कृषि कॉलेज परिवार भी काम शुरू होने से खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इसकी शिकायत कृषि विभाग के निदेशक, डीएम तक की गई थी। सकरात्मक कार्य शुरू होने से जिस कार्य के लिये इसे लिया गया है, पूरा होगा। इस संबंध में जब एनएच के जेई जो गया में बैठते हैं, उनसे जब बात की गई तो उन्होंने बताया की गड्ढे खुदाई के दौरान पानी सप्लाई, गैस सप्लाई, भूमिगत वायर बिछाए गए हैं, निकल आए हैं, इसको लेकर काम को रोक दिया गया है। उन्होंने बताया की एनएच की टीम गुरूवार को पहुंच उक्त् स्थल का निरीक्षण कर सारी जानकारी हासिल करेगी। फिर अधिकारियों से बात कर बिछाए गए तार से जो समस्या उत्पन्न हो गई है, उसका हल निकाल कार्य को शुरू कराया जाएगा। जलजमाव एनएच के किनार नहीं हो, उसके उपाय भी प्रशासन से बात होगी। मालूम हो कि नगर से गुजर रही सड़क एनएच की है, जिसमें नप हाथ नहीं लगता है। हालांकि पूर्व चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने नगर से गुजर रही इस सड़क को हैंडओवर करने की मांग एनएच से किया है, लेकिन स्थिति में कुछ बदलाव नहीं हुआ है। नगरवासियों का कहना है कि पुल बनाने के साथ-साथ एनएच के दोनों तरफ नाला का निर्माण कराना भी आवश्यक है। बगैर नाले का निर्माण कराए जलजमाव से नगरवासियों को मुक्ति नहीं मिल पाएगी। गुरूवार को एनएच के इंजीनियर समस्या का हल निकालने के लिये जुटेंगे, आगे इसका क्या हल निकाला जाता है, लोगों को इंतजार रहेगा।

शहीद जगदेव प्रसाद की शहादत दिवस पर डुमरांव में होगा कार्यक्रम

केटी न्यूज/डुमरांव

दलितों, शोषितों और पिछड़ों के मसीहा कहे जाने वाले बिहार के लेनिन शहीद जगदेव प्रसाद की शहादत दिवस की तैयारी तेज हो गई है। इसको लेकर बुधवार की रात कृष्णाब्रहम में एक बैठक आयोजित हुई, जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी 5 सितम्बर को डुमरांव नगर भवन में शहादत दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।बैठक की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने कहा कि जगदेव बाबू ने सदैव गरीब, वंचित और शोषित समाज की आवाज को बुलंद किया था। उन्होंने अन्याय और असमानता के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। यही कारण है कि उन्हें ह्वबिहार का लेनिनह्व कहा जाता है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके जीवनकाल में थे। रवि उज्जवल ने आगे कहा कि शहादत दिवस कार्यक्रम में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र सहित आसपास के लोग भी भारी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि नगर भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में जगदेव बाबू के जीवन, संघर्ष और समाज के लिए किए गए योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा। साथ ही यह भी संकल्प लिया जाएगा कि उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए समाज एकजुट होकर काम करे।

बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर विभिन्न जिम्मेदारियां भी तय की गईं। इस दौरान बीरेन्द्र कुशवाहा, प्रो. अखिलेश कुशवाहा, वशिष्ठ सिंह कुशवाहा, रघुवंश मौर्य, अनंत मौर्य, सिपाही मौर्य, श्याम बिहारी मौर्य, वाल्मीकि कुशवाहा, विनय कुमार, वाराणसी मौर्य, संतोष कुमार, मुन्ना कुमार, कन्हैया कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि शहीद जगदेव प्रसाद की जयंती और शहादत दिवस सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई को आगे बढ़ाने का अवसर है। इसी सोच के साथ 5 सितम्बर का कार्यक्रम ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की जा रही है।

दिशा समिति की बैठक में उठे शिक्षा, सड़क और पर्यावरण के मुद्दे

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह के निर्देश पर उनके जिला प्रतिनिधि पुनीत सिंह ने बुधवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में कई अहम जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

सिंह ने सबसे पहले शिक्षकों के ऐच्छिक स्थानांतरण से जुड़े मामलों पर अविलंब कार्रवाई की मांग की। साथ ही उन्होंने केंद्रीय विद्यालय के लिए चयनित जमीन को केंद्रीय विद्यालय संगठन को हस्तांतरित करने का मुद्दा भी उठाया। इस पर अध्यक्ष महोदय ने सदन को आश्वस्त किया कि प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और बहुत जल्द जमीन हस्तांतरण का कार्य संपन्न होगा।

बैठक में पर्यावरण का मुद्दा भी गूंजा। सिंह ने कहा कि बक्सर शहर पिछले पांच वर्षों से देश के सबसे प्रदूषित दस शहरों की सूची में शामिल रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने अब तक कौन से कदम उठाए हैं, इसकी जानकारी सदन को देने की मांग की गई।

शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे। नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय में छात्रों के लिए खेल मैदान की व्यवस्था नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए सिंह ने प्रशासन से विद्यालय परिसर की उपलब्ध जमीन पर सुव्यवस्थित खेल मैदान बनाने की मांग रखी।

स्थानीय जनसमस्याओं में सड़क व अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुख रहा। बक्सर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 11 की ठाकुर बड़ी से पांडेय पट्टी गांव जाने वाली मुख्य सड़क की जर्जर स्थिति और सालोंभर जलजमाव की समस्या पर चिंता जताई गई। सिंह ने कहा कि इस वजह से ग्रामीणों को भारी कठिनाई झेलनी पड़ रही है और बीमारियों का खतरा बना रहता है। उन्होंने अविलंब सड़क निर्माण की मांग की।

इसके साथ ही उन्होंने शहर में बढ़ते अतिक्रमण की समस्या पर भी अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित किया और ठोस कार्रवाई की आवश्यकता बताई।

अजीत सिंह की पुण्यतिथि पर उमड़ा स्नेह-सागर, श्रद्धा-सुमन अर्पित कर याद किए गए उनके आदर्श

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के प्रतिष्ठित व्यवसायी रहे स्वर्गीय अजीत सिंह की छठी पुण्यतिथि बुधवार को शहर के सिंडिकेट स्थित कैलाश भवन में गहन श्रद्धा और संवेदना के बीच मनाई गई। इस मौके पर उनके स्वजन, परिजन, मित्रगण और शुभचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत अजीत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। इसके बाद श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि अजीत सिंह ने बहुत ही कम समय में व्यवसाय जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। मेहनत, लगन और दूरदर्शिता उनकी सबसे बड़ी पूंजी थी, जिनकी बदौलत उन्होंने सफलता की नई ऊँचाइयों को छुआ। उनकी यह यात्रा समाज और खासकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी रही है। स्व. अजीत सिंह के बड़े भाई अमित सिंह ने भावुक स्वर में कहा कि अजीत न केवल परिवार के आधारस्तंभ थे, बल्कि अपने मित्रों और परिचितों के बीच भी अत्यंत लोकप्रिय थे। वे हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे रहते थे और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनकी अनुपस्थिति आज भी सभी को गहराई से महसूस होती है, किंतु उनके विचार और आदर्श सभी को मार्गदर्शन देते रहेंगे।

सभा में मौजूद परिजनों और मित्रों ने कहा कि अजीत सिंह का असमय निधन न केवल परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने युवाओं को संघर्ष और सकारात्मक सोच के बल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उनके जीवन का हर अध्याय यह संदेश देता है कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और मेहनत से सफलता पाई जा सकती है। इस अवसर पर स्वर्गीय अजीत सिंह के छोटे भाई सुजीत सिंह, विनोद सिंह, अरविंद सिंह, अप्पू, रतन, मिट्ठू, यादव जी, अभिषेक पांडेय, राकेश, मनीष और कामलेश समेत बड़ी संख्या में परिजन और शुभचिंतक मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि अजीत सिंह की यादें और उनके आदर्श हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने उनके आदर्शों पर चलने और समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नम आंखों और भारी मन से सभी ने उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और उनकी स्मृतियों को चिरस्थायी बनाए रखने का आह्वान किया।

वार्ड 21 में जलजमाव से परेशान लोगों ने मुक्ति दिलाने की आवाज उठाई

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर में नई कॉलोनियों की भरमार हो चूकी है। शहर के आसपास खेत से लेकर परती जमीन पर बहुमंजिले भवन बनाए जा रहे हैं। इन नई कॉलोनियों के घरों से निकलने वाला पानी कहां जाकर गिरेगा, इसकी व्यवस्था नप की तरफ से नहीं की गई, जिसको लेकर आए दिन आपस में तनाव बढ़ते जा रहा है। इसी तरह की समस्या वार्ड 21 के शिवपुरी कॉलोनी में आ गई है। नाली नहीं होने के कारण रोड पर पानी बहता है, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मोहल्लेवासी मो. अली खान, चंदन कुमार, दीपक राय, रेनू देवी, पूनम देवी, रवीन्द्र यादव सहित अन्य का कहना है कि इसकी शिकायत वार्ड पार्षद मेहरूनीशा और नप ईओ से मनीष कुमार से की गई थी, लेकिन निदान नहीं निकल पाया है। इस संबंध में जब मनीष कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया की इसका निदान निकालने के लिये कर्मियों को आवश्यक निदेश दे दिये गए हैं। धीरे-धीरे सारे कठिनाईयों को दूर कर दिया जाएगा।

मालूम हो डुमरांव में और विस्तारित क्षेत्रों में नई-नई कॉलोनियों बन चुकी हैं, जिसमें बहुमंजिले इमारतों की भरमार है, लेकिन उन्हें उसके अनुसार सुविधा नहीं मिल रही है। सिकरौल-डुमरांव राजवाहा के उस पार कई कॉलोनियों बस गई हैं। वहां जाने के लिये कुछ मोहल्लों में पीसीसी रोड बना दिया गया है तो किसी में कच्ची सड़कों से होकर आना-जाना पड़ता है। जिस कॉलोनी में पीसीसी रोड बनाया गया है, उसके दोनों तरफ नाली की व्यवस्था नहीं की गई, जिससे घर का पानी रोड पर ही बहता रहता है। इसकी शिकायत करने के बाद भी इस समस्या का हल नप नहीं निकाल पाया है, जिससे बरसात को लेकर लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

आरा में रामकृपाल यादव का राहुल-तेजस्वी पर हमला, कहा

नेताओं की तुलना कपूर्री ठाकुर और जयप्रकाश नारायण जैसे जननायकों से करना चमचागिरी और बेलचागिरी

केटी न्युज/आरा

भोजपुर जिले के आरा में पहुंचे भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं की तुलना कपूर्री ठाकुर और जयप्रकाश नारायण जैसे जननायकों से करना चमचागिरी और बेलचागिरी है। रामकृपाल यादव ने कहा, जननायक राहुल गांधी या तेजस्वी यादव नहीं हो सकते। जननायक तो कपूर्री ठाकुर और जयप्रकाश जी थे, जिन्होंने ईमानदारी और निष्ठा से अपना जीवन जनता को समर्पित कर दिया। लेकिन आज कांग्रेस और राजद के लोग अपने नायकों को भूलकर चमचागिरी में लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वोटर अधिकार यात्रा के नाम पर राहुल-तेजस्वी बिहार में परिवारवाद और घुसपैठियों को अधिकार दिलाने की राजनीति कर रहे हैं। यादव ने सवाल किया कि जिन मृतकों के नाम मतदाता सूची से हटाने चाहिए, जिनके नाम कई जगहों पर दर्ज हैं, या जो लोग बिहार छोड़कर अन्य राज्यों में वोटर बन चुके हैं, उनका नाम बिहार की वोटर लिस्ट में क्यों रहना चाहिए? रामकृपाल यादव ने कहा कि चुनाव आयोग लगातार ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर आपत्तियां लेने का काम कर रहा है, लेकिन कांग्रेस और राजद के नेता जानबूझकर आयोग को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, इन लोगों का पुराना धंधा है– जीत गए तो बब्बर शेर और हार गए तो ईवीएम हैक। उन्होंने राहुल गांधी को अराजक राजनीति का प्रतीक बताया और आरोप लगाया कि राहुल कभी भी भारत की उपलब्धियों के साथ खड़े नहीं होते। ट्रंप ने जब भारत की अर्थव्यवस्था को डेड कहा, तब राहुल ने भी वही कहा, जबकि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। लालू प्रसाद यादव का ज़िक्र करते हुए रामकृपाल यादव ने कहा कि वे कांग्रेस के सामने कभी नहीं झुके, लेकिन उनका बेटा तेजस्वी आज राहुल गांधी को देवी मानकर उनके पीछे-पीछे घूम रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जिस तरह कांग्रेस का हाल राहुल गांधी ने किया, वैसा ही हाल राजद का भी होगा। अंत में उन्होंने कहा, टाइटेनिक डूबने वाला है। जो समझदार और दूरदर्शी हैं, वे एनडीए की ओर आ जाएं– यहां विकास भी मिलेगा और सम्मान भी।

घूसखोर बीईओ को एक लाख रुपये घुस लेते निगरानी ने रंगे हाथ किया गिरफ्तार

केटी न्युज/आरा

बिहार के आरा में निगरानी विभाग की टीम ने शिक्षा महकमे में भ्रष्टाचार का एक और चेहरा बेनकाब किया है। टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) को एक लाख घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। निगरानी विभाग की टीम ने शिकायत मिलने पर जाल बिछाया और घूस लेते ही अधिकारी को पकड़ लिया।जानकारी के अनुसार अधिकारी शिकायतकर्ता से कार्य कराने के नाम पर एक लाख रुपये की अवैध मांग कर रहे थे। शिकायत की पुष्टि होने के बाद निगरानी की विशेष टीम ने जाल बिछाकर उन्हें रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अधिकारी को निगरानी की टीम पूछताछ कर कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। इस कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं पकड़े गए अधिकारी शाहपुर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी गुलाम शरवर है। गुलाम शरवर के साथ साथ उनके साथ शिक्षक मोहम्मद कादिर हुसैन (जो बिचवलिया का

काम करते थे) को भी गिरफ्तार कर लिया है। मोहम्मद कादिर हुसैन शाहपुर भीम पट्टी वन स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक है और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के भ्रष्टाचार के साथी भी है। दोनों को निगरानी ने आरा बक्सर फॉर लेन छोटकी सासाराम के पास एक निजी ढाबे से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने शिकायतकर्ता को इसी ढाबे पर पैसे लेकर आने को कहा था। वहीं निगरानी विभाग के डीएसपी आदित्य कुमार ने बताया कि संतोष कुमार पाठक के द्वारा एक आवेदन निगरानी ब्यूरो को प्राप्त हुआ था। जिसमें कहा गया था कि बकाया सैलरी निकालने के लिए शाहपुर के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा एक लाख की रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायतकर्ता के आवेदन के बाद सत्यापन कराया गया। जो सत्यापन के दौरान यह सत्य पाया। इसके आलोक में निगरानी थाना में कांड संख्या 6725 दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज करने के बाद धावा बल गठित किया गया। जिसके बाद जल बिछाकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी और उसके साथी को एक लाख रुपए रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। वहीं शिकायतकर्ता प्राथमिक विद्यालय बंशीपुर में पोस्टेड है। उनका 2 साल का पैसा बाकी था। जो करीब 8 लाख 54 हजार रुपए बनता है। उसी पैसे को निकलवाने के लिए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने 12 प्रतिशत करीब एक लाख रुपए की अवैध मांग की थी। वहीं शिकायतकर्ता बक्सर जिले के नेनुआ गांव के निवासी संतोष कुमार पाठक ने बताया कि मेरा 2 वर्ष का पैसा भुगतान बाकी था। जिसे लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से कई बार रिक्वेस्ट किया और कई बार आवेदन दिया था। सभी साक्ष्यों के साथ उपस्थित हुआ था। लेकिन पहले प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा 20 प्रतिशत कमिशन की मांग की गई। उसके बाद 15 प्रतिशत कमिशन की मांग की जाने लगी। संतोष ने बताया हाथ पैर जोड़ने के बाद पदाधिकारी द्वारा एक लाख रुपए मांगे गए जो आज निगरानी विभाग ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वंशीपुर प्राथमिक विद्यालय में विशिष्ट शिक्षक के पद पर कार्यरत है। 2019 में नियोजित शिक्षक थे। उस दौरान सेवा पुस्तिका गायब हो गया था। उसके लिए भी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को 40 हजार रुपए की अवैध रिश्वत की मांग की गई थी। उसके बाद दो साल का बकाया पैसा 8 लाख 54 हजार रुपए हुए। जिसे निकलवाने के लिए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी गुलाम शरवर के द्वारा एक लाख की मांग की गई। जिसे निगरानी ने गिरफ्तार कर लिया।

शहर समेत जिलेभर में गणेश चतुर्थी की रही धूम, प्रतिमा स्थापित कर की गई पूजा

केटी न्युज/आरा

सिद्धि विनायक भगवान गणेश की पूजा-अर्चना शहर समेत जिलेभर में धूमधाम से की गयी। गणेश चतुर्थी त्योहार को ले उत्साह का माहौल रहा। कुछ जगहों पर पंडाल बनाकर उसमें भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गयी, जबकि भक्तों ने अपने घरों में भी उनकी विधिवत पूजा अर्चना की। शिवसेना जिला इकाई की ओर से रामलीला मैदान परिसर स्थित हनुमान मंदिर के बगल में पंडाल बनाकर गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गयी। गणेश जी की पूजा भक्ति भाव से की गयी। गणपति का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बाजार और घरों में चहल-पहल बनी रही।स्थापित गणपति बप्पा की प्रतिमा शहर में आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी है। हर वर्ष शिव सेना (यूबीटी) इकाई करती है पूजा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिवसेना (यूबीटी) जिला इकाई द्वारा हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ गणेश पूजा का आयोजन किया गया। मौके पर संगठन के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। पूजन कार्यक्रम बुधवार की सुबह विधिविधान के साथ आरंभ हुआ। भगवान श्री गणेश जी का आह्वान, कलश स्थापना एवं मंत्रोच्चारण के बीच गणपति बप्पा की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से आरती एवं पूजा में भाग लिया। गणपति बप्पा मोरया के जयघोष गूंजते रहे और पूरे क्षेत्र में धार्मिक व सांस्कृतिक उल्लास का माहौल रहा। शिवसेना (यूबीटी) बिहार प्रदेश के युवा महासचिव शंभू सिंह, जिला प्रमुख गौरी शंकर सिंह, युवा प्रमुख गोविन्द कुमार और अन्य जिला पदाधिकारी कमलेश राय, पप्पू सिन्हा, सुधांशु सूर्या, अजीत यादव, हरि विराट और सिद्धार्थ कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूजा के बाद दो दिवसीय कार्यक्रम की हुई घोषणा पूजन कार्यक्रम के बाद संगठन ने आगामी दो दिवसीय कार्यक्रमों की भी घोषणा की। बताया कि भंडारा (सामूहिक प्रसाद वितरण) गुरुवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। भव्य विसर्जन यात्रा 29 अगस्त को शोभायात्रा के रूप में निकाली जाएगी। जिसमें गणपति बप्पा को पूरे विधि विधान और उत्सवपूर्ण माहौल के साथ विदाई दी जाएगी। महासचिव शंभु सिंह ने बताया कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और सद्भाव का संदेश भी देता है।

स्टेडियम में बच्चों संग क्रिकेट खेलने पहुंचे एसडीएम और डीएसपी, बच्चों ने खुशी

केटी न्युज/रोहतास

बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी स्थित खेल स्टेडियम इन दिनों उत्साह और उमंग से भरा दिख रहा है। ऐसा नजरा तब देखने को मिला जब बिक्रमगंज अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने बच्चों संग क्रिकेट का बल्ला थाम लिया । अधिकारी व बच्चों के बीच हुए इस अनोखे मुकाबले ने स्टेडियम का माहौल खुशनुमा बना दिया । खेल के दौरान एसडीएम प्रभात कुमार ने बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों में हाथ आजमाया,वहीं डीएसपी संकेत कुमार ने भी बैटिंग करते हुए चौकाने वाली शॉट लगाकर बच्चों को रोमांचित किया । बच्चे भी अधिकारियों के साथ खेलकर गदगद नजर आए । एसडीएम प्रभात कुमार

ने कहा कि खेल जीवन का अहम हिस्सा है । बच्चों के साथ खेलकर उन्हें प्रोत्साहित करना ही हमारा उद्देश्य है। शिक्षा के साथ खेल बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए जरूरी है। वहीं डीएसपी संकेत कुमार ने कहा कि खेल से अनुशासन और टीम भावना विकसित होती है। आज बच्चों के बीच खेलकर मुझे भी अपने बचपन की याद ताजा हो गई। प्रशासन हर संभव कोशिश करेगा कि बच्चों को खेल के बेहतर अवसर मिलें। दोनों अधिकारियों के इस पहल की पूरे जिलें में चर्चा है। वही लोगों ने इसे बच्चों को प्रेरित करने का अधिकारियों द्वारा अनूठा कदम बताया जा रहा है।

पूर्व विधायक मो. नवाज आलम के नेतृत्व में निकाला गया वोटर अधिकार यात्रा

केटी न्युज/आरा

आरा विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक मो. नवाज आलम उर्फ अनवर आलम के नेतृत्व में "वोटर अधिकार यात्रा" के प्रचार रथ को राजद भोजपुर जिलाध्यक्ष वीरबल यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रचार रथ आरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों का भ्रमण करते हुए आम जनता से संपर्क स्थापित किया गया। दौरे के क्रम में जनता से अपील की गई कि वे लोकतंत्र की रक्षा एवं अपने वोट के अधिकार की सुरक्षा के लिए आगामी 30 अगस्त को भोजपुर जिला में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक "वोटर अधिकार यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों और इस जनआंदोलन को ऐतिहासिक सफलता दिलाएँ। राजद भोजपुर जिलाध्यक्ष वीरबल यादव ने कहा कि यह यात्रा जनता के अधिकारों की लड़ाई है और इसे सफल बनाना प्रत्येक कार्यकर्ता तथा समाज के हर वर्ग की जिम्मेदारी है। वहीं पूर्व विधायक मो. नवाज आलम उर्फ अनवर आलम ने कहा कि आज सत्ता में बैठे लोग लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। जनता के वोट के अधिकार पर हमला हो रहा है। ऐसे समय में "वोटर अधिकार यात्रा" सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा का आंदोलन है। उन्होंने आम जनता से आग्रह किया कि वे 30 अगस्त को भोजपुर में बड़ी संख्या में पहुँचकर इस संघर्ष को मजबूती प्रदान करें। इस मौके पर राजद के जिला प्रधान महासचिव रामबाबू पासवान, प्रवक्ता आलोक रंजन, मुखिया संजय यादव, वीर बहादुर यादव, योगेंद्र यादव, छोटू यादव पूर्व प्रमुख भागीरथ यादव, परमानंद पासवान, रामप्रकाश, विजय यादव, राकेश रवि, रवि सागर समेत सैकड़ों कार्यकर्ता थे।

एक नजर

गोपाल नारायण विश्वविद्यालय के छात्रों ने मशरूम उत्पादन उधमिता का किया शुभारंभ

सासाराम। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय,सासाराम के छात्र रोहित राज ने बिहार सरकार की मदद से मशरूम उत्पादन उद्मिता की शुरूआत की है। रोहित राज ने गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित नारायण कृषि विज्ञान संस्थान से मशरूम उत्पादन में दिसंबर 2024 में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इस प्रशिक्षण के प्रमाण पत्र के आधार पर उन्हें मशरूम उत्पादन इकाई और विपणन केंद्र शुरू करने हेतु कुल 1.79 लाख की परियोजना में 90 प्रतिशत सब्सिडी मिली है। रोहित राज ने अपने प्रशिक्षक डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, डॉ. शिवम सिंह एवं नारायण कृषि विज्ञान संस्थान के सभी अध्यापकों को धन्यवाद दिया है। संस्थान के निदेशक डॉ. हेमंत कुमार सिंह एवं कृषि अधिष्ठाता डॉ.एसएस सिंह ने सभी को बधाई देते हुए क्षेत्र के नवयुवकों को इस प्रकार के कृषि उद्मिता से जोड़ने की अपील की है।

सीएससी संचालक पर खाता धारकों ने लगाया ठगी का आरोप, मुखिया द्वारा प्राथमिकी दर्ज

तिलौथू। सरैया पंचायत के सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) संचालक पर गरीब, विधवा एवं दिव्यांग खाताधारियों के साथ बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि पिछले दो वर्षों से हर माह कई शिकायतें सामने आ रही थीं कि संचालक राजकुमार चौधरी लाभुकों के खाते से उनकी जानकारी के बिना राशि की निकासी कर रहा था। वही लगातार हो रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए पंचायत के मुखिया संजय चौधरी ने अमझोर थाने में औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज कराई। मुखिया ने थाना प्रभारी से उक्त संचालक को अविलंब गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब वर्ग के लोग, विधवाएं और दिव्यांग सबसे अधिक इस धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। पीड़ितों ने न्याय की गुहार लगाते हुए दोषी के विरुद्ध सख्त कानूनी कदम उठाने की मांग की है।

पुलिस ने इस्तिहार वारंटी को भेजा जेल

काराकाट । काराकाट पुलिस ने क्षेत्र से एक इस्तिहार वारंटी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए इस्तिहार वारंटी काराकाट थाना क्षेत्र के पांडेय डिहरी गांव के निवासी स्व. महावीर शेठ के पुत्र राम जी शेठ उर्फ राम जी सोनार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जिस में अग्रतर कारवाई की जा रही है। वही गिरफ्तार हुए इस्तिहार वारंटी को पुलिस ने जांच के उपरांत न्यायालय को सौंप दी हैं। प्रभारी थानाध्यक्ष संजय कुमार यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र में अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस हमेशा से ही तत्पर रही है। मंगलवार को एक इस्तिहार वारंटी में से राम जी शेठ उर्फ राम जी सोनार को गुप्त सूचना पर पकड़ा गया और न्यायालय को सुपुर्द कर जेल भेज दिया गया हैं। उन्होंने कहा पुलिस का मुख्य कार्य कानून व्यवस्था बनाए रखना। इसके अतिरिक्त जो भी अपराधी बचें है, उन पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस गश्त करती है और यह सुनिश्चित करती है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे उसे और तेज कर दी गई हैं। जिस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बना है।

भगवान बलभद्र जयंती समारोह की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक

आरा। 29 अगस्त शुक्रवार को भगवान बलभद्र जी की जयंती की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक हुई, जिसमें महिलाओं के संगठन के साथ-साथ पुरुष वर्ग के संगठन के बीच पूरे विस्तार से इस बात की चर्चा हुई कि पिछले डेढ़ महीने से जो तैयारी चल रही है, सभी सदस्य उसे एक बार पूरी गहराई से जांच लें, ताकि कार्यक्रम में कहीं भी कोई कमी ना रहे. इस कार्यक्रम के तहत सैकड़ों की संख्या में मेघावी बच्चे बच्चियों, डॉक्टर-इंजीनियर, नयी-नयी नौकरी ज्वाइन किये हुए युवक-युवतियां एवं तमाम जनप्रतिनिधियों को एवं सामाजिक कार्य करनेवाले को सम्मानित करने का उद्देश्य है. इस बिंदु पर अंतिम समीक्षा हुई और सभी इंतजामों को फाइनल करके उसके लिए या समुचित सम्मान के साथ अंगवस्त्र, मोमेंटो, मेडल की व्यवस्था की तैयारी कर ली गयी है. पूजा के बाद प्रसाद एवं कच्ची प्रसाद के रूप में कच्ची भोजन की भी तैयारी समुचित मात्रा में की गई है जिससे हजारों हजारों की संख्या में आने वाले आगंतुक प्राप्त कर सके.

वोटर अधिकार यात्रा को ले बड़हरा में जनसंपर्क अभियान तेज

आरा। आगामी 30 अगस्त को भोजपुर में होने वाली वोटर अधिकार यात्रा और जनसभा को सफल बनाने के लिए राजद के युवा नेता रामबाबू सिंह उर्फ अशोक कुमार सिंह ने बड़हरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपका वोट आपका अधिकार है। इस अधिकार की लड़ाई इंडिया गठबंधन लड़ रहा है। 30 अगस्त को राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य और मुकेश सहनी की सभा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें। बिहार में सत्ता परिवर्तन का समय आ गया है और बड़हरा क्षेत्र में भी इस बार बदलाव करना है।इस यात्रा के प्रचार के लिए सातवां रथ रवाना हुआ। रामबाबू सिंह ने बताया कि भोजपुर के प्रवेश द्वार बड़हरा में यात्रा का ऐतिहासिक स्वागत किया जाएगा। इसके लिए हाथी, घोड़े, ऊंट समेत लोक परंपरा से जुड़े मनोरंजक और सांस्कृतिक झलकियों की तैयारी की जा रही है। गीधा, महकमपुर, डुमरिया, वीरमपुर, मथुरापुर, चातर, काजीचक, मीरगंज, मटुकपुर, सेमरिया-पड़रिया, केशोपुर, बखोरापुर, सरैया, सबलपुर, अलेखीटोला, पैगा, गुंडी और सरैया बाजार सहित कई गांवों में अभियान चला लोगों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की गई।

बीलिस में दाखिले को ले पहली मेरिट लिस्ट जारी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस विभाग (बीलिस) में सत्र 2025-26 में एडमिशन को ले पहली मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। पहली मेरिट लिस्ट से एक सितंबर तक एडमिशन होगा। निदेशक प्रो लतिका वर्मा ने बताया कि विभाग के कुल 60 सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन लिया गया था ।विवि का प्रयास है कि सितंबर माह के दूसरे सप्ताह में एडमिशन की प्रक्रिया समाप्त कर क्लास शुरू कर दिया जाए। मेरिट लिस्ट का प्रकाशन राजभवन द्वारा जारी किये गये गाइड लाइन के अनुसार किया गया है। बता दें कि मेरिट लिस्ट में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 60 प्रतिशत तो दूसरे विवि के विद्यार्थियों को 40 प्रतिशत सीट आरक्षित है, जबकि छात्राओं के लिए कुल सीटों का दस प्रतिशत आरक्षित रखा जाता है।वहीं आठ सीटें स्पेशल कोटा में रखने का प्रावधान है। मालूम हो कि बीलिस का कोर्स एक वर्ष का है। यह डिग्री पाठ्यक्रम के अंतर्गत संचालित होता है। एक साल में दो सेमेस्टर की पढ़ाई और परीक्षा ली जायेगी। एक सेमेस्टर छह माह का होगा। दाखिला को मेरिट लिस्ट अंक के आधार पर तैयार की गई है। इसमें मैट्रिक, इंटर और स्नातक के अंक देखे गए हैं।

राजस्व महा-अभियान शिविर में करेंगे डिजिटली काम

11,549 सीएससी कर्मी आज से संभालेंगे बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी/पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा चलाए जा रहे राजस्व महा-अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदनों का डिजिटल प्रबंधन कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के ऑपरेटर करेंगे। यह व्यवस्था गुरुवार से लागू हो जाएगी। राज्य सरकार ने इसके लिए मंत्रिपरिषद की स्वीकृति के बाद अधिसूचना जारी कर दी है। इसके बाद विभाग के स्तर पर संविदा कर्मियों की हड़ताल से निपटने के लिए पुख्ता व्यवस्था बनाकर अभियान को सफल बनाने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी अंचलाधिकारी को पत्र जारी कर आदेश दिया है कि प्रत्येक शिविर में चार कम्प्यूटर ऑपरेटर तैनात किए जाएंगे। ये ऑपरेटर शिविर में मिले सभी आवेदनों को ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकृत करेंगे और फिर संबंधित राजस्व कर्मचारी को उपलब्ध कराएंगे। एक अंचल में अधिकतम 28 ऑपरेटरों की व्यवस्था की जा सकेगी। इसके निगरानी की व्यवस्था भी तय की गई है। अंचल स्तर पर एक सुपरवाइजर और जिला स्तर पर दो डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सीएससी की ओर से लगाए जाएंगे, जो शिविरों में तैनात ऑपरेटरों की उपस्थिति और कामकाज पर नजर रखेंगे। सचिव जय सिंह ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तुरंत सीएससी के जिला प्रबंधक/समन्वयक से समन्वय स्थापित करें, ताकि शिविरों में पंजीकरण और प्रपत्र संधारण की प्रक्रिया निर्बाध रूप से पूरी हो सके। सभी अंचलाधिकारी को जिला प्रबंधक/समन्वयक तथा अंचल समन्वयक का नाम एवं नंबर उपलब्ध करा दिया गया है। सीएससी के कर्मी कल यानी गुरुवार से शिविरों में तैनात रहेंगे। बिहार में इन दिनों जमीन सर्वे का काम जारी है। इस बीच विभाग पिछले कुछ दिनों से राजस्व महाअभियान चला रही है। इसे लेकर काफी प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है लेकिन जिनके कंधों पर इसकी जिम्मेदारी थी वो आंदोलन पर उतर आए हैं। सेवा को नियमित करने सहित अपनी अन्य मांगो को लेकर पटना के गर्दनीबाग में धरना पर बैठे हुए हैं। हालांकि अब इन पर एक्शन भी लिया जा रहा है। पिछले दो दिनों के भीतर अभी तक 256 विशेष सर्वेक्षण कर्मियों पर गाज गिरी है। पहले 110 उसके बाद 146 विशेष सर्वेक्षण कर्मियों को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने संविदा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। जिससे कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। जिसके बाद राजस्व महा-अभियान को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला लिया। सीएससी के 11,549 कर्मियों को इस काम में लगाया है। विशेष सर्वेक्षण कर्मियों की हड़ताल के बीच सरकार ने राजस्व महा-अभियान को लेकर वैकल्पिक व्यवस्था लागू की है। इस काम के लिए सीएससी को जिम्मेदारी दी गयी है।

राजस्व महा अभियान हेतु

बिहार के सरकारी अस्पतालों में अब नहीं चलेगा दवाओं पर झूठ

क्यूआर कोड स्कैन करते ही सच होगा सामने

एजेंसी/पटना

अब बिहार के सरकारी अस्पतालों के मुफ्त दवा वितरण केंद्रों पर मरीजों को यह झूठ नहीं सुनना पड़ेगा कि दवा उपलब्ध नहीं है। सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी है, जिससे मरीज खुद पता कर सकेंगे कि अस्पताल में कौन-कौन सी दवाएं मौजूद हैं। अस्पतालों के दवा वितरण काउंटर पर दफकोड लगाया गया है। मरीज या उनके परिजन मोबाइल से इस दफकोड को स्कैन करते ही तुरंत देख पाएंगे कि उस समय अस्पताल में कौन-कौन सी दवाएं उपलब्ध हैं। औरंगाबाद जिले में लोग इस पहल की तारीफ कर रहे हैं। साथ ही कहा कि अब कोई झूठ नहीं बोल पाएगा।ये जिले के एक सरकारी अस्पताल का चित्र है, जहां पंक्तियों में मरीज लगे हुए हैं। वहीं, दीवार पर एक क्यूआर कोड लगा हुआ दिख रहा है। ऐसे क्यूआर कोड अन्य सरकारी अस्पतालों में आपको लगे हुए मिलेंगे। सिर्फ इनको मोबाइल पर स्कैन करते ही सारी जानकारी आपके फोन पर होगी। अक्सर शिकायतें मिलती थीं कि दवा उपलब्ध होने के बावजूद कर्मी मरीजों को मना कर देते थे और मरीज मजबूरी में बाहर से दवा खरीदते थे। अब ऐसा नहीं हो सकेगा। अगर कोई कर्मी दवा न होने की बात कहेगा, तो मरीज दफकोड स्कैन कर सच्चाई पता कर सकता है।

चुनाव से पहले नीतीश सरकार की एक और बड़ी सौगात

50 हजार पीडीएस डीलरों को बिहार सरकार की बड़ी सौगात ! 52 फीसद कमीशन बढ़ाया

एजेंसी/पटना

बिहार सरकार ने पीडीएस दुकानदारों की एक पुरानी मांग को मान लिया है। लंबे समय से बिहार के पीडीएस डीलर कमीशन बढ़ाने की मांग कर रहे थे। जिसे सरकार ने मान लिया है। सरकार का यह निर्णय न सिर्फ डीलरों के लिए राहत की खबर है बल्कि लाभुक उपभोक्ताओं तक भी बेहतर सेवा सुनिश्चित करने वाला कदम साबित होगा। राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए डीलर कमीशन की राशि में 52 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। अब राज्य के सभी पीडीएस डीलरों को प्रति क्विंटल खाद्यान्न पर 258.40 रुपये कमीशन मिलेगा। पहले यह राशि 211.40 रुपये प्रति क्विंटल थी। यह नई व्यवस्था सितंबर 2025 से प्रभावी होगी। अब तक डीलरों को केन्द्रांश और राज्यांश मिलाकर 90 रुपये प्रति क्विंटल दिया जाता था। बाद में इसे बढ़ाकर 211.40 रुपये प्रति क्विंटल किया गया। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब इसमें और 47 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है, जिसके बाद दर 258.40 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है।

क्या था पहले और अब कितना मिलेगा

अब तक डीलरों को केन्द्रांश और राज्यांश मिलाकर 90 रुपये प्रति क्विंटल दिया जाता था। बाद में इसे बढ़ाकर 211.40 रुपये प्रति क्विंटल किया गया। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब इसमें और 47 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है, जिसके बाद दर 258.40 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है।

50 हजार डीलरों को फायदा

बिहार सरकार की ओर से जनवितरण प्रणाली (ढञ्र) को लगातार सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। इस फैसले से राज्यभर में काम कर रहे करीब 50 हजार पीडीएस डीलरों को सीधा लाभ होगा। सरकार का मानना है कि इससे खाद्यान्न वितरण प्रणाली और बेहतर होगी और उपभोक्ताओं तक समय पर अनाज पहुंच सकेगा।

मंत्री लेशी सिंह ने जताया आभार

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट की ओर से लिए गए इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा, ये फैसला न केवल पीडीएस ऑपरेटरों के हित में है, बल्कि पीडीएस प्रणाली को और मजबूती देने वाला भी है। पीडीएस डीलर कमीशन की बढ़ोतरी की मांग लंबे समय से कर रहे थे।

नीतीश कुमार सरकार के कद्दावर मंत्री श्रवण कुमार पर हमला, दौड़कर भागते हुए बचाई जान

एजेंसी/पटना

पटना से इस वक्त एक बड़ी खबर है। सड़क हादसे के पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे बिहार सरकार के मंत्री और विधायकों पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया है। गौरलतब है कि शनिवार सुबह पटना के शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के सिकिरियावां हाल्ट के पास ट्रक और ऑटो की टक्कर में 9 लोगों की मौत हो गई थी। सभी मृतक नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के मलावां गांव के रहने वाले थे।बुधवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया पीड़ित परिवारों से मिलने गांव पहुंचे।दोनों नेताओं ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और वापस लौटने लगे। इसी दौरान ग्रामीणों ने उनसे आग्रह किया कि वे थोड़ी देर और गांव में रुकें। लेकिन मंत्री ने कहा कि वे सभी परिवारों से मिल चुके हैं और आगे का कार्यक्रम उन्हें अटेंड करना है। इस पर भीड़ गुस्से में आ गई।आक्रोशित लोगों ने अचानक लाठी-डंडे निकाल लिए ग्रामीणों का आरोप था कि हादसे के दिन विधायक के कहने पर ही उन्होंने सड़क जाम हटाया था, लेकिन आज तक उन्हें सही मुआवजा नहीं मिला। आक्रोशित लोगों ने अचानक लाठी-डंडे निकाल लिए और मंत्री व विधायक पर हमला कर दिया। हालात बिगड़ने पर दोनों नेता गांव से लगभग एक किलोमीटर दूर भागकर किसी तरह अपनी जान बचा पाए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराने में जुट गया।

5 साल या उससे अधिक समय से एक ही स्थान पर जमे 168 दारोगा का तबादला

एजेंसी/पटना

कुछ महीने बाद बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसकी तैयारी अभी से ही शुरू हो गई है। चुनाव के मद्देनजर तिरहुत प्रक्षेत्र में 2018 बैच के दारोगा का तबादला किया गया है। तिरहुत में एक ही जिले में 5 साल या उससे अधिक समय तक पदस्थापित 2018 बैच के पुलिस अवर निरीक्षकों का ट्रांसफर किया गया है। 2018 बैच के दारोगा एक साथ कई थानों में बतौर थानाध्यक्ष के पद पर तैनात हैं उन्हें भी तबादले की लिस्ट में डाला गया है। दारोगा अनिल कुमार को मुजफ्फरपुर से वैशाली, बिरबल कुशवाहा को सीतामढ़ी, शिवजतन कुमार को शिवहर, सुरेन्द्र कुमार को सीतामढ़ी,ललन कुमार को सीतामढ़ी, राहुल कुमार रंजन को वैशाली, बिट्ठु कुमार को वैशाली, प्रवीण कुमार को वैशाली, शशिरंजन को सीतामढ़ी, राधेश्याम को शिवहर भेजा गया है। तिरहुल क्षेत्र, मुजफ्फरपुर के पुलिस उप-महानिरीक्षक ने यह लिस्ट जारी की है।

पटना सरकारी स्कूल में पांचवी की छात्रा आग से झुलसी, लोगों ने पुलिस पर बरसाए थप्पड़ और लाठियां

एजेंसी/पटना

बिहार की राजधानी पटना से एक सनसनीखेज मामला निकलकर सामने आ रहा है। जहां गर्दनीबाग इलाके के अमला टोला स्थित एक सरकारी स्कूल से एक बच्ची के आग से झुलसने की सूचना सामने आई है। इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही नजदीकी थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई।जानकारी के मुताबिक, गर्दनीबाग इलाके के अमला टोला में मौजूद राजकीय विद्यालय में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब लोगों को मालूम चला कि यहां एक बच्ची आग की चपेट में आ गई है। यह बच्ची आग की चपेट में कैसे आई है, फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इस मामले में स्कूल के प्रधानाचार्य का कहना है कि बच्ची स्कूल के बाथरूम में बंद थी और जब हमने देखा तो तुरंत पुलिस और स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी दी। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल का बाथरूम सामान्यतः बंद रहता है, ऐसे में यह बच्ची वहां पहुंच ही नहीं सकती थी। उनका आरोप है कि स्कूल प्रशासन इस मामले को छुपा रहा है और सच नहीं बता रहा है। आलम यह है कि घटना के बाद भी बाथरूम को बंद कर दिया गया है। फिलहाल घायल बच्ची को इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) रेफर कर दिया गया है। बच्ची का नाम जोया प्रवीण बताया गया है, जो इसी स्कूल में पाँचवीं क्लास की छात्रा है। इधर, इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने पुलिस से जमकर हाथापाई की और एक पुलिसकर्मी को थप्पड़ भी जड़ दिया।

समस्तीपुर : पति-पत्नी की मौत से आक्रोशित भीड़ ने पुलिस पर किया हमला

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर से एक बड़ी खबर निकल कर सामने आ रही है। जहां आक्रोशित लागों ने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला किया गया है। इसके बाद इलाके में हड़कंप का माहौल कायम हो गया। फिलहाल अब इस मामले को शांत करवाने की कोशिश जारी है। जानकारी के अनुसार,समस्तीपुर जिले के हसनपुर थाना क्षेत्र में मेदो चौक के समीप बुधवार को आक्रोशित लोगों ने पुलिस कर्मियों पर अचानक हमला कर दिया।गुस्साए लोगों ने पुलिस गाड़ी को भी गढ़े में पलट दिया। स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गयी। दरअसल, यह मामला कुछ दिन पहले सुरहा बंसतपुर गांव में रात्रि में सो रहे पति- पत्नी पर हमला कर घायल कर दिया गया था। जहां पति की मौत उसी समय हो गयी थी। वही पत्नी की भी मौत इलाज के दौरान बुधवार को हो गया।

मौसम विभाग ने बारिश और वज्रपात का अलर्ट किया जारी

14 जिलों को छोड़कर पूरे बिहार में बारिश का आसार

एजेंसी। पटना

बिहार में मानसून एक्टिव है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी बुधवार को राज्य के 24 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद में आज बारिश नहीं होने के आसार हैं। बाकी सभी जिलों में एक या दो स्थानों पर बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 28 अगस्त से एक सितंबर तक राज्य के सभी जिलों में कई स्थानों पर बारिश और वज्रपात के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 28 अगस्त से एक सितंबर तक बिहार के सभी जिलों में बारिश के आसार हैं। उत्तर पश्चिम बिहार, उत्तर मध्य बिहार, उत्तर पूर्व बिहार, दक्षिण पश्चिम बिहार, दक्षिण मध्य बिहार, दक्षिण पूर्व बिहार में एक या दो स्थानों पर बारिश के आसार है। 31 अगस्त और एक सितंबर को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीवान, सारण, गोपालगंज, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, पटना, गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद में अनेक स्थानों पर बारिश के आसार हैं। इसके अलावा अन्य जिलों में कुछ स्थानों पर बारिश के आसार जताए गए हैं।मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मानसून की द्रोणिका अब गंगानगर, सिरसा, आगरा, बांदा, सीधी, संबलपुर से होकर ओडिश तट से दूर बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम में निम्न दाब क्षेत्र के केंद्र तक और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर से बंगाल की खाड़ी के पूर्व मध्य तक पहुंचाती है। समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर तक फैली हुई है और ऊपर स्थित दो चक्रवाती परिसंचरणों से होकर गुजरती रहती है। पश्चिमी विक्षोभ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल स्तरों पर एक द्रोणिका के रूप में बना हुआ है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 28 अगस्त 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

लंबी जिंदगी का महत्व नहीं है, जितना महत्व इसकी गहनता का है। -राल्फ वाल्डो एमर्सन

अडानी-अंबानी, डोभाल- जयशंकर का मनभेद?

भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था के केंद्र में बैठे चार बड़े नाम जिसमें उद्योगपति गौतम अडानी और मुकेश अंबानी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच मतभेद की खबरों ने भारत सहित दुनिया के कई देशों में हलचल मचा दी है। चारों शक्तिशाली लोगों के बीच टकराव का असर न सिर्फ देश की नीतियों और उद्योग जगत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि और कूटनीति में भी दिखने लगी है। सूत्रों के अनुसार, हाल के महीनों में अडानी और अंबानी समूह के कारोबारी हित कई मोर्चों पर टकरा रहे हैं। ऊर्जा, दूरसंचार और विदेशों में निवेश और व्यापार को लेकर दोनों समूहों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हुई है। अडानी समूह की वित्तीय मुश्किलें, अमेरिका में मुकदमा एवं टैरिफ के कारण बढ़ते विदेशी कर्ज और व्यापार व्यवसाय को लेकर दबाव बना है। अजीत डोभाल को अडानी समर्थक माना जाता है। वैश्विक स्तर पर जो कारोबार अडानी समूह ने बढ़ाया था। उसमें उन्हें प्रधानमंत्री के साथ-साथ डोभाल का समर्थन मिलता रहा है। वहीं अंबानी समूह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति में जुटा है। गौतम अडानी के ऊपर जब रिश्वत मामले में अमेरिका में मुकदमा दर्ज हुआ उसके बाद से मुकेश अंबानी ने अपने संबंध अमेरिका के साथ बेहतर करना शुरू कर दिए इस काम में उनकी मदद एस जयशंकर कर रहे हैं। इस तरह की खबरें सत्ता के गलियारे से निकलकर आ रही हैं। विदेश नीति और सुरक्षा रणनीति पर डोभाल और जयशंकर के बीच मतभेद की चर्चा है। डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अमेरिका और पश्चिमी देशों पर सख्ती बरतने की पैरवी कर रहे हैं। जबकि जयशंकर कूटनीतिक संतुलन साधते हुए अमेरिका, यूरोप और एशिया के साथ भारत की छवि सुधारने के पक्षधर माने जाते हैं। यह खींचतान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्पष्ट स्थिति तय करने में बाधा बन रही है।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है, यह मतभेद व्यक्तिगत अथवा विचारधारा को लेकर नहीं हैं। बल्कि व्यापक सत्ता-संतुलन के साथ निजी एवं पारिवारिक हित भी जुड़े हुए हैं। मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार में अडानी और अंबानी का आर्थिक प्रभाव जगजाहिर है। वहीं डोभाल और जयशंकर की नीतिगत भूमिका वैश्विक स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण है। जब इन चारों के बीच समन्वय की कमी देखने को मिल रही है। इसका असर सीधे तौर पर विदेश नीति, विदेशी निवेश, सामरिक एवं व्यापारिक मामलों में अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों पर देखने को मिलने लगा है। विपक्ष ने इस स्थिति को मुद्दा बनाते हुए आरोप लगाना शुरू कर दिया है। सरकार हकॉर्पोरेट दबावह और अंदरूनी खींचतान में उलझी हुई है। जबकि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असमानता से जूझ रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह मतभेद गहराता है, तो भारत के ह्वनिवेश और स्थिरताह्न वाली छवि को भारी नुकसान हो सकता है। स्पष्ट है,अडानीह्नअंबानी की कारोबारी प्रतिस्पर्धा और डोभालह्नजयशंकर की रणनीतिक खींचतान दिल्ली और भारत तक सीमित नहीं है। इसकी गूंज अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विभिन्न स्तरों पर सुनाई देने लगी है। आने वाले दिनों में यह भारतीय राजनीति और कूटनीति की दिशा में भारत के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुकेश अंबानी के निजी रिश्ते बेहतर होते चले जा रहे हैं। ट्रंप के साथ रिश्ते सुधारने और भारतीय नीति में जयशंकर अंबानी समूह की मदद कर रहे हैं। वहीं ट्रंप लगातार टैरिफ बढ़ाने की धमकी देकर भारत को ब्लैकमेल कर रहे हैं। भारत को चीन के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने की मजबूरी हो गई है। चीन की तरफ अजीत डोभाल का झुकाव है। ऐसी स्थिति में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि जो बननी चाहिए थी। वह नहीं बन पा रही है।

चिंतन-मनन

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रिंयों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान। यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

गणेश भक्त संत तुकाराम के नाम संत तुकाराम गणपति

-संजय गोस्वामी

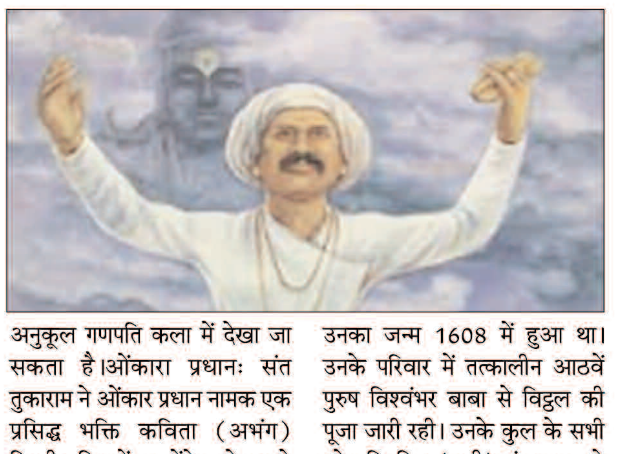

संत तुकाराम गणपति उन उदाहरणों को संदर्भित करता है जहाँ हिंदू देवता गणपति (गणेश) को भक्ति संत संत तुकाराम से जोड़ा गया है, अक्सर गणपति उत्सवों के लिए समर्पित विषयों, कलात्मक चित्रणों, या यहाँ तक कि एक प्रसिद्ध भक्ति कविता (अभंग) के माध्यम से जहाँ तुकाराम गणपति को सर्वोच्च देवता के रूप में वर्णित करते हैं। हालाँकि संत तुकाराम मुख्य रूप से भगवान विट्ठल के भक्त थे, उनके भक्ति मार्ग में गणपति को प्राथमिक देवता के रूप में स्वीकार करना शामिल था।

गणेश उत्सव के दौरान, कुछ सज्जाकार संत तुकाराम से संबंधित विषय तैयार सजावट के रूप में उपयोग करने के लिए बनाते हैं, जैसे कि गणपति सजावट के लिए श्री संत तुकाराम महाराज विषय।:ऐसे और भी देवताओ जैसे हनुमान, भगवान राम, कृष्ण, साईं से जोड़कर भी बनाया जाता है लेकिन अधिकांश जगहों पर संत तुकाराम गणपति ही देखने को मिलता है संत हमेशा एक फलदार पेड़ की तरह होते हैं जो परमार्थ के लिए सभी का कल्याण करते हैं कलाकार संत तुकाराम से मिलाकर अनूठी कलाकृतियाँ भी बनाते हैं जो गणपति को संत तुकाराम से प्रेरित या उनके तत्वों को शामिल करते हुए दशार्ती हैं, जैसा कि पर्यावरण-अनुकूल गणपति कला में देखा जा सकता है।ओंकारा प्रधानः संत तुकाराम ने ओंकार प्रधान नामक एक प्रसिद्ध भक्ति कविता (अभंग) लिखी, जिसमें उन्होंने गणेश को ब्रह्मांड के आदि, दिव्य रूप के रूप में वर्णित किया है। कविता म्याबाप तो है गजानन पंक्ति से शुरू होती है, जिसका अर्थ है परमपिता ये गजानन हैं (गणेश) ।तुकाराम महाराज 17वीं शताब्दी के महाराष्ट्र भक्ति मिशन के एक संत कवि थे। वह एक सम्मानाधिकारी थे, व्यक्तिगत वारकरी धार्मिक समुदाय के सदस्य थे। तुकाराम अपने अभंग और भक्ति कविताओं के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने अपने समुदाय में भगवान की भक्ति के बारे में कई आध्यात्मिक गीत गाए हैं, जिन्हें स्थानीय तौर पर कीर्तन कहा जाता है। तुकाराम का जन्म 1608 में पुणे जिले के देहु नामक गाँव में हुआ था; उनकी जन्मतिथि के बारे में विद्वानों में मतभेद है और सभी दृष्टिकोणों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनका जन्म 1608 में हुआ था। उनके परिवार में तत्कालीन आठवें पुरुष विश्वंभर बाबा से विट्ठल की पूजा जारी रही। उनके कुल के सभी लोग नियमित (वारी) पंढरपुर जाते थे। देहू गाँव के साहूकार होने के कारण उनका परिवार वहाँ सम्मानित माना जाता था ।उनका बचपन उनकी माँ कनकई और पिता बोल्होबा की देखरेख में बहुत ही सावधानी से बीता, लेकिन जब वे लगभग 18 वर्ष के थे, तो उनके माता-पिता की मृत्यु हो गई और उसी समय उनकी पहली पत्नी और नवजात शिशु की भीषण सूखे के कारण भूख से मृत्यु हो गई। देश। इन मुसीबतों की कहानियाँ झूठी हैं। यह लिखना झूठ है कि संत तुकाराम उन दिनों बड़े जमींदार और साहूकार थे। उनकी दूसरी पत्नी जीजाबाई बहुत तेज स्वभाव की थीं। वह सांसारिक सुखों से विरक्त हो गये। मन की शांति पाने के विचार से तुकाराम प्रतिदिन देहू गाँव के पास भवनाथ नामक पहाड़ी पर जाते थे और विट्ठल की याद में दिन बिताते थे ।उनका परिवार कुनबी समुदाय से था। तुकाराम के परिवार का अपना खुदरा और साहूकारी व्यवसाय था, साथ ही खेती और व्यापार भी था। उनके पिता विठोबा के भक्त थे, जिन्हें हिंदू धर्म में भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। संत तुकाराम की पहली पत्नी रखम्मा बाई थीं और उनका एक बेटा संथु भी था। 1630-1932 के अकाल के दौरान उनके दोनों बेटे और दोनों पत्नियाँ भूख से मर गईं ।उनकी मृत्यु और व्यापक गरीबी का तुकाराम परिवार पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा, जो बाद में महाराष्ट्र की सह्याद्री पर्वत श्रृंखला में ध्यान करने चले गए। इसके बाद तुकाराम ने दूसरी शादी की और उनकी दूसरी पत्नी का नाम अवलाई जीजाबाई था। लेकिन उसके बाद उनका अधिकांश समय पूजा-पाठ, भक्ति, सामुदायिक कीर्तन और अभंग काव्य में व्यतीत होने लगा। कैसे एक आम आदमी दुनिया का खेल खेलकर संत बन गया, किसी भी जाति-धर्म में जन्म लेकर भी पूर्ण भक्ति और सदाचार के बल पर आत्म-विकास किया जा सकता है। यह विश्वास आम आदमी के मन में स्थापित करना था, संत तुकाराम यानी तुकोबा, जो अपने विचार, आचरण और वाणी के अनुरूप जीवन जीते हैं, आम आदमी को प्रेरणा देते हैं कि उसे हमेशा कैसे रहना चाहिए। . उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया जब वे जीवन के पहले भाग में अपने साथ घटी दुर्घटनाओं से निराश हो गये ।उसका जीवन से विश्वास उठ गया था। ऐसे में उन्हें किसी के सहारे की सख्त जरूरत थी, किसी के पास अस्थायी सहारा नहीं था. इसलिए उन्होंने अपना सारा बोझ पाडुरंगा पर डाल दिया और साधना शुरू कर दी, उस समय उनके पास कोई गुरु नहीं था। भक्ति की परंपरा को कायम रखते हुए नामदेव ने भक्ति के अभंग की रचना की। तुकाराम ने भले ही संसार से मोह छोड़ने की बात कही हो, लेकिन उन्होंने कभी नहीं कहा कि संसार मत में मत रहो । सच कहें तो किसी भी संत ने कभी संसार त्यागने की बात नहीं की ।उनकी कविताएँ विट्ठल और विठोबा को समर्पित थीं ।संत तुकाराम महाराज अपने अभंग में कहते हैं, हमारे भगवान की महिमा देखो, वो भिलनी (शबरी) के झूठे बेर बड़े प्यार से व चाव से खाता है। क्योंकि भगवान सिर्फ व सिर्फ प्यार का भूखा होता है। उसके पास अष्टमहासिद्धि और क्षीरसागर है फिर भी वो उनको महत्व नहीं देता। सुदामा द्वारा लाये मुठ्ठीभर सूखे पोहे भी वो बड़े प्यार से ग्रहण कर लेता है। तुकाराम महाराज कहते हैं वो झूठे हैं अथवा थोड़े भक्ति व प्यार के आगे इसका विचार भी उनके मन में नहीं आता ।इस अभंग में संत तुकाराम महाराज ने श्री भगवान राम व श्रीकृष्ण का अपने भक्तों के प्रति असीम स्नेह का उदाहरण दिया है। ईश्वर आपके सच्चे भाव, स्नेह व प्यार का भूखा होता है। छोटा बड़ा उसके लिए सभी समान है। वो भेदभाव नहीं करता ।संत तुकाराम के भक्त वारकरी अपनी पैदल यात्रा में जिसे दिंडी भी कहा जाता है रामकृष्णहरी कहते थकते नहीं है। गली-गली में, घर-घर तक विट्ठल नाम की गूंज पहुँचाते लोकगायक और संतकवि तुकाराम का नाम आते ही आंखों के सामने यही चित्र उभरता है। कवि, जिनके होंठों पर है विट्ठल-विट्ठल की गूंज, संत, जो प्रभु के अलावा और कुछ नहीं सोचते। तुकाराम ऐसे ही हैं, सरल और निश्छल। ईश की राह पर चलना ही था उनका जीवन। तुकाराम, यानी भक्ति का राग छेड़ते, प्रभु की बात करते साधु, लेकिन वे कबीर सरीखे क्रांतिकारी भी हैं ।गली-गली में, घर-घर तक विट्ठल नाम की गूंज पहुँचाते लोकगायक और संतकवि तुकाराम का नाम आते ही आंखों के सामने यही चित्र उभरता है। कवि, जिनके होंठों पर है विट्ठल-विट्ठल की गूंज, संत, जो प्रभु के अलावा और कुछ नहीं सोचते। तुकाराम ऐसे ही हैं, सरल और निश्छल। ईश की राह पर चलना ही था उनका जीवन। तुकाराम, यानी भक्ति का राग छेड़ते, प्रभु की बात करते साधु, लेकिन वे कबीर सरीखे क्रांतिकारी भी हैं।

हिमाचल और जम्मू में प्रकृति का तांडव एक त्रासदी

- नरेंद्र भारती

आपदा का कहर कब थमेगा आखिर कब तक हिमाचल,जम्मू,उत्तराखंड में बरसात का कहर बरपता रहेगा यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है ' प्रकृति ने तीनों राज्यों में तांडव मचा रखा है करीब दो महीनों से यह कहर जारी है ' बरसात से अब तक हजारों लोग मौत के आगोश में समा चुके हैं ' किस्तवाड़ में बादल फटने से सेकड़ों लोग मारे गए,कठुआ में भी बहुत तबाही हुई 'मानवीय तबाही बहुत हो चुकी है ' तीनों राज्यों में आपदा से जनजीवन अस्त व्यस्त हो चूका है ' प्रतिवर्ष देश में आपदा से लाखों लोग ग्रस्त हो रहे हैं ' कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। उतराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव , एक त्रासदी है ।प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए ।कुछ बच गए कुछ लापता हो गए। प्रकृति रौद्र रुप दिखकर तांडव मचा रही है ।रविवार को उतराखंड में प्रकृति ने प्रलय की इबारत लिख दी ।रविवार को सुबह साढे दस बजे राज्य के चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषिगंगा नदी में गिरा और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया। ऋषिगंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया और दर्जनों लोगों की लील गया। 16 लोगों को एडीआरएफ ने बचा लिया था 204 लोग लापता है और 34 शव बरामद कर लिए है ।यह बहुत ही त्रासदी है ।पल भर में लोग बह गए और लापता हो गए थे ।चमोली में लापता लोगां की तलाश के लिए अब जियोंग्राफीकल स्कैनिंग की जा रही है ।प्रकृति समय-समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद को समझकार समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिख दी है ।सरकारो ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है ।प्रकृति से खेलना बंद करना होगा ।यह प्रलय निरंतर होते रहेगें। बीते साल 2020 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी ।80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे ।पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे ।इलाके जल्मगन हो गए थे। देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। लाखों-हजारों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय-समय पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते ।हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं ।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है ।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। अक्तूबर 1999 में भी उड़ीसा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थें ।बच्चे अनाथ हो थे लाशे मलवे में दफन हो थी। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों का मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सांसे उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है ।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके ।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए ।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके ।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए ।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है ।प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है ।मानव कृतध्न बनता जा रहा है ।मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है ।आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है ।मानव का अहम मिटाकर रख दिया है। गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है ।अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है।

जनता के सम्मान की लड़ाई वोटर अधिकार यात्रा

-कुमार कृष्णन

बिहार में तथाकथित वोटचोरी के खिलाफ राहुल गांधी की ह्लवोटर अधिकार यात्राह्व के एक सप्ताह हो चुके हैं। यात्रा में जन सैलाव उमड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव आयोग और भाजपा वोटचोरी के आरोप का ठीक से बचाव नहीं कर पा रहे, वहीं सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से यह जाहिर हो गया है कि यात्रा के संकेत शुभ हैं। कांग्रेस खेमे में इस बात को लेकर उत्साह है कि राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस, संसद में लगातार प्रदर्शन के बाद अब वोटर अधिकार यात्रा की वजह से वोट चोरी विरोधी अभियान बिहार ही नहीं देश भर में चर्चा का विषय बन गया है। राहुल गांधी की अगुवाई से इस यात्रा से जातीय ध्रुवीकरण की बजाय वोट चोरी का मुद्दा काफी अहम हो गया है ।हालांकि पार्टी में एक वर्ग का मानना है कि केवल निगेटिव प्रचार की बजाय लोगों से किए जाने वाले वादों को यात्रा में प्रमुखता से उठाना चाहिए। क्योंकि यात्रा की भीड़ वोट में किस हद तक तब्दील होगी, इसको लेकर अनुमान लगाना मुश्किल है। चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे वोटरलिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ निकाली जा रही इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी , तेजस्वी यादव , राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव दीपंकर भट्टाचार्य, मुकेश साहिनी खुली जीप में सवार होकर आम लोगों से मिलतेझ्रजुलते आगे बढ़ रहे हैं ।सुबह और शाम के वक्त करीब दोझ्रदो घंटे यात्रा आगे बढ़ती है। सासाराम से शुरू हो कर यह यात्रा दक्षिण बिहार के औरंगाबाद, गया, नवादा होते हुए नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर के रास्ते कटिहार, पूर्णिया,अररिया यानी सीमांचल के इलाके में पहुंच चुकी है। यात्रा सुपौल, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, चंपारण, गोपालगंज, सिवान, छपरा होते हुए आरा में खत्म होगी ।एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान में बड़ी रैली होगी। अब तक की यात्रा के दौरान मुंगेर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव खानकाह रहमानी के मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी मिले। खानकाह का लंबा इतिहास है ।यह खानकाह 1901 में मौलाना मोहम्मद अली मुंगरी ने स्थापित की थी। तब से यह केंद्र सिर्फ सामाजिक सुधार का ही केंद्र नहीं रहा बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों की मदद भी करता रहा ।बल्कि यहां महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, अबुल कलाम आजाद और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेता भी आकर रुके हैं। राहुल गांधी के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी इस खानकाह का दौरा कर चुके हैं। वहीं सीमांचल में महात्मा गांधी के पौत्र तुषार गांधी ने यात्रा का समर्थन किया। इसके अतिरिक्त तेजस्वी यादव और पुर्णिया सांसद पप्पू यादव एक मंच पर आए। गठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे पर भी राहुल गांधी ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिए हैं। सीमांचल के इलाका अररिया में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कहा कि इस यात्रा की सफलता यह साबित करती है कि बिहार के करोड़ों लोग वोट चोरी की बात को सच मान रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस यात्रा में लोग खुद जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का काम सही वोटर लिस्ट देने का होता है, लेकिन हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में उन्होंने ऐसा नहीं किया। चुनाव आयोग का व्यवहार बिहार में भी वोट की चोरी करने का है ।उन्होंने कहा कि बिहार में वे वोट चोरी नहीं होने देंगे।

आज का राशिफल

मेष अपने कामकाज पर विशेष ध्यान देना होगा। लापरवाही या जल्दबाजी ने बनते हुए काम भी बिगड़ सकते हैं।

तुला अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। यह समाचार आपको फोन के जरिए प्राप्त हो सकता है।

वृषभ शाम के समय शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं। कारोबार में लाभ दिलाने वाले हो सकते हैं।

वृश्चिक मेहनत करनी पड़ सकती है। लेकिन धीरे-धीरे लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होते जाएंगे।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में आपको फोन या मैसेज के जरिए कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है।

धनु ऐसे में कारोबार में समय का सही लाभ उठाने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

कर्क किसी एक प्रोजेक्ट या योजना पर काम करना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

मकर सावधान रहने की जरूरत रहेगा। किसी सहकर्मी से आपकी अनबन या बहस हो सकती है।

सिंह अगर आपके मन में लंबे समय से व्यापार को लेकर कोई नया आइडिया या प्लान आ रहा है।

कुंभ आज कार्यस्थल पर आपको टीमवर्क करना होगा, तभी लाभ प्राप्त होगा।

कन्या आज आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं और भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है।

मीन अगर आपके जरूरी काम बीच में अटके हुए हैं तो प्रयास करने से वे काम भी बनने शुरू हो सकते हैं।

विशेष

डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्रीय सूचना आयोग का निर्णय बदल दिया है। हाई कोर्ट के इस निर्णय से अब डिग्री और सर्टिफिकेट छात्र की निजी संपत्ति होगी। यूनिवर्सिटी छात्र की बिना अनुमति के इसे सार्वजनिक नहीं करेगी। यह एक नया निर्णय है। जिसके कारण अब फर्जी डिग्रियों के संबंध में पता लगाना बड़ा मुश्किल हो जाएगा।

डिग्री सार्वजनिक कर फंसे शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर थे। उस समय उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पत्रकार वार्ता में सार्वजनिक की थी। उसके बाद से यह मामला थम नहीं रहा है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा जो फैसला दिया गया है। उसके अनुसार डिग्री को निजता की श्रेणी में रख दिया गया है। ऐसी स्थिति में फर्जी डिग्री से जिन्होंने नौकरी ले रखी है। प्रधानमंत्री मोदी की आड़ में वह भी बच गए।

झूठा केस करने वाले को जेल भेजा जाए

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जेल भेजने वाले 130 वें संशोधन पर कहा। झूठे आरोप में यदि किसी को जेल भेजा जाता है। वह न्यायालय से दोष मुक्त हो जाता है। ऐसी स्थिति में जिसके आदेश पर जेल भेजा गया है। जिन अधिकारियों ने जांच की है। जिन्होंने आरोपी को जेल भेजा है। उन सभी को दंडित किया जाना चाहिए। उनके लिए भी सजा का प्रावधान करने की जरूरत बिल मे है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1532: तुर्की के सुल्तान सुलेमान प्रथम ने करीशिया और 1574: इंग्लैंड और स्पेन के चापारियों के बीच का विवाद विस्तृत संधि से 1828: ससी लेखक लियो सुल्जा। 1848: भारतीय फौजों ने बंगाल में हारया। 1849: ब्रिटेन ने आस्तृ का आगे आत्मसमर्पण किया। 1879: जल युद्ध ने ब्रिटिश फौजों ने सेटीवया पर कब्जा किया। 1883: ब्रिटिश संसद ने दास प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया। 1904: भारत में पहली कलकत्ता से बरकपुर तक कार रेल का आयोजन हुआ। 1972: साधारण बीमा कारोबार राष्ट्रीयकरण विधायक पारित हुआ। 1973: मिक्सकों सीटी के दक्षिण पश्चिम में झुंझुप से 500 हजार से अधिक घायल हो हुए। 1988: पश्चिम जमीनी में हवाई कांटाल दियालत गायब 1990: इराक ने कुवैत को अपना किया

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

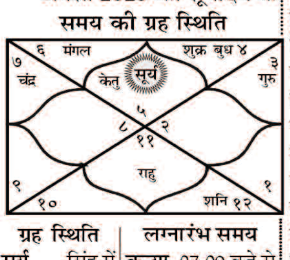

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.09 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	09.19 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.34 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	13.50 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.55 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.42 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.15 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.45 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.25 बजे से
		मिथुन	00.23 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कर्क	02.37 बजे से
		सिंह	04.53 बजे से

2025 वर्ष का 240 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला
तिथि पंचमी 17.57 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 08.44 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 13.18 बजे को समाप्त।
करण बालव 17.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 4.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872450
जूलियन दिन 2460915.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 04
विशेष ऋषि पंचमी, स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

रिम्स ने जारी की सीनियर रेजिडेंट की चयन सूची 33 विभागों के लिए 79 का किया गया है चयन

रांची, एजेंसी। रिम्स में बीते 4 से 12 अगस्त तक सीनियर रेजिडेंट के पदों पर वॉक–इन–इंटरव्यू का आयोजन किया गया था। मंगलवार को रिम्स प्रबंधन ने इनकी चयन सूची जारी कर दी है। चयन सूची के अनुसार, 33 विभागों के लिए 97 उम्मीदवारों के नाम का प्रकाशन किया गया है। इसमें 79 चिकित्सकों का चयन विभिन्न विभागों के लिए किया गया है, जबकि शेष चिकित्सकों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है। इन्हें निर्देश दिया है कि तत्काल रिम्स में रिपोर्ट करें। बताते चले कि प्रबंधन ने विज्ञापन संख्या 2418 के तहत 49 विभागों के लिए 173 पदों पर आवेदन मांगे थे। लेकिन केवल 33 विभाग के लिए ही चिकित्सकों ने रूचि दिखाई। 16 विभाग ऐसे थे जिनमें एक भी डॉक्टर रेजिडेंसी के लिए नहीं मिले। जिन चिकित्सकों का चयन किया गया है वे बतौर सीनियर रेजिडेंट 3 साल तक रिम्स में अपनी सेवा देंगे। 3 साल की रेसिडेंस अवधि पूरी करने के बाद ये सभी असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए एलिजिबल होंगे। पहले रिम्स प्रबंधन ने 3 साल की सीनियर रेसिडेंसी के नियम में बदलाव कर इसे 89 दिन का कर दिया था। प्रबंधन ने 89 दिनों के लिए एडहॉक अधारित इनकी नियुक्ति कर रही थी, इसपर कोई भी उम्मीदवार रुचि नही दिखा रहे थे।

तार खीचने के दौरान व्यवसायी पर टूटकर गिरा पोल, ग्रामीणों ने इंजीनियर को पीटा

धनबाद, एजेंसी। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के जीटी रोड उदयपुर के समीप मैट्रिक्स कंपनी द्वारा किये जा रहे कार्य के दौरान एक पोल मंगलवार की शाम एक व्यवसायी उदयपुर गांव निवासी संजय कुमार पर जा गिरा। यह कंपनी एचटी लाइन के लिए पोल गाड़ने और तार खींचने का काम कर रही है। घटना में घायल संजय की बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गयी। स्थानीय लोगों ने घटिया पोल लगाने का आरोप लगाकर काम कर रहे अभियंता की पिटाई कर दी। वहीं व्यवसायी को धनबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कपड़ा व्यवसायी संजय कुमार की बाइक दुकान के समीप जीटी रोड़ पर खड़ी थी। वह कहीं जाने के लिए बाइक पर बैठने जा रहे थे। इस दौरान पोल टूटकर बाइक पर गिर गयी। घटना में व्यवसायी के बांया पैर व शरीर में चोट लगी है। पैर टूटने की बात कही जा रही है। घटना के बाद मौके से मजदूर व मिस्त्री भाग खड़े हुए। वहीं साइट इंजीनियर आक्रोशित लोगों के हत्थे चढ़ गये। लोगों ने कंपनी प्रबंधन पर कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए साइड इंजीनियर बच्चू यादव की धुनाई कर दी। इस दौरान गणमान्य लोगों ने उन्हें भीड़ के चंगुल से बचाया। सूचना पर बरवाअड्डा थाना प्रभारी रजनीकांत व इंस्पेक्टर सीमा कुमारी दल बल के साथ पहुंचे और बच्चु यादव को थाना ले आये। देर शाम दर्जनों ग्रामीण पीड़ित परिवार के साथ थाना पहुंचे और कंपनी प्रबंधन से नयी बाइक, इलाज का खर्च देने और लाइन खींच रहे ट्रैक्टर को जब्त करने की मांग करने लगे। इस दौरान बरवाअड्डा पुलिस ने कहा कि सिर्फ पीड़ित परिवार थाना के अंदर रहेगा। बाकी लोगों डांट, फटकार कर बाहर निकाल दिया। इसपर ग्रामीणों ने नाराजगी जतायी। इसके बाद थाना प्रभारी रजनीकांत ने सात लोगों को अंदर आने की इजाजत दी और कंपनी के लोगों से वार्ता करायी।

नीरज हत्याकांड के फैसले पर टिकी हैं सबकी निगाहें, पक्ष–विपक्ष में हो रहे दावे

धनबाद, एजेंसी। पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्याकांड पर 27 अगस्त को आने वाली कोर्ट के फैसले पर सबकी निगाहें टिकी है। एक साथ चार लोगों की शरेशाम हुई हत्या में कोर्ट के फैसले से पहले ही पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गयी है। वहीं दूसरी तरफ, सोशल मीडिया पर भी दोनों पक्षों के लोग तरह–तरह के पोस्ट डाल कर तरह–तरह का दावा कर रहे हैं। 21 मार्च 2017 को पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह, उनके पीएस अशोक यादव, निजी अंगरक्षक मुन्ना तिवारी एवं चालक घोलटू महतो की हत्या स्टीलगेट पर की गयी थी। इस घटना के बाद धनबाद पुलिस ने अनुसंधान में दर्जनों लोगों से पूछ–ताछ की। 11 लोगों की गिरफ्तारी हुई। जिनके खिलाफ एमपी–एमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया गया। आरोप गठन के बाद ट्रायल शुरू हुआ। लगभग साढ़े आठ वर्षों के बाद कोर्ट का फैसला आने वाला है। इसको लेकर पुलिस प्रशासन सतर्क है। खुफिया एजेंसियों को सक्रिय किया गया है। साथ ही सरायढेला, कोर्ट रोड इलाका सहित कई क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गयी है। सूत्रों के अनुसार वरीय पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को सरायढेला, धनबाद, बैंक मोड़, झरिया थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर कल के फैसले को लेकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। कहा गया कि सभी थाना क्षेत्र में पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहे। हर अनजान व्यक्ति पर नजर रखे। स्टेशन, बस स्टैंड जैसे क्षेत्रों में भी सतर्क रहने को कहा गया है। इस हत्याकांड के बाद सिंह मैंसन एवं रघुकुल समर्थकों के बीच तनाव बढ़ गया। कोर्ट के फैसले की तिथि निर्धारित होने के बाद भी दोनों पक्ष के समर्थक सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गये हैं। सोशल मीडिया पर भी टशन का असर दिख रहा है। तरह–तरह के रील्स डाल रहे हैं। दोनों पक्षों को उम्मीद है कि कोर्ट का फैसला उनके पक्ष में आयेगा। घटना के बाद की तस्वीरें साझा की जा रही है। अपने–अपने नेता के पक्ष में गोलबंद हो रहे हैं।

राज्य सरकार ने कहा: वज्रपात, डूबने व सर्पदंश से 486 मरे, हजारों घर ढहे

विधानसभा में अतिवृष्टि पर हुई विशेष चर्चा, कच्चे पक्के मकानों के गिरने पर कितना मुआवजा मिलेगा, स्पष्ट आश्वासन नहीं मिला

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में यह स्वीकार किया कि अतिवृष्टि के कारण काफी नुकसान हुआ है। अतिवृष्टि पर विधानसभा में हुई विशेष पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए आपदा मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि बज्रपात, दुचने और सर्पदंश से 486 लोगों की मौत की सूचना है। विभित्र क्षेत्रों में हजारों कन्ने पक्के मकान वह गए हैं। मंत्री ने कड़ा कि अभी इस बारे में रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है।

कहीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकों ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण इस बार अतिवृष्टि हुई है। खरीफ फसलों में मोटे अनाज को काफी नुकसान हुआ है। विचड़ा के बर्बाद होने और धान की फसलों के व्यापक नुकसान का भी समाचार है। दोनों मंत्रियों ने कहा कि सरकार इस विषय पर संवेदनशील है। प्रभावितों को मुआवजा मिलेगा। पर, बह स्पष्ट नहीं हुआ कि मुआवजा कितना मिलेगा। हालांकि मंत्री इरफान ने यह अवश्य कहा कि आपदा विभाग के पास करीब 5 हजार करोड़ रुपर हैं। वहीं, मंत्री शिल्पी ने पूरिया की किल्लत पर केंद्र सरकार की घोरा।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में भयावह स्थिति है। बच्चे नदी पार कर स्कूल जा रहे हैं, तो मरीजों को खाट पर अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। सरकार केजत बड़ी-बड़ी बातें न करे, वह इस प्राकृतिक आपदा को चुनौती में ले, ताकि अगली बार सदन में जब चर्चा हो, तो यह सब समस्याएं न गिनाने पड़ें। मरांडी ने कहा कि सरकार को यह भोषणा करनी चाहिए कि जिसके भी पर उड़े हीं, सबको पक्का मकान बना कर देगी।

अतिवृष्टि पर चर्चा की शुरुआत करते हुए झामुमो विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि भारी नुकसान हुआ है। सरकार शीघ्रा उसकी भरपाई करे। खरीफ फसल नष्ट हो गए हैं। मकई महआ, सब्जियां समेत दलहन कॉं फसलें बर्बाद हो गई हैं। पशुओं के लिए चारा नहीं है। कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि सरकार किमान आधीग का गठन करें। कई वर्षों तक हमलोगों ने अनावृष्टि पर चर्चा की है। आज अतिवृष्टि पर चर्चा करनी पड़ रही है। राज्य सरकार इस संबंध में क्या कर सकती है, उस पर चर्चा होनी चाहिए।

राज्य सरकार ने 1.33 लाख करोड़ का उपयोगिता प्रमाण पत्र नहीं दिया

रांची, एजेंसी। झारखंड विधा नसभा के मानसून सत्र में सोमवार को वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सीएजी की तीन रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा। इसमें एक रिपोर्ट राज्य के वित्तीय लेखा जोखा से संबंधित है। विधा नसभा में पेश 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र से मिले सहायता अनुदान की राशि के खर्च का हिसाब राज्य सरकार द्वारा केंद्र को वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद देने का प्रावधान है।

हालांकि, ऑडिट में पाया गया कि राज्य सरकार ने मिले 1।33 लाख करोड़ रुपए के केंद्रीय अनुदान के खर्च की उपयोगिता प्रमाण पत्र केंद्र सरकार को निर्धारित समय सीमा में नहीं दी। इस राशि के खर्च के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 47,367 उपयोगिता प्रमाण पत्र दिया जाना है। सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य के कुल राजस्व में 9।57 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जबकि, राज्य के अपने स्रोतों से मिलने वाले राजस्व में 11।49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2022-23 के मुकाबले 2023-24 में राज्य के कुल खर्च में 19।58 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2022-23 के मुकाबले 2023-24 में सरकार के राजस्व खर्च में 14।99 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले चार वर्षों के दौरान राज्य के राजकोषीय घाटे में भी कमी पाई गई है।

इधर, विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2022-23 का महालेखाकार का अनुपालन प्रतिवेदन पेश किया। जिसमें कहा गया है कि पथ निर्माण विभाग और ग्रामीण विकास विभाग ने दो-दो योजनाओं पर करीब 41।10 करोड़ रुपए खर्च तो किए, लेकिन आम लोगों को इस खर्च का कोई लाभ नहीं मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक, पथ निर्माण की ऑडिट में यह पाया गया है कि सड़क चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी को अतिरिक्त निधि प्रदान करने में विभाग ने असमर्थता जाहिर की। साथ ही निर्धारित समय के अंदर भू-अर्जन की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विभाग के कार्यपालक अभियंता और भू-अर्जन पदाधिकारी के बीच समन्वय की कमी रही।

खूंटी में 36 लाख से अधिका का डोडा जब्त, अज्ञात के खिलाफ एफआईआर, जांच में जुटी पुलिस

खूंटी, एजेंसी। अवैध अफीम और तस्करी के खिलाफ खूंटी पुलिस की कार्रवाई जारी है। अफीम एवं डोडा तस्करी की सूचना पर खूंटी पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए 242 किलो अवैध डोडा पाउडर बरामद किया है। जब्त डोडा का बाजार मूल्य लगभग 36 लाख 30 हजार रुपये बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान तस्कर भागने में कामयाब रहे।

डीएसपी वरुण रजक ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि सायको थाना क्षेत्र के मारंगहदा मोड़ के समीप एक मारूति वैन से डोडा की तस्करी की सूचना एसपी मनीष टोप्पो को मिली थी। सूचना पर डीएसपी वरुण रजक और सायको थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडे ने मारंगहदा मोड़ के समीप वाहन जांच लगाई।

इस जांच के दौरान के मारुति वैन भी वहां पहुंची लेकिन मारुती में सवार लोगों ने पुलिस को देख लिया और मोड़ से पहले गाड़ी को छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले। मौके से वाहन से 12 बोरे में भरा 242 किलो डोडा का पाउडर जब्त किया गया। जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 36 लाख 30 हजार रुपये बताई जा रही है।

डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि जब्त डोडा, गाड़ी मालिक और अज्ञात तस्कर के खिलाफ सायको थाना में कांड संख्या 25/2025, एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 15(सी)/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस तस्करी में शामिल अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। छापामारी टीम में डीएसपी वरूण रजक, थाना प्रभारी प्रभात रंजन पाण्डेय, हवलदार प्रदीप संगा, सुभीत कुजूर, आरक्षी हेमंत कुमार व तालकेश्वर राम शामिल थे।

झारखंड में 29 अगस्त से राज्य के सभी हिस्से में बारिश, कोल्हान और संताल परगना के जिलों में हैवी रेन

रांची, एजेंसी। झारखंड के लोगों को दो दिन की राहत के बाद एक बार फिर भारी बारिश का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि राज्य के अधिकांश हिस्सों में 29 अगस्त से बारिश का नया दौर शुरू होगा। रांची समेत कई जिलों में सामान्य से मध्यम स्तर की बारिश होगी, जबकि कोल्हान और संथाल परगना क्षेत्र में 29 और 30 अगस्त को भारी बारिश की संभावना है। विभाग ने 29 से 31 अगस्त तक राज्यभर में लगातार बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी उत्तरी तट, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटीय भाग पर एक निम्न दबाव क्षेत्र सक्रिय हुआ है। यह अगले 48 घंटे के भीतर और मजबूत होकर पश्चिम-उत्तर दिशा की ओर बढ़ेगा। इस सिस्टम के असर से झारखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश की आशंका है। राजधानी रांची में मंगलवार सुबह बादल छाए रहे और कहीं-कहीं छिटपुट बारिश दर्ज की गई।

विभाग ने अनुमान जताया है कि बुधवार और गुरुवार को राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। इस दौरान मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। बादल छंटने के कारण राजधानी रांची में फिलहाल मौसम सामान्य महसूस हो रहा है, लेकिन

गुरुवार के बाद एक बार फिर से जोरदार बारिश की स्थिति बनेगी। लगातार बारिश और बदलते मौसम के बीच राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब बना हुआ है। रांची का अधिकतम तापमान मंगलवार को 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में चार डिग्री की बढ़त दर्शाता है। न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री रहा। वहीं, गोड्डा का अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया, जो राज्य में सर्वाधिक रहा।

मौसम विभाग ने संकेत दिया है कि आगामी दिनों में भारी बारिश होने पर तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। वर्तमान में राज्य के अधिकांश शहरों का तापमान सामान्य बना हुआ है, लेकिन 29 अगस्त के बाद से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। लगातार तीन दिनों तक होने वाली बारिश से सामान्य जीवन प्रभावित हो सकता है और लोगों को एक बार फिर जलजमाव और अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

नगड़ी में रिम्स-2 निर्माण को लेकर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के तेवर गर्म

रांची, एजेंसी। झारखंड में रिम्स टू के लिए कांके के नगड़ी में चिन्हित जमीन पर उठा विवाद शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। 24 अगस्त को प्रस्तावित आंदोलन के दौरान हाउस अरेस्ट होने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने फिर एक बार उसी जमीन पर रिम्स -2 नहीं बनने देने की घोषणा की है।

सरकार को जवाब देगी जनता : दरअसल विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि वहां की जनता, सरकार के इस निर्णय का जवाब देगी। उन्होंने कहा कि 2012 तक उस जमीन की रैयतों से मालगुजारी ली जाती थी, लेकिन अधिग्रहण कब हुआ? ये आज तक नहीं बताया गया है।

पूर्व सीएम ने किसानों पर दर्ज मामलों का विरोध करते हुए कहा कि जिन्होंने हल चलाया, उन पर केस दर्ज करना गलत है। अब जनता की अदालत में हम जाएंगे। उन्होंने कहा कि 1957 में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के लिए जब यह भूमि अधिगृहित करने की कोशिश की गई थी, तब रैयतों ने उसका तगड़ा विरोध किया था। उस समय के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने किसानों की समस्या सुनी थी?

चंपाई सोरेन ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय का हवाला देते हुए कहा कि यह जमीन अधिग्रहित नहीं की गई है। ऐसे में वर्तमान सरकार जबरन आदिवासी किसानों की जमीन लेने पर तुली है, यदि ऐसे ही हालात रहे तो किसी की भी जमीन कभी भी सरकार ले सकती है।

सूर्या हांसदा एनकाउंटर को लेकर चंपाई सोरेन ने कहा कि जो लोग समाज और गरीबों के लिए संघर्ष करते हैं, उन पर केस दर्ज हो जाने से वह अपराधी नहीं हो जाते। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि झारखंड आंदोलन के दौरान भी कई कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज हुए थे लेकिन अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया था। चंपाई सोरेन ने साफ तौर पर कहा कि सूर्या हांसदा, गरीबों और बच्चों के लिए संघर्ष करने वाले इंसान थे। पूर्व सीएम ने कहा कि केस दर्ज होना अपराध साबित नहीं करता। इसलिए एनकांउटर की जांच सीबीआई से करानी चाहिए।

रिम्स पर असर: पारा मेडिकल छात्रों की गैरमौजूदगी में डॉक्टर्स को करनी पड़ी जांच

रांची, एजेंसी। रांची रिम्स में शनिवार देर रात जूनियर डॉक्टर्स और पारा मेडिकल छात्रों के बीच हुई मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना के विरोध में मंगलवार को करीब 450 से अधिक पारा मेडिकल छात्रों ने कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया। छात्रों ने रिम्स प्रबंधन और सभी विभागों के एचओडी को पत्र लिखकर साफ कर दिया है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, वे ड्यूटी पर नहीं लौटेंगे।

पारा मेडिकल छात्रों के बहिष्कार का सबसे ज्यादा असर रिम्स की इमरजेंसी और आईसीयू सेवाओं पर पड़ा, जहां सामान्य दिनों में 70 से अधिक पारा मेडिकल छात्र तैनात रहते हैं, वहीं मंगलवार को उनकी गैरमौजूदगी में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों को ही एक्स-रे, ईसीजी और अन्य तकनीकी काम भी करने पड़े। मरीजों को घंटों तक जांच के लिए इंतजार करना पड़ा। ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी वार्ड में हालात सबसे ज्यादा बिगड़े थे।

रिम्स कैंटीन चाय मामला... प्रबंधन को सौंपी गई रिपोर्ट : रिम्स की कैंटीन से चाय पीने के बाद गंभीर हुई जूनियर डॉक्टर डॉ. अरुणा के मामले में गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रबंधन को सौंप दी है। समिति ने जांच के दौरान कैंटीन कर्मियों, नर्स और उस समय उनके साथ ड्यूटी पर रहे चिकित्सकों से पूछताछ की। रिम्स के पीआरओ और उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि इस प्रकरण की अलग से पुलिस की जांच भी चल रही है, इसलिए फिलहाल रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी। जरूरत पड़ने पर पुलिस के साथ रिपोर्ट साझा की जाएगी।

इधर, फिलहाल डॉ. अरुणा की हालत स्थिर है और उन्हें आईसीयू में चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्य लगातार उनके साथ मौजूद हैं और प्रबंधन से निष्पक्ष जांच व पारदर्शी रिपोर्ट की मांग कर रहे हैं।

मयंक सिंह के रिमांड को लेकर रामगढ़ कोर्ट में हुई सुनवाई, कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

रामगढ़, एजेंसी। अजरबैजान जेल से पहली बार झारखंड के रामगढ़ भदानीनगर कोर्ट के कांड संख्या 175/22 में सुनील कुमार मीणा उर्फ मयंक सिंह को पुलिस रिमांड पर लेने के लिए एटीएस (क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट) ने आवेदन दिया था, जिस पर प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मिस संजीबिता गुइन की अदालत में सुनवाई हुई। एटीएस की ओर से सरकारी अधिवक्ता कुमुद रंजन ने पक्ष रखा, जबकि सुनील कुमार की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता हेमंत सिकरवार, अधिवक्ता विधानचंद्र सिंह, अधिवक्ता अनिमेष सिंह ने बहस की। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

हाईकोर्ट के अधिवक्ता हेमंत सिकरवार ने बताया कि हम सुनील कुमार की ओर से पक्ष रख रहे हैं। अभियोजन पक्ष की ओर से आवेदन दिया गया कि सुनील कुमार मीणा उर्फ मयंक सिंह को आगे की जांच के लिए पुलिस रिमांड दिया जाए। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि जिस समय भदानी नगर पीएस कांड संख्या 175/22 में आरोप पत्र पेश किया गया था, एक तो पुलिस लालपुर थाना कांड संख्या 307/23 में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिसमें आकाश राय उर्फ मोनू और मयंक सिंह के खिलाफ किया गया है, जिसकी चार्जशीट की कॉपी कोर्ट को भी दे दी गई है। इससे पहले जब अभियोजन पक्ष ने मान लिया है कि आकाश राय ही मयंक सिंह है, तो आकाश राय को भी मयंक सिंह, सुनील कुमार को मयंक सिंह और मयंक सिंह को भी कैसे मयंक सिंह बनाया जाएगा। केस डायरी में कहीं भी ऐसा कोई गवाह या अन्य सबूत नहीं है, जिससे साबित हो कि सुनील कुमार ही सुनील कुमार मीणा उर्फ मयंक सिंह है।

अधिवक्ता ने कहा कि जिस व्यक्ति को मयंक सिंह कहकर यहां लाया गया है, वह मयंक सिंह नहीं बल्कि सुनील कुमार है। वे वाहवाही बटोरने के लिए उसे प्रोजेक्ट कर रहे हैं। इसके साथ ही हमने माननीय न्यायालय में सुप्रीम कोर्ट का एक जजमेंट

भी पेश किया है, जिसमें अगर नई याचिका का जिक्र नहीं किया जाता, तो इस मामले में कोई तथ्य मौजूद नहीं है। सुरक्षा की दृष्टि से अज़रबैजान दुनिया की शीर्ष 10 जेलों में शामिल है। वहां जेल में बंद होने के बावजूद, मयंक सिंह के नाम पर हर दिन उसके खिलाफ मामला दर्ज हो रहा है। फिर जो व्यक्ति जेल में है, वह उच्चतम सुरक्षा क्षेत्र में है। इन सभी दलीलों को सुनने के बाद, अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

एटीएस की ओर से सरकारी वकील ने अपनी बात रखी। उन्होंने अदालत को बताया कि जिस मामले में मयंक सिंह उर्फ सुनील कुमार मीणा उर्फ सुनील कुमार को अजरबैजान जेल से वापस लाया गया है, उसकी जांच अभी लंबित है। जिस समय पुलिस जांच कर रही थी, उस समय मयंक सिंह उर्फ सुनील कुमार मीणा उर्फ सुनील कुमार जेल में था। इसलिए, न तो उससे ठीक से पूछताछ हो सकी और न ही कई तथ्य सामने आ सके। पूरी दलील सुनने के बाद, अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

क्या है पूरा मामला

झारखंड में पहली बार विदेश से ट्रांजिट के ज़रिए लाए गए कुख्यात अपराधी सुनील कुमार मीणा उर्फ मयंक सिंह को रामगढ़ कोर्ट में पेश किया गया और उसे पुलिस रिमांड पर लेने की अपील की गई, लेकिन शनिवार को जिस मामले में पुलिस रिमांड की अपील की गई, उसमें पहले ही चार्जशीट दाखिल हो चुकी थी, जिसका हवाला आरोपी सुनील कुमार के वकील ने दिया और कोर्ट ने शनिवार को सुनील कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जिसके बाद आज सोमवार को एटीएस की ओर से पीपी ने पुलिस रिमांड के लिए कोर्ट के समक्ष अपना पक्ष रखा, जबकि आरोपी सुनील कुमार की ओर से हाईकोर्ट के वकील ने अपना पक्ष रखा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

इंजीनियरिंग के बाद सिर्फ एमबीए नहीं, ये कोर्सेस भी कर सकते हैं आप

हर व्यक्ति के लिए करियर इंपोर्टेंट होता है। हर फील्ड में कई सारे ऑप्शन होते हैं। करियर ग्रोथ के लिए आप इंजीनियरिंग के बाद एमबीए के अलावा अगर कुछ करना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे कोर्स जो आप सेलेक्ट कर सकती हैं और अपना करियर बना सकती हैं।

स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग

यह एक पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स होता है और यह 2 साल का कोर्स है। यह इंजीनियरिंग कोर्स आपको कंसीडरेशन और डिजाइन का एनालिसिस, स्ट्रक्चरल स्टेबिलिटी, जनरल सेफ्टी, कंस्ट्रक्शन रिलायबिलिटी, विद स्टैंडिंग सिस्मिक फोर्सेस और बिल्डिंग फेलियर को समझने और विश्लेषण करने में मदद करता है। कई टॉप कॉलेज इस कोर्स के लिए एंट्रेंस एग्जाम भी करवाते हैं।

रोबोटिक कोर्स

यह कोर्स आप भारत के अलावा किसी अन्य देश से भी कर सकती हैं। यह एक लॉन्गटर्म रिसर्च ओरिएंटेड कोर्स है और आप इस क्षेत्र से जुड़ने के बाद कुछ शॉर्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं जैसे आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस रोबोटिक्स सिस्टम जैसे क्षेत्र में शानदार करियर बना सकती हैं। इस कोर्स को कंप्लीट करने के लिए 4 साल का समय लगता है।

प्रोडक्ट डिजाइनर

प्रोडक्ट डिजाइनर वह होता है जो डिजाइनिंग पर वर्क करता है। जो लोग रोजमर्रा के उपयोग में आने वाले उत्पादों के डिजाइन करने और विकसित करने का काम करते हैं वह प्रोडक्ट डिजाइनर होता है। किसी भी प्रोडक्ट को ग्राहक की पसंद के अनुसार बेहतर बनाने के लिए प्रोडक्ट डिजाइनर सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं और किसी भी प्रकार के प्रोडक्ट्स को डिजाइन करना एक लर्निंग टास्क भी होता है। एक प्रोडक्ट डिजाइनर कोर्स करने में 1 से 4 साल भी लग सकते हैं। यह कोर्स करके आप मार्केटिंग कंपनी में भी जॉब कर सकती हैं।

क्वांटम इंजीनियरिंग से विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा अवसर

आधुनिक समय में क्वांटम तकनीक उभरता हुआ क्षेत्र है। यह क्षेत्र युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिस वजह से युवाओं का भी इस क्षेत्र की ओर रुझान बढ़ रहा है।

इंजीनियरिंग में करियर को आगे बढ़ाने के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग भी कमाल की विधा है, यह आने वाले भविष्य की एक रोमांचक तकनीक है, और इस क्षेत्र में कौशल वाले पेशेवरों की भारी मांग है। अगर आप क्वांटम कंप्यूटिंग जॉब्स और करियर बनाने में रुचि रखते हैं, तो यहां आपके लिए कुछ दिलचस्प टिप्स दिए गए हैं –
दरअसल, क्वांटम तकनीक वह शाखा है, जो खास तौर पर क्वांटम मैकेनिक्स का इस्तेमाल करके नई तकनीकों को विकसित करती है। यह क्वांटम बिट्स का (क्यूबिट्स) इस्तेमाल करके तेज, अद्भुत गणना और सुरक्षित संचार साधने की कोशिश करती है, जिससे कंप्यूटिंग और संचार क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए स्तर की संभावनाएं उत्पन्न हो रही हैं।
आधुनिक समय में क्वांटम तकनीक उभरता हुआ क्षेत्र माना जा रहा है। यह क्षेत्र युवाओं को नौकरी के नए अवसर प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिस वजह से युवाओं का भी इस क्षेत्र की ओर रुझान बढ़ रहा है।

यहां से करें क्वांटम तकनीक में कोर्स

अगर आप क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में अपना भविष्य संवारना चाहते हैं, तो आप भारतीय प्रबंधन संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय समेत अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता को पूरा कर सकते हैं। कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों में क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी के लिए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं, जो छात्रों को क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में मार्गदर्शन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त बीएससी एवं एमएससी के छात्रों के लिए भी इस क्षेत्र में विकल्प मौजूद हैं।
क्वांटम कंप्यूटिंग के मूल सिद्धांतों को समझना, जैसे कि सुपरपोजिशन, उलझाव और क्वांटम सर्किट। ऑनलाइन कोर्स, किताबें और ब्लॉग पोस्ट आपके ज्ञान को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

क्वांटम तकनीक की स्पेस एवं डिफेंस में भी है संभावनाएं

स्पेस एवं डिफेंस के क्षेत्र में सुरक्षा के लिहाज से क्वांटम तकनीक बेहद कारगर है। क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यताओं को पूरा करने के पश्चात आप नासा, डीआरडीओ और इसरो जैसे संस्थानों से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं। इन संगठनों में तकनीकी और अनुसंधान से संबंधित जानकारी के साथ-साथ आपको क्वांटम तकनीक का भी ज्ञान होना जरूरी है।
क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में जानकारी के साथ आपको स्पेस क्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर मिल सकता है।
क्वांटम कंप्यूटिंग के कई एप्लिकेशन के बारे में जानें, जैसे कि मशीन लर्निंग, सिमुलेशन, क्रिप्टोग्राफी और सामग्री विज्ञान। अपने पसंद के क्षेत्र में गहन ज्ञान विकसित करना आपको अलग दिखाएगा।

क्वांटम तकनीक से विभिन्न क्षेत्रों में मिलेगा अवसर

आपने क्वांटम तकनीक से संबंधित सभी पात्रताओं को पूरा कर लिया है, तो आप निजी क्षेत्र में भी अवसरों को तलाश कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप्स में नौकरी, अनुसंधान और उत्पादों को विकसित करने में अपनी अहम भूमिका निभा सकते हैं। सुपर कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और नैनो-तकनीकी जैसे क्षेत्रों में क्वांटम तकनीक का इस्तेमाल तेजी से हो रहा है, जिससे निजी कंपनियां संचार को सुरक्षित रखने के लिए नए उत्पादों और सेवाओं का निर्माण कर रही हैं। इसके अलावा युवाओं को कुशल बनाने के लिए भारत सरकार इस क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है।

क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता

- क्वांटम साइंस और टेक्नोलॉजी में एमएससी
- क्वांटम कंप्यूटिंग में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- क्वांटम इंजीनियरिंग में बीटेक एमटेक
- क्वांटम सूचना और कंप्यूटिंग में शॉर्ट-टर्म कोर्स
- क्वांटम तकनीक में डॉक्टरेट

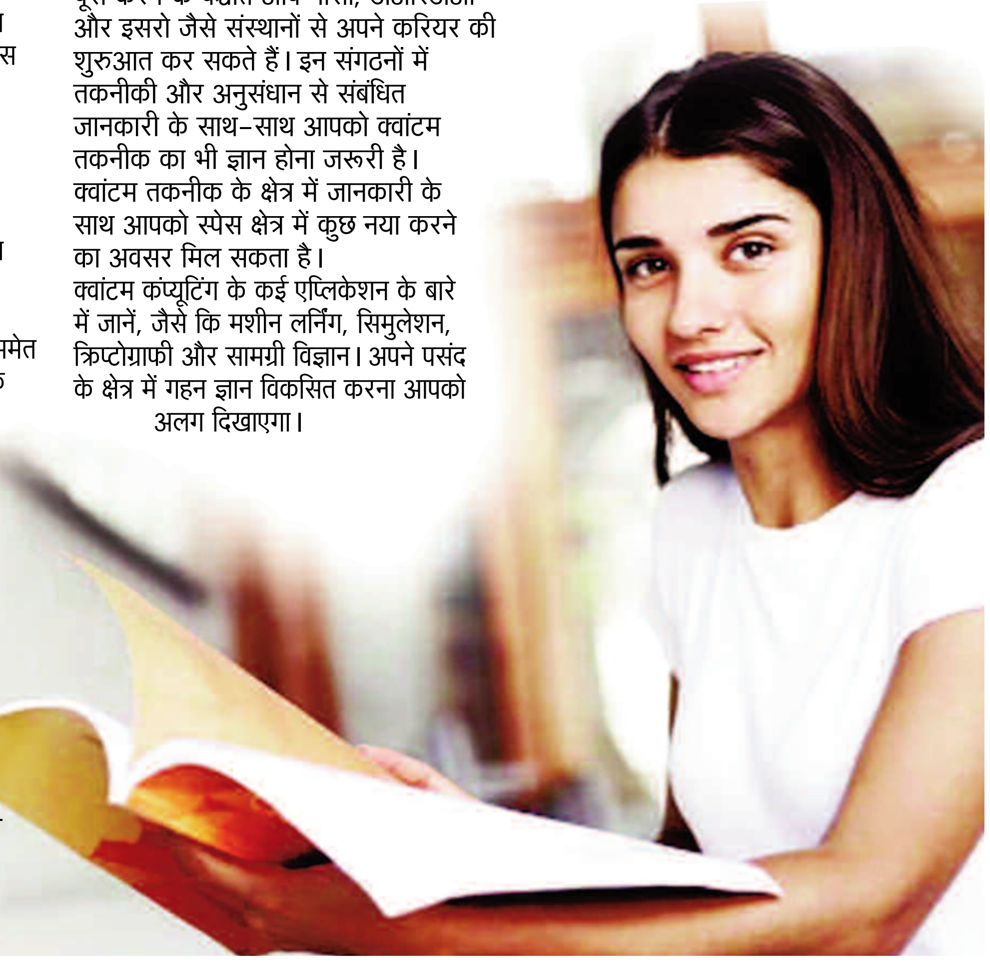

जर्नलिज्म की फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो....

आज के समय में अधिकतर यंगस्टर जर्नलिज्म की फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। जर्नलिज्म करने के बाद आप अलग-अलग मीडिया और कम्युनिकेशन इंडस्ट्री के साथ जुड़ सकते हैं और अपना एक बेहतरीन करियर देख सकते हैं।

आमतौर पर, लोग यह सोचते हैं कि जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप केवल एंकर या न्यूज रीडर ही बन सकते हैं। जबकि ऐसा नहीं है। यह एक बहुत बड़ा क्षेत्र है और इसमें आपके पास करियर ऑप्शन की कोई कमी नहीं नहीं है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद चुन सकते हैं-

बनें जर्नलिस्ट

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद बतौर जर्नलिस्ट अपना करियर देख सकते हैं। आप किसी न्यूज पोर्टल, अखबार या चैनल के साथ जुड़ सकते हैं और किसी एक फील्ड में काम कर सकते हैं। इस तरह आप पुख्ता जानकारी के साथ सच्ची घटनाओं को जनता के सामने पेश कर पाएंगे।

करें कंटेंट राइटिंग

जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद कंटेंट राइटिंग करना यकीनन एक अच्छा विचार है। अगर आपमें लेखन का कौशल पहले से ही है तो जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स आपके इस स्किल्स को और भी अधिक निखारने में मदद करेगा। आप अलग-अलग मीडिया हाउस से लेकर डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियों, विज्ञापन एजेंसियों और अन्य प्रमुख संगठनों के साथ जुड़कर उनके लिए कंटेंट राइटिंग कर सकते हैं। आज के समय में कंपनियां अच्छे कंटेंट राइटर की तलाश में रहती हैं, जो उनके लिए इफेक्टिव कंटेंट लिख सकें और अधिक से अधिक बिजनेस ला सकें।

रेडियो जॉकी

अगर आपकी आवाज में दम है और आपको ऐसा लगता है कि लोग आपको सुनना पसंद करेंगे तो आप बतौर रेडियो जॉकी भी अपना करियर देख सकते हैं। जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद आप बतौर आरजे अपने करियर को शेप दे सकते हैं। एक सफल रेडियो जॉकी बनने के लिए सिर्फ अच्छी आवाज होना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उतने ही क्रिएटिव भी हों और लीक से हटकर कुछ नया करने की क्षमता रखते हों।

पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल्स

अगर आपने जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन कोर्स किया है और आप न्यूज की दुनिया में कदम नहीं रखना चाहते हैं तो ऐसे में आप बतौर पब्लिक रिलेशन प्रोफेशनल्स भी अपना करियर देख सकते हैं। आप किसी व्यक्ति, आर्गेनाइजेशन या कंपनी के लिए पीआर का काम संभाल सकते हैं। दुनिया भर में कंपनियां हमेशा ऐसे कुशल लोगों की तलाश में रहती हैं जो सफलतापूर्वक उनके ब्रांड को रिप्रेजेंट कर सकें और एक बेहतरीन नेटवर्क और रिलेशन बना सकें। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतरीन होने चाहिए।

संभालें डिजिटल मीडिया

आज का जमाना ऑनलाइन का है। ऐसे में अगर आप चाहें तो टीवी या न्यूजपेपर के अलावा ऑनलाइन की दुनिया में भी अपने लिए अवसरों की तलाश कर सकते हैं। मसलन, आप सोशल मीडिया अकांउट्स पर नजर रखें और उनके लिए कंटेंट लिखें। आप ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के लिए आर्टिकल से लेकर वीडियो आदि तैयार कर सकते हैं।

गौतम का फिजिक्स में इंजिनियरिंग करने का सपना था। जब वह अपने इस सपने को पूरा करने के लिए निकले तो कभी नहीं सोचा था कि इसकी वजह से वह अलग-अलग सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों से मिल सकेंगे और खुले विचारों वाला बन सकेंगे। उन्होंने हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने के विकल्प को चुना, अलग-अलग परिस्थिति में अलग-अलग तरह के लोग क्या सोचते हैं यह सीखा, विविधता के अनुकूल खुद को ढाला और उन्होंने खुद को पूरी तौर पर बदल लिया।

उच्चतर शिक्षा का उभरता हुआ बड़ा केंद्र है हॉन्ग कॉन्ग

हॉन्ग कॉन्ग एक उभरता हुआ मेट्रोपोलिस है और उच्चतर शिक्षा का बड़ा केंद्र है। अमेरिका और इंग्लैंड की कई यूनिवर्सिटियों के मुकाबले यहां ट्युशन फीस कम हैं और वीजा पॉलिसी भी काफी आसान है। नीचे कुछ कारण दिए गए हैं जो हॉन्ग कॉन्ग को भारतीय छात्रों के लिए उच्चतर शिक्षा का बेहतर स्थान बनाते हैं।

वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

हॉन्ग कॉन्ग एक प्रतिष्ठित शिक्षा केंद्र है। क्यूएस सर्वश्रेष्ठ छात्र शहर रैंकिंग में इसको 14वां स्थान मिला है। इसने यूनिवर्सिटी रैंकिंग इंडिकेटर में खासतौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसका कारण है कि यहां अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त कई यूनिवर्सिटी हैं। एशिया की टॉप 10 यूनिवर्सिटी में से 4 और दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटी में से 5 यहां हैं। **हॉन्ग कॉन्ग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी** जैसे संस्थान उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मजबूत रिसर्च नेटवर्क मुहैया कराते हैं।

संस्कृति और व्यापार के मिश्रण का अनोखा गढ़

इस चमक-दमक भरे शहर में दुनिया भर के लोग रहते और काम करते हैं। इससे संस्कृति और धरोहर का अनोखा मिश्रण तैयार हुआ है जहां पूरब की संस्कृति का मिलन पश्चिम की संस्कृति से होता है। ऐसा कहीं और नहीं है। इसके अलावा आकर्षक टैक्स स्ट्रक्चर, आधुनिक आधारभूत ढांचे और चीन एवं अन्य एशियाई बाजार के करीब होने के कारण हॉन्ग कॉन्ग कॉर्पोरेशंस और स्टार्ट अप्स के लिए आकर्षक स्थान है। इसलिए हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने से मजबूत सामाजिक और पेशेवर संबंध बनता है जो अवसरों के इस गढ़ में किसी को करियर की शुरुआत करने में अहम साबित हो सकते हैं।

यूनिवर्सिटी का चुनाव?

अगर आप विदेश से अंडरग्रैजुएट डिग्री करना चाहते हैं तो हॉन्ग कॉन्ग की पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी आपकी बेस्ट चॉइस हो सकती है। इसकी प्रफेशनल एजुकेशन में मजबूत पकड़ है और हॉन्ग कॉन्ग के बिजनस एवं इंडस्ट्रियल लीडर्स से पार्टनरशिप है। यह यूनिवर्सिटी देश के अंदर और बाहर अपने लिंक के लिए भी जानी जाती है जिससे आपको चीन की सीमा के बाहर जाकर भी रोजगार खोजने में आसानी होगी।

बाहरी ग्रैजुएट्स के लिए इमिग्रेशन

बाहरी ग्रैजुएट जिन्होंने हॉन्ग कॉन्ग में फुल टाइम और स्थानीय तौर पर मान्यता प्राप्त प्रोग्राम में अंडरग्रैजुएट या हायर क्वॉलिफिकेशन हासिल किया है और रोजगार के लिए एचकेएसएआर में प्रवेश करना /रहना चाहते हैं, वे आईएएनजी के लिए प्रफेशनल के तौर पर आवेदन कर सकते हैं। उनको 12 महीने की अवधि तक रहने की अनुमति मिल जाएगी बशर्ते कि उन्होंने इमिग्रेशन से जुड़ीं आम जरूरतों को पूरा किया हो।

हॉन्ग कॉन्ग में पढ़ने के कुछ और फायदे निम्नलिखित हैं...

- मेरिट आधारित पॉलीयू एंट्री स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत 1,90,000 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर यानी करीब 17 लाख 36 हजार रुपये मिलता है। इसको शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर रिन्यू किया जा सकता है।
- पॉलीयू में बाहरी छात्रों के लिए दो सालों तक यूनिवर्सिटी की ओर से रहने का प्रबंध किया जाता है।
- इंटर्नशिप की गारंटी (स्थानीय या विदेशी)
- किसी विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस से स्टडी के अवसर की गारंटी

4 दिन में चांदी 4000 से अधिक उछली, सोने का भाव भी करीब 2000 चढ़ा

इस साल सोना 25144 और चांदी 29853 रुपये हुई महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के भाव में पिछले चार कारोबारी दिनों में बंपर तेजी आई है। चार दिन में चांदी चार हजार से ऊपर चढ़ी है। जबकि, सोना इस अवधि में करीब 2000 रुपये उछल चुका है। आईबीजेए के आंकड़ों के मुताबिक 20 अगस्त को 24 कैरेट गोल्ड का भाव 98946 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 111194 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। इस लिहाज से सोना बिना जीएसटी 1938 रुपये उछल कर 100884 रुपये पर पहुंच गया। जबकि, चांदी सोने के मुकाबले दोगुनी से अधिक रफ्तार से उछल कर 115870 रुपये पर पहुंच गई।

सोने-चांदी में यह उछाल मुख्यत वैश्विक आर्थिक हालात और राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण आई है। नए सिरे से बढ़े तनाव और दुनिया भर में अस्थिरता ने निवेशकों को सुरक्षित समझी जाने वाली चीजों की ओर धकेला है। सोने के साथ-साथ चांदी को भी इसका फायदा मिल रहा है।

आज आईबीजेए गणेश चतुर्थी की छुट्टी के कारण रेट जारी नहीं करेगा। मंगलवार को 24 कैरेट सोना 404 रुपये महंगा होकर बिना जीएसटी 100884 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 23 कैरेट गोल्ड के रेट में 337 रुपये की उछाल दर्ज की गई और बिना जीएसटी यह 100423 रुपये पर बंद हुआ।

22 कैरेट गोल्ड भी 92410 रुपये पर बंद हुआ। 18 कैरेट गोल्ड 297 रुपये चढ़कर 75663 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 59017 रुपये रही।

सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 25144 रुपये और चांदी 29853 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

400 रुपये के पार जा सकते हैं महारत्न कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 बार बोनस शेयर बांट चुकी है कंपनी महारत्न कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयरों में अच्छी तेजी आ सकती है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों में भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेफरीज का पसंदीदा दांव बना हुआ है। जेफरीज ने बीपीसीएल के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 410 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर मंगलवार को बीएसई में 312.25 रुपये पर बंद हुए हैं। महारत्न कंपनी ने पिछले 25 साल में अपने शेयरधारकों को 5 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की मजबूत अर्निंग्स विजिबिलिटी और अनुकूल वैल्यूएशंस को हाइलाइट किया है। जेफरीज ने एक नोट में कहा है, बीपीसीएलके शेयर पिछले एक साल में 10 फीसदी से कुछ ज्यादा टूटे हैं, लेकिन क्रूड ऑयल के 70 डॉलर के नीचे बने रहने के साथ ही इसके अर्निंग्स आउटलुक मजबूत बने हुए हैं। जेफरीज का मानना है कि बीपीसीएल अर्निंग्स में ज्यादा स्टैबिलिटी ऑफर करती है। महारत्न कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड पिछले 25 साल में अपने शेयरधारकों को 5 बार बोनस शेयर दे चुकी है। ऑयल मार्केटिंग कंपनी ने दिसंबर 2000 में 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर दिया। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। बीपीसीएल ने जुलाई 2012 और जुलाई 2016 में फिर 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। महारत्न कंपनी बीपीसीएल ने जुलाई 2017 में 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर बांटे। यानी, कंपनी ने हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने जून 2024 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। महारत्न कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर पिछले छह महीने में 28 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 27 फरवरी 2025 को 244.75 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 26 अगस्त 2025 को 312.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 6 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। बीपीसीएल के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 376 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 234.01 रुपये है।

वनस्पति तेल उद्योग को राहत की उम्मीद, जीएसटी रिफंड प्रतिबंध हटाने पर जल्द फैसला संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। वनस्पति तेल पर कर रिफंड प्रतिबंध हट सकता है। इस पर जीएसटी परिषद की बैठक में फैसला होने की उम्मीद है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, खाद्य मंत्रालय ने वनस्पति तेल उद्योग के अनुरोध को वित्त मंत्रालय को भेज दिया है। खाद्य तेल उद्योग जुलाई, 2022 से उल्टे शुल्क ढांचे के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के लिए माल और सेवा कर (जीएसटी) रिफंड पर प्रतिबंधों से जूझ रहा है। इसका विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यमों और घरेलू निर्माताओं पर प्रभाव पड़ रहा है। खाद्य तेलों पर 5 फीसदी जीएसटी लागू है। पैकेजिंग, केमिकल और प्रसंस्करण उपकरण सहित इनपुट सामग्री पर 12-18 फीसदी की उच्च दर लागू है। इस असमानता के कारण उद्योग को 2021-22 तक आईटीसी पर रिफंड का दावा करने की मंजूरी थी। उधर, सभी वनस्पति तेल उत्पादकों को चीनी एवं वनस्पति तेल निदेशालय में पंजीकरण कराना होगा।

तत्काल राहत नहीं... ट्रंप के टैरिफ पर सरकार ने हाथ खड़े किए

ट्रंप के टैरिफ पर सरकार ने हाथ खड़े किए, ट्रंप ने अमेरिका के पैर पर मारी कुल्हाड़ी: जेफरी सैश

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ बम फोड़ा है। उन्होंने भारतीय सामान पर 50 टैरिफ लगाया है जो आज से लागू हो जाएगा। अमेरिका पहले से ही भारतीय सामान पर 25 टैरिफ वसूल रहा था। रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे भारत को करीब 48.2 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट प्रभावित होगा। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इसका सबसे ज्यादा असर उन उद्योगों पर पड़ेगा जिनमें ज्यादा लोगों को काम मिलता है। इनमें कपड़ा, झींगा, चमड़ा, हीरे-जवाहरात, कारपेट और फर्नीचर सेक्टर शामिल हैं।

भारतीय एक्सपोर्टर्स के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। कई साल में यह पहला मौका है जब उन्हें इस तरह की दिक्कत का सामना करना पड़ा रहा है। इस बीच रॉयटर्स की एक खबर के मुताबिक कॉमर्स मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने कहा कि सरकार को यूएस टैरिफ पर तत्काल कोई राहत मिलने या इसके टलने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि टैरिफ के कारण प्रभावित हुए एक्सपोर्टर्स को वित्तीय सहायता मिलेगी। साथ ही उन्हें चीन, लैटिन अमेरिका और मिडिल ईस्ट जैसे बाजारों में डाइवर्सिफाई करने में मदद की जाएगी।

अमेरिका के जाने माने अर्थशास्त्री जेफरी सैश का कहना है कि भारत पर इतना ज्यादा टैरिफ लगाकर ट्रंप ने अमेरिका का ही नुकसान किया है। इससे अमेरिका दुनिया में अलग-थलग पड़ जाएगा और उसकी कंपनियों का भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप भारत की बांह मरोड़ने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन वह इसमें सफल नहीं होंगे। यह सोचना समझदारी नहीं है कि वह 1.5 अरब की आबादी वाले देश को डरा सकते हैं। ट्रंप अमेरिका को ग्लोबल इकॉनमी से अलग-थलग कर रहे हैं। वह अमेरिका का नुकसान कर रहे हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि ट्रंप के टैरिफ से इस वित्त वर्ष में भारत की इकनॉमिक ग्रोथ को 30 से 80 बेसिस पॉइंट की चपत लग सकती है। हालांकि उनका कहना है कि मजबूत घरेलू मांग और अमेरिका को अपेक्षाकृत कम एक्सपोर्ट से भारत इस झटके को सहने की स्थिति में है। एचडीएफसी बैंक की प्रिंसिपल इकनॉमिस्ट साक्षी गुप्ता ने कहा कि अगर 50 फीसदी टैरिफ बना रहता है तो इससे देश की जीडीपी 6 फीसदी से नीचे आ सकती है। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा कि जीएसटी सुधारों, इनकम टैक्स में कटौती और मजबूत घरेलू मांग से भारत इस नुकसान की भरपाई कर सकता है। सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। बड़े अधिकारियों की बैठकें हो रही हैं ताकि स्थिति का आकलन किया जा सके। हालांकि, अधिकारियों ने यह साफ कर दिया है कि भारत अमेरिका के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। एक अधिकारी ने कहा कि सरकार में इस बारे में लगातार बातचीत चल रही है और उद्योगों के साथ भी बैठकें हो रही हैं। निर्यातकों का कहना है कि तमिलनाडु के तिरुपुर, नोएडा और सूरत में कपड़ा बनाने वाली कंपनियों ने काम करना बंद कर दिया है क्योंकि वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों से सस्ती चीजें आ रही हैं, जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। झींगा मछली के कारोबार में भी परेशानी हो सकती है। अमेरिका भारत से आने वाली लगभग 40 झींगा मछली खरीदता है। टैक्स बढ़ने से झींगा मछली का स्टॉक जमा हो सकता है, सप्लाई में दिक्कत आ सकती है और किसानों को नुकसान हो सकता है। अमेरिका के साथ भारत ट्रेड सरप्लस की स्थिति में है जबकि चीन, रूस और यूएई जैसे टॉप पार्टनर्स के साथ वह घाटे में है। भारत से होने वाले कुल मर्केंडाइज एक्सपोर्ट में अमेरिका की हिस्सेदारी 20 है।

त्योहारों में महंगा नहीं होगा गेहूं

प्रसंस्करणकर्ताओं पर नई भंडारण सीमा तय

नई दिल्ली, एजेंसी। जमाखोरी और मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने गेहूं भंडारण की नई सीमा तय कर दी है। थोक, छोटे व बड़े खुदरा विक्रेताओं व प्रसंस्करणकर्ताओं पर यह नियम लागू होगा।

खाद्य मंत्रालय ने कहा, त्योहारों से पहले कीमतों को नियंत्रित करने की कोशिश है। इसके तहत 31 मार्च, 2026 तक लागू गेहूं भंडारण सीमा को संशोधित करने का फैसला किया है। संशोधित मानदंडों के अनुसार, थोक विक्रेताओं को 3,000 टन के बजाय 2,000 टन तक गेहूं का भंडार रखने की मंजूरी है। खुदरा और बड़ी श्रृंखला वाले विक्रेता प्रत्येक दुकान पर 10 टन के बजाय 8 टन गेहूं रख सकते हैं। प्रसंस्करणकर्ताओं को मासिक क्षमता के 70 प्रतिशत के बजाय 60 प्रतिशत की मंजूरी दी गई है। इसे चालू वित्त वर्ष के शेष महीनों से गुणा किया जाएगा।

सरकार ने इस साल गेहूं के भंडार की सीमा को दो बार संशोधित किया। पहली बार 20 फरवरी को संशोधन हुआ। फिर 27 मई को भंडारण की सीमा बढ़ा दी गई थी। केंद्र सरकार ने 12 जून, 2023 को भंडार सीमा लागू की थी, जो 31 मार्च, 2024 तक प्रभावी थी। 24 जून, 9 सितंबर और 11 दिसंबर, 2024 को इसमें संशोधन किया गया था।

फैशन में आसमान छू रही प्रियंका

● दीपिका से लेकर आलिया भट्ट तक ग्राहक, करोड़ों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। फैशन की दुनिया में हमेशा से ही कुछ जाने-माने डिजाइनरों का दबदबा रहा है। वे ही तय करते हैं कि रेड कार्पेट पर और आम तौर पर सेलेब्रिटीज कैसे दिखेंगे। लेकिन, अब एक नया बदलाव आ रहा है। कुछ नए डिजाइनर सामने आ रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी फेमस हैं। ये डिजाइनर नए ट्रेंड सेट कर रहे हैं। वे ऐसे कपड़े बना रहे हैं जो थोड़े अलग और खास होते हैं। ऐसी ही एक डिजाइनर प्रियंका गाडिया हैं। उन्होंने खुद से ही डिजाइनिंग सीखी है। वे मुंबई में अप्पापॉप नाम का फैशन ब्रांड चलाती हैं। इनका टर्नओवर करोड़ों रुपये का है।

अप्पापॉप ब्रांड अपने बोल्ड और अनोखे कपड़ों के लिए जाना जाता है। दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और वरुण धवन जैसे बड़े बॉलीवुड स्टार्स अक्सर अप्पापॉप के रेडी-टू-वियर कपड़े पहने हुए दिखाई देते हैं। अप्पापॉप में हर तरह के कपड़े मिलते हैं, जैसे फ्लोई ड्रेसेस, स्टाइलिश जैकेट्स, बॉटम वियर और को-ऑर्ड सेट्स।

प्रियंका का यह सफर आसान नहीं था। उन्होंने साल 2012 में मुंबई से ग्रेजुएशन की। उन्होंने कभी भी फैशन की कोई ट्रेनिंग नहीं ली। प्रियंका कहती हैं, मैंने सब कुछ खुद से सीखा है। अपना ब्रांड शुरू करने से पहले मैं मुंबई में एक कंपनी में करती थी। वहां मैं अकाउंट्स का काम देखती थी। काम करने के साथ-साथ, मैं कुछ लोगों के लिए कपड़े भी डिजाइन करती थी। मैं लोकल दर्जियों की मदद से उनके लिए कपड़े बनाती थी। यह सब छोटे स्तर पर होता था।

साल 2015 में प्रियंका की शादी हो गई और वे हांगकांग चली गईं। वहां से उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। हांगकांग के फैशन ने उन्हें बहुत प्रभावित किया। प्रियंका हमेशा से ही स्टाइल और डिजाइन के बारे में सोचती रहती थीं। हांगकांग ने उन्हें एक नया अनुभव दिया और उन्हें अपना ब्रांड शुरू करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने साल 2017 में अपना ब्रांड लॉन्च किया। प्रियंका का यह ब्रांड नए लुक्स और ट्रेंड पर फोकस करता है।

भारत में बने ई-वाहन होंगे 100 देशों में एक्सपोर्ट

● पीएम मोदी बोले- भारतीय का मंत्र बने स्वदेशी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लागू होने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी और मेक इन इंडिया की जोरदार वकालत की। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की मेक इन इंडिया पहल ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। दुनिया अब भारत में बने इलेक्ट्रिक वाहन चलाएगी। देश में बने ई-वाहनों का 100 देशों में निर्यात किया जाएगा।

गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले ई-वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाने के बाद पीएम मोदी ने कहा, यह गाड़ी पूरी तरह से भारत में ही बनी है। इससे मेक इन इंडिया यात्रा में नया अध्याय जुड़ गया है। पीएम मोदी ने नागरिकों से सिर्फ स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हुए कहा, स्वदेशी हर किसी के जीवन का मंत्र होना चाहिए। आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ रहे देश में इससे रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।

स्वदेशी की मेरी परिभाषा : पैसा कोई लगाए, काम भारतीय करें

पीएम मोदी ने कहा, स्वदेशी की मेरी परिभाषा है कि पैसा कोई भी लगाए, पर काम भारतीय करें। महत्वपूर्ण यह नहीं कि निवेश कौन करता है। खास बात यह है कि उत्पाद बनाने में भारतीयों की मेहनत हो। इस तरह मारुति सुजुकी भी स्वदेशी कंपनी है। पीएम ने कहा, पिछले एक दशक में भारत में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन में 500, मोबाइल उत्पादन में 2,700 व रक्षा उत्पादन में 200 की वृद्धि हुई है। पीएम मोदी ने कहा, भारत के पास लोकतंत्र की ताकत, जनसांख्यिकी का लाभ और कुशल कार्यबल का बड़ा भंडार है।

बेंगलुरु में टीसीएसका नया दफ्तर

हर महीने 9 करोड़ किराया देगी टाटा की कंपनी

मुंबई एजेंसी। मुंबई की मशहूर आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का नया अड्डा बेंगलुरु का इलेक्ट्रॉनिक सिटी होगा। कंपनी ने 360 बिनेस पार्क में लगभग 14 लाख वर्गफीट का दफ्तर किराए पर लिया है। यह सौदा पिछले कुछ वर्षों में शहर के सबसे बड़े लीज डील्स में से एक माना जा रहा है। यह दफ्तर 'टॉवर 5' और 'टॉवर 5क्' में होगा।

यह समझौता कुल 15 साल के लिए हुआ है। पहले चरण की शुरुआत 1 अप्रैल 2026 से होगी, जिसमें ग्राउंड-प्लस-7 मंजिलें शामिल होंगी। दूसरे फेज की शुरुआत 1 अगस्त 2026 से होगी, जो 8वीं से तेरहवीं मंजिल तक फैला होगा। कंपनी इस पूरे स्पेस के लिए हर महीने करीब 9.3 करोड़ किराया देगी, यानी 66.5 प्रति वर्गफीट के हिसाब से। इसके अलावा टीसीएस ने 112 करोड़ की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी रखी है। हर तीन साल पर किराए में 12 की बढ़ोतरी होगी। अनुमान है कि पूरे 15 साल में कंपनी का किराया खर्च लगभग 2,130 करोड़ तक पहुंचेगा।

अब 10 घंटे काम करेंगे प्राइवेट कर्मचारी, यह बदलाव अधिनियम, 2017 में संशोधन करके किया जाएगा

श्रम विभाग के प्रस्ताव पर कैबिनेट में चर्चा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार प्राइवेट संस्थानों में कर्मचारियों के काम के घंटे बढ़ाने पर विचार कर रही है। अभी कर्मचारी रोजाना 9 घंटे काम करते हैं, लेकिन प्रस्ताव के मुताबिक, अब यह समय बढ़कर 10 घंटे हो सकता है। यह बदलाव महाराष्ट्र दुकान और प्रतिष्ठान (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 में संशोधन करके किया जाएगा। इस कानून में दुकानों, होटलों, मनोरंजन स्थलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में काम के घंटे तय किए जाते हैं ।

कैबिनेट में हुई चर्चा

हिंदुस्तान टाइम्स (एचटी) की रिपोर्ट के अनुसारमंगलवार को राज्य श्रम विभाग ने इस प्रस्ताव को कैबिनेट के सामने पेश किया। मंत्रियों ने इस पर चर्चा तो की, लेकिन उन्होंने इसे मंजूरी देने से पहले कुछ और जानकारियां मांगी हैं। एक वरिष्ठ मंत्री ने बताया कि प्रस्ताव के प्रावधानों और उनके प्रभाव को लेकर अभी और स्पष्टता की जरूरत है। इसलिए अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है ।

प्रस्तावित बदलाव क्या हैं

श्रम विभाग कानून में लगभग पांच बड़े बदलाव का प्रस्ताव रख रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव है रोजाना काम के घंटों को 9 से बढ़ाकर 10 घंटे करना। प्रस्ताव के मुताबिक, अब किसी भी वयस्क कर्मचारी से एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा काम नहीं करवाया जा सकेगा।

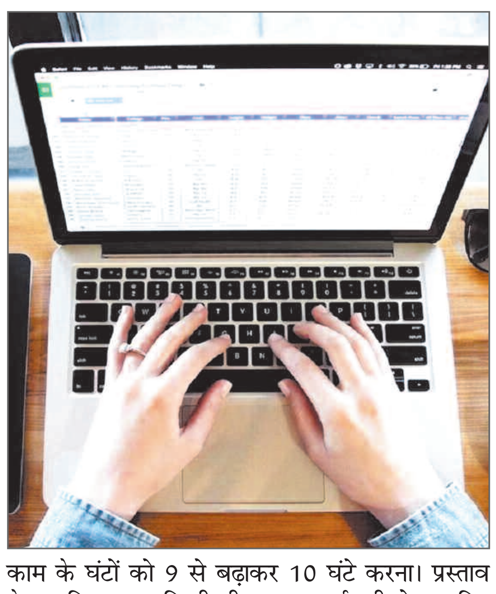

साथ ही, एक और प्रस्ताव यह है कि अगर कोई कर्मचारी लगातार 6 घंटे से ज्यादा काम करता है, तो उसे बीच में आधे घंटे का ब्रेक दिया जाना जरूरी होगा। अभी लगातार काम के घंटों की सीमा 5 घंटे है।

इसके अलावा, ओवरटाइम की सीमा भी बढ़ाने का प्रस्ताव है। अभी एक कर्मचारी तीन महीने में 125 घंटे ही ओवरटाइम कर सकता है, इसे बढ़ाकर 144 घंटे करने का सुझाव दिया गया है। एक दिन में कुल काम के घंटे (ओवरटाइम सहित) अभी 10.5 घंटे की सीमा में हैं, जिसे बढ़ाकर 12 घंटे करने की बात कही गई है। जरूरी काम के मामले में दैनिक 12 घंटे की ऊपरी सीमा को पूरी तरह हटाने का भी प्रस्ताव है, यानी जरूरत पड़ने पर कर्मचारियों से 12 घंटे से भी ज्यादा काम करवाया जा सकता है।

यह बदलाव किनपर लागू होंगे

अगर यह प्रस्ताव कानून बन जाता है, तो यह बदलाव उन्हीं कंपनियों पर लागू होंगे, जहां 20 या उससे ज्यादा कर्मचारी काम करते हैं। अभी यह कानून 10 या उससे ज्यादा कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होता है।

आखिर ऐसा प्रस्ताव क्यों लाया गया

अधिकारियों का कहना है कि यह प्रस्ताव उद्योग जगत की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखकर लाया गया है । हालांकि, कैबिनेट में इसपर अभी चर्चा जारी है और कोई निर्णय होने में अभी समय लग सकता है।

एआई की दौड़ में रफ्तार बढ़ा रहा एपल मिस्ट्रल और पेरप्लेक्सिटी को खरीदने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेज रफ्तार से अपना छाप छोड़ रहा है। ऐसे में दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी एपल अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दौड़ में पिछड़ने के बाद इसे तेजी से पकड़ने की कोशिश में जुट गई है। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के अनुसार, एपल ने फ्रांस कीएआई स्टार्टअप मिस्ट्रल और एआईएआई सर्च कंपनी पेरप्लेक्सिटी को खरीदने को लेकर आंतरिक स्तर पर बातचीत की है। कारण है कि गूगल और सैमसंग जैसी कंपनियों के मुकाबले एपल ने अपने डिवाइसों में एआई फीचर्स को धीरे-धीरे पेश किया है। यही वजह है कि एपल अब बड़े स्तर परएआई कंपनियों को खरीदने की रणनीति पर विचार कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो एपल के सीईओ टिम कुक ने पिछले महीने संकेत दिया था कि कंपनी अबएआई से जुड़ी बड़ी डील्स के लिए भी तैयार है, जबकि पहले वह अधिग्रहण (एम एंड ए) मामलों में काफी सतर्क रहा करता था। बता दें कि मिस्ट्रल एआई को नवीदिया का समर्थन प्राप्त है और इसकी वैल्यूएशन हाल ही में 6 बिलियन से अधिक हो गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्ट्रल अब 10 बिलियन वैल्यूएशन पर नया फंड जुटाने की तैयारी में है। वहीं दूसरी ओर, पेरप्लेक्सिटी को एमाजन अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और नवीदिया से फंडिंग मिली है। हालांकि, पेरप्लेक्सिटी ने कहा है कि उन्हें किसी भी अधिग्रहण की जानकारी नहीं है,

अनीष के हाथों से छूटा गोल्ड, एशियाई चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

शिमकेंट (कजाखस्तान), एजेंसी। भारतीय निशानेबाज अनीष भानवाला ने बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीता। 22 साल के अनीष स्वर्ण पदक की दौड़ में सिर्फ एक अंक से चूक गए। उन्होंने

35 अंक जुटाए जो स्वर्ण पदक विजेता चीन के शु लियानबोफान से एक अंक कम रहा। कांस्य पदक कोरिया के ली जेइकयून ने जीता। अनीष शुरुआती चार सीरीज के बाद एक अंक से आगे चल रहे थे लेकिन इसके बाद पिछड़ गए। मंगलवार को ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने के अलावा देश को टीम खिताब भी दिलाया। भारत ने प्रतियोगिता में अब तक 72 पदक जीते हैं। प्रतियोगिता में जूनियर स्पर्धाएं भी हो रही हैं। जूनियर निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अब तक 39 स्वर्ण पदक हासिल किए हैं।

भारतीय फुटबॉल महासंघ पर फिर मंडराया प्रतिबंध का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। यह पहली बार नहीं है जब भारतीय फुटबॉल को इस तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। अगस्त 2022 में फीफा ने भारत को 'तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप' के आरोप में निलंबित कर दिया था। भारतीय फुटबॉल पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने संकटग्रस्त अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को सख्त चेतावनी दी है कि उसे 30 अक्तूबर तक नया संविधान अपनाना और उसकी पुष्टि करनी होगी या फिर निलंबन का जोखिम उठाना पड़ेगा। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को मंगलवार को लिखे दो पन्नों के कड़े पत्र में दोनों अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने 2017 से उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद महासंघ द्वारा अपने संविधान को अंतिम रूप देने में विफलता पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की। शीर्ष अदालत गुरुवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

कैरेबियन लीग में एक बॉल पर बने 22 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग में सोमवार रात एक बॉल पर 22 रन बने। मामला सेंट लूसिया ग्राउंड पर गयाना अमेजन वॉरियर्स और सेंट लूसिया किंग्स के बीच खेले गए मैच का है। टॉस जीतकर गयाना अमेजन वॉरियर्स पहले बैटिंग कर रही थी। रोमारियो शेफर्ड और इफ्तिखार अहमद क्रीज पर थे। 15वें ओवर की तीसरी गेंद पर 22 रन बने। ओशाने थॉमस ने ओवर की तीसरी गेंद नो बॉल डाली। इस पर बल्लेबाज और कोई रन नहीं बना सका। उन्होंने अगली गेंद वाइड डाली। फिर अगली दो गेंदें नो बॉल डाली। इन दोनों गेंदों पर बल्लेबाज शेफर्ड ने दो छक्के जड़ दिए। थॉमस ने अगली गेंद सही डाली। इस पर भी शेफर्ड ने छक्का जड़ दिया। इस तरह तीसरी गेंद पर कुल 22 रन बन गए। इसकी डिटेल्स अगले ग्राफिक्स में देख सकते हैं।

अश्विन का आईपीएल से भी संन्यास

अश्विन ने लिखा- खास दिन और इसलिए एक खास शुरुआत, कहते हैं हर अंत की एक नई शुरुआत होती है

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बाद आईपीएल से भी संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। अश्विन ने सोशल मीडिया के माध्यम से आईपीएल को अलविदा कहने की सूचना दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अश्विन ने लिखा, खास दिन और इसलिए एक खास शुरुआत। कहते हैं हर अंत की एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है। लेकिन, विभिन्न लीगों में खेलने की संभावनाएं आज से शुरू हो रही हैं। इतने सालों की शानदार यादों और रिश्तों के लिए सभी फ्रेंचाइजी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। आईपीएल और बीसीसीआई का विशेष तौर पर शुक्रिया। आगे जो भी है उसका आनंद लेने और उसका पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूं। आईपीएल 2025 में अश्विन सीएसके का हिस्सा थे। टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। ऐसे में अगले सीजन में टीम बड़े बदलावों के साथ उतर सकती हैं। अश्विन के सोशल मीडिया पोस्ट से यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह बेशक आईपीएल में खेलते हुए नहीं दिखेंगे, लेकिन दूसरी क्रिकेट लीग में खेलते हुए वह दिख सकते हैं। संभवतः वह देश के बाहर खेली जाने वाली टी20 लीग में खेलते दिख सकते हैं। गौरतलब है कि बीसीसीआई भारत के अंतरराष्ट्रीय या घरेलू क्रिकेट से जुड़े किसी भी मौजूदा खिलाड़ी को विदेशी टी20 लीग में खेलने की छूट नहीं देता है। हालांकि, अब अश्विन संन्यास के बाद इन लीग में खेल सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की तरह अश्विन का आईपीएल करियर भी शानदार रहा है। 2008 से 2025 के बीच वह चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपर जाइंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे हैं। पंजाब किंग्स के वह कप्तान भी रहे हैं।

220 आईपीएल मैचों में 833 रन बनाए और 187 विकेट लिए

220 आईपीएल मैचों की 98 पारियों में 833 रन बनाने वाले अश्विन ने 187 विकेट लिए हैं। आईपीएल इतिहास के वह पांचवें सफलतम गेंदबाज हैं।अश्विन ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। आर अश्विन का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बेहद यादगार रहा है। उनका नाम विश्व के श्रेष्ठतम ऑफ स्पिनर्स में शुमार किया जाता है। 2010 से 2024 के बीच 106 टेस्ट में 537 विकेट, 116 वनडे में 156 विकेट और 65 टी20 में 72 विकेट उनके नाम दर्ज हैं। टेस्ट क्रिकेट में अश्विन एक बल्लेबाज के रूप में भी सफल रहे हैं। 6 शतक और 14 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 3,503 रन बनाए हैं।

गंभीर की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, हाई कोर्ट ने इस मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान मुख्य कोच गौतम गंभीर के खिलाफ निचली अदालती कार्यवाही रोकने की याचिका से सहमत नहीं है। गंभीर, उनके फाउंडेशन और परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से कोविड–19 की दवाइयां वितरित करने के आरोप हैं। गंभीर के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने की याचिका दायर की गई थी। हालांकि न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने दृढ़ता से कहा कि अदालत इस अनुरोध पर विचार करेगी। न्यायाधीश ने कहा, अगर आपने एक साधारण अनुरोध किया होता, तो मैं उस पर विचार करती। आप मुझे बहुत सी बातें बताने की कोशिश कर रहे हैं। सबसे पहले (पार्टी का) नाम, उनकी साख, उनके द्वारा किए गए कार्य। आप नाम उछालने की कोशिश कर रहे हैं जैसे कि यह अदालत में काम करेगा। यह काम नहीं करता। अदालत की सुनवाई 8 सितंबर को होनी थी। यह भी कहा गया कि पूर्व सांसद और क्रिकेटर ने लॉकडाउन के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर और दवाइयां दान की थीं। हालांकि, उच्च न्यायालय अपने मूल रुख से पीछे नहीं हटा। उच्च न्यायालय ने कहा कि एक बार स्थगन आदेश लागू हो जाने पर सुनवाई तुरंत रुक जाती है, जांच रुक जाती है और पूरा मामला अंततः खारिज हो जाता है। यह शिकायत मूल रूप से औषधि नियंत्रण विभाग (डीसीडी) द्वारा गंभीर और उनके फाउंडेशन गौतम गंभीर फाउंडेशन और सीईओ अपराजिता सिंह के खिलाफ दर्ज की गई थी। उनकी मां (सीमा गंभीर) और पत्नी (नताशा गंभीर) को भी औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के उल्लंघनकर्ताओं के रूप में नामित किया गया है।

वीनस विलियम्स और लेयला फर्नांडीज के बीच होगा महिला युगल मैच

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन महिला एकल में पहले राउंड से ही बाहर हुई वीनस विलियम्स का अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। वीनस महिला युगल में लेयला फर्नांडीज के साथ खेलती हुई दिखेंगी। उन्हें वाइल्ड-कार्ड एंट्री दी गई है। वीनस विलियम्स और लेयला फर्नांडीज का मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त यूक्रेन की ल्यूडमिला किचेनोक और ऑस्ट्रेलिया की एलेन पेरेज की जोड़ी से होगा। 22 वर्षीय फर्नांडीज को न्यूयॉर्क में महिला एकल में 31वीं वरीयता दी गई है और उन्होंने पहले दौर में हमवतन रेबेका मैरिनो को 6-2, 6-1 से हराया। वह 2021 में एकल फाइनल में पहुंचीं, जहां वह ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू से उपविजेता रहीं। 45 साल की वीनस 2 साल में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में भाग ले रही हैं। वीनस विलियम्स महिला युगल की सफलतम खिलाड़ियों में से एक हैं। अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ उन्होंने 14 ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताब जीते हैं। आखिरी बार 2016 में उन्होंने विंबलडन जीता था। महिला युगल में वह आखिरी बार 2022 में सेरेना विलियम्स के साथ यूएस ओपन में दिखी थी। वह सेरेना का विदाई टूर्नामेंट था। 2025 यूएस ओपन में, विलियम्स पहले ही महिला एकल और मिश्रित युगल (रीली ओपेल्का के साथ) में भाग ले चुकी हैं। सोमवार रात, उन्होंने आर्थर ऐश स्टेडियम में एक रोमांचक दूसरे सेट में जीत हासिल की, लेकिन अंततः 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से 6-3, 2-6, 6-1 से हार गईं। 1981 में रेनी रिचर्ड्स के बाद विलियम्स यहां महिला एकल में प्रतिस्पर्धा करने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थीं और ओपन एरा की तीसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थीं। विलियम्स और फर्नांडीज महिला युगल ड्रॉ में सात वाइल्ड-कार्ड टीमों में शामिल हैं, जिनमें हैली बैप्टिस्ट और व्हिटनी ओसुइग्वे, रीज ब्रैंटमेयर और एलानिस हैमिल्टन, कारमेन कॉर्ली और इवाना कॉर्ली, क्रिस्टीना पेनिकोवा और थिया फ्रोडिन, क्लर्वी न्गोउए और जोविक, और जूलियट पारेजा और आकाश उरहोबो शामिल हैं। 2025 यूएस ओपन महिला युगल प्रतियोगिता गुरुवार को यूएसटीए बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर में शुरू होगी।

23 साल बाद भारत में होगा फिडे विश्व कप का आयोजन, पीएम मोदी बोले- मेजबानी हमारे लिए खुशी की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डी गुकेश, मैग्नस कार्लसन, फाबियानो करुआना और आर प्रज्ञानानंदा सहित 206 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दो दशक से अधिक समय के बाद प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि शतरंज युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे और दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।उन्होंने कहा, प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है और वह भी दो दशक से अधिक समय के बाद। फिडे शतरंज विश्व कप का आयोजन गोवा में 30 अक्तूबर से 27 नवंबर तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में अगले साल के कैंडिडेट टूर्नामेंट के लिए तीन स्थान और 20 लाख डॉलर की इनामी राशि दांव पर लगी होगी। इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डी गुकेश, मैग्नस कार्लसन, फाबियानो करुआना और आर प्रज्ञानानंदा सहित 206 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत के लिए यह बड़ा अवसर है क्योंकि 23 साल बाद पहली बार देश में इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। पिछली बार 2002 में हैदराबाद में भारत ने इस प्रतियोगिता की मेजबानी की थी और तब विश्वनाथन आनंद ने खिताब जीता था। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में शतरंज में काफी तरक्की की है। यह टूर्नामेंट आठ दौर में दो बाजियों के नॉकआउट प्रारूप में खेला जाएगा।

भारत की 17 साल की भारोत्तोलक कोयल बार का जलवा, राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में बनाए दो विश्व रिकॉर्ड

अहमदाबाद, एजेंसी। 17 साल की कोयल ने गजब का जज्बा दिखाते हुए तब सुर्खियां बटोरीं, जब बिंदियारानी और मुथुरमुथुपंडी राजा जैसे भारोत्तोलक पदक जीतने में सफल रहे। कोयल को आने वाले समय का स्टार माना जा रहा है। 17 साल की भारतीय भारोत्तोलक कोयल बार ने मंगलवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में महिलाओं की 53 किग्रा स्पर्धा में दो नए युवा विश्व रिकॉर्ड स्थापित करके युवा और जूनियर दोनों खिताब जीते। जूनियर और युवा दोनों वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए इस किशोरी ने कुल 192 किग्रा (85 किग्रा + 107 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने पहले 85 किग्रा भार उठाकर युवा स्नैच विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की और फिर क्लीन एंड जर्क में अपने दूसरे प्रयास में 107 किग्रा भार उठाकर 105 किग्रा के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। इसके साथ ही, उन्होंने 188 किग्रा के मौजूदा युवा विश्व कुल रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

कोयल का प्रयास स्नेहा से बेहतर

कोयल का प्रयास उनकी हमवतन स्नेहा सोरेन से तीन बेहतर था, जिन्होंने 185 किग्रा (81 किग्रा + 104 किग्रा) के साथ सीनियर वर्ग में रजत पदक जीता था। इससे पहले महिलाओं में भारत की बिंदियारानी देवी और पुरुषों में मुथुपंडी राजा ने मंगलवार को अहमदाबाद में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, सारी सुर्खियां गजब का जज्बा दिखाने वाली 17 वर्षीय कोयल ने बटोरीं।

बिंदियारानी को मिला पदक

महिलाओं के 58 किग्रा वर्ग में भाग लेने वाली बिंदियारानी ने 206 किग्रा (91 किग्रा स्नैच + 115 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर रजत पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा, 88 किग्रा और 91 किग्रा भार उठाया और क्लीन एंड जर्क में 110 किग्रा और 115 किग्रा भार उठाया। वह अपने अंतिम 122 किग्रा प्रयास में असफल रहीं और दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की कियाना इलियट ने 212 किग्रा (100 किग्रा + 112 किग्रा) के साथ स्वर्ण पदक जीता। बिंदियारानी बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक विजेता हैं। वह पूर्व राष्ट्रमंडल चैंपियन भी हैं, जिन्होंने 2019 में स्वर्ण और 2021 संस्करणों में रजत पदक जीता है।

मुथुपंडी ने भी जीता पदक

पुरुष वर्ग की बात करें तो, मुथुपंडी राजा 65 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक के बेहद करीब पहुंच गए, लेकिन 296 किग्रा (128 किग्रा+168 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। मलयेशिया के मुहम्मद अजनिल बिन बिदिन ने 297 किग्रा (125 किग्रा+172 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। पापुआ न्यू गिनी के मोरिया बारू 292 किग्रा (127 किग्रा+165 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।

रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है

अजय देवगन ने जब नई स्टारकास्ट के साथ गुजराती फिल्म वश का हिंदी रीमेक शैतान बनाया, तो फिल्म की मुख्य अदाकारा जानकी बोडीवाला को रिप्लेस नहीं कर सके। वश में आर्या और शैतान में जाह्नवी के रोल में जानकी ने गुजराती और हिंदी दोनों ही भाषाओं के दर्शकों का दिल जीता। अब वह वश लेवल 2 में नजर आने वाली हैं। यह 2023 में आई वश का ही सीक्वल है। फिल्म 27 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड और गुजराती फिल्मों में काम करने के अपने अनुभव, दोनों इंडस्ट्री के बीच अंतर पर खुलकर बात की। जानकी ने माना कि रीजनल सिनेमा में अलग तरह के कंटेंट पर फिल्म बनाने की पूरी आजादी होती है, जबकि बॉलीवुड में बहुत हद तक यह मुमकिन नहीं हो पाता।

आप मेडिकल बैकग्राउंड से हैं, तो अचानक फिल्मों में आना कैसे हुआ?

मैं मतलब डॉक्टर बैग्राउंड से होने वाली थी। मगर मैंने वह पढ़ाई कम्पलीट नहीं की। इसी दौरान मुझे मेरे डायरेक्टर कृष्णदेव याग्निक (डेब्यू फिल्म के निर्देशक) मिल गए जिन्होंने मुझे गुजरात में पहचान दिलाई। यह उनका ही फैसला था कि वह मुझे अपनी पहली फिल्म में कास्ट करना चाहते हैं। और उन्होंने ही फिल्म वश भी बनाई जिसके लिए ना सिर्फ मुझे पूरे देश में पहचान मिली, बल्कि राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

अभी आप वश 2 में काम कर रही हैं जो हिंदी में रिलीज हो रही है। बाद में हो सकता है कि आप शैतान के सीक्वल में भी हों, तो आपके लिए कितना चैलेंजिंग होगा उस समय, क्योंकि लोग वश 2 देख चुके होंगे?

शैतान का अंत गुजराती फिल्म वश से अलग था। तो शायद वह अपना एक अलग यूनिवर्स क्रिएट करेंगे। हालांकि उसके बारे में मुझे कुछ ज्यादा मालूम नहीं है, लेकिन हां, मुझे दोनों फिल्मों में काम करके बहुत अच्छा लगा, बहुत मजा आया। इतने बड़े-बड़े एक्टर्स के साथ काम किया, बहुत कुछ सीखने को भी मिला।

आप गुजरात फिल्म इंडस्ट्री के विकास को किस तरह से देखती हैं?

रीजनल सिनेमा में अच्छी बात यह होती है कि हमारे पास बहुत अलग-अलग तरह का कंटेंट ट्राय करने का स्पेस होता है। रीजनल सिनेमा में हमारे पास एक आज़ादी होती है और यही वजह है कि हम बहुत कुछ नया बना सकते हैं। मुझे रीजनल सिनेमा की यह बात बहुत अच्छी लगती है।

हिंदी हो या गुजराती, आपको कई सीनियर एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। आपका कैसा अनुभव रहा?

मुझे जब पता चला कि हीतू कनोडिया (गुजरात सिनेमा के जाने-माने कलाकार) फिल्म में मेरे पिता का रोल अदा करने वाले हैं और फिल्म में हितेन कुमार भी होंगे, तो मैं पहले तो अंदर से हिल गई थी। दरअसल, जब इतने बड़े एक्टर्स आपके साथ काम कर रहे होते हैं तो आपको परफॉर्म करना ही पड़ता है। ऐसे में मेरे पास भी तब परफॉर्म करने के अलावा कोई और ऑप्शन ही नहीं था। मगर यहां भी मेरी सफलता का क्रेडिट मेरे डायरेक्टर को जाता है जिन्होंने मुझे सिखाने के लिए वर्कशॉप करवाई और कॉन्फिडेंस दिया कि मैं कर सकती हूं।

अजय देवगन के साथ काम का कैसा एक्सपीरियंस कैसा था?

उनके साथ काम करने का अनुभव भी बहुत बढ़िया रहा। मैंने तो उम्मीद ही नहीं की थी कि वह मुझे उस स्तर का कम्फर्ट महसूस करवाएंगे, क्योंकि वह मेरी पहली हिंदी फिल्म थी। जिस हिसाब से मुझे वहां लोगों का ट्रीटमेंट मिला, खासकर एक्टर्स से, वह काफी अच्छा और यादगार था। उन्होंने मुझे महसूस ही नहीं होने दिया कि मैं एक न्यूकमर हूं। वहां मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और इन सभी सीनियर कलाकारों से मिली सीख को मैं अपनी आगे की फिल्मों में अप्लाई करूंगी।

तमिल डेब्यू के लिए परफेक्ट फिल्म है कंचना 4

एक्ट्रेस नोरा फतेही लोकप्रिय तमिल हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'कंचना' के चौथे भाग 'कंचना 4' के साथ तमिल सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस मोस्टअवेटेड फिल्म में नोरा मुख्य भूमिका निभाएंगी। नोरा ने 'कंचना 4' चुनने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब मुझे यह फिल्म ऑफर हुई, तो मुझे लगा कि तमिल सिनेमा में डेब्यू के लिए यह एकदम सही प्रोजेक्ट है। इस फ्रेंचाइजी की पहले से ही मजबूत पहचान है और इसकी अनोखी स्क्रिप्ट ने मुझे आकर्षित किया। नोरा फतेही ने आगे बताया, क्राइम-कॉमेडी ड्रामा मडगांव एक्सप्रेस की सफलता के बाद मैं एक और कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और इस प्रोजेक्ट के साथ मुझे वही रास्ता नजर आया। मैं इस फिल्म में काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। नोरा ने बताया कि तमिल भाषा सीखना आसान नहीं है। फिल्म के लिए तमिल भाषा सीखना चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने बताया, भाषा हमेशा एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मैंने पहले हिंदी, तेलुगू और मलयालम में भी काम किया है और अब तमिल मेरे लिए सबसे मुश्किल भाषा है और इसमें काम करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। नोरा फतेही ने यह भी बताया कि वह अपने किरदार को पर्दे पर उतारने के लिए किस तरह से तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बताया, मैं अपने लाइन्स की रिहर्सल करने और उच्चारण पर काम करने के लिए अतिरिक्त समय दे रही हूं। इसके लिए खूब प्रैक्टिस करती हूं। सेट पर मिला प्रोत्साहन सबसे बड़ी प्रेरणा रहा। उन्होंने कहा, क्रू को उम्मीद नहीं थी कि मैं कॉमिक सीन में इतनी सहज रहूंगी। ऐसी प्रतिक्रिया मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। यह संस्कृति और भाषा का सम्मान करने के साथ-साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने का मौका है। मुझे टीम का भी काफी सपोर्ट मिलता है। नोरा ने तमिल और बॉलीवुड सिनेमा के अंतर को भी रेखांकित किया। उनके मुताबिक, तमिल सिनेमा कहानी और परफॉर्मेंस पर केंद्रित है, जबकि बॉलीवुड की अपनी भव्यता और एनर्जी है। दोनों इंडस्ट्री से सीखना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है।

विक्रम भट्ट के एक और प्रोजेक्ट में सनी लियोनी की एंट्री

सनी लियोनी ने जिस्म 2, रईस, तेरा इंतजार और एक पहेली लीला जैसी कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। वेब सीरीज में भी वे नजर आ चुकी हैं। पोस्ट शेयर कर उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर डिटेल शेयर की हैं, जिसकी शूटिंग शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ काम करेंगी।

सनी ने जताई विक्रम भट्ट के साथ काम करने की खुशी

सनी लियोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे निर्देशक विक्रम भट्ट के साथ नजर आ रही हैं।सनी ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, अपने पसंदीदा निर्देशकों में से एक के साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। चलिए कुछ जादू करते हैं।

सीरीज अनामिका में साथ कर चुके हैं काम

बता दें कि इससे पहले सनी लियोनी विक्रम भट्ट के साथ वेब सीरीज अनामिका में काम कर चुकी हैं, जो साल 2022 में आई थी। एक्शन से भरपूर यह जासूसी थ्रिलर वेब सीरीज एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है। इसका निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया।

नेटिजन्स ने दी बधाई

सनी और विक्रम के आगामी प्रोजेक्ट को लेकर नेटिजन्स रिएक्शन दे रहे हैं। दोनों को बधाई दे रहे हैं। सनी लियोनी के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में आई फिल्म जिस्म 2 से डेब्यू किया था। हालांकि, वो साल 2011 में ही चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस में आकर भारत में अपनी पहचान बना चुकी थीं। सनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा था, लेकिन एडल्ट इंडस्ट्री में काम करने के लिए उन्होंने अपना नाम सनी लियोनी रख लिया।

सिद्धार्थ और जाह्नवी हैं परम सुंदरी की परफेक्ट जोड़ी

प्रोड्यूसर दिनेश विजन ने अपनी आगामी फिल्म परम सुंदरी के बारे में बात करते हुए कहा कि यह फिल्म आधुनिक तकनीक और पारंपरिक जीवन शैली के बीच के अंतर को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में सिद्धार्थ और जाह्नवी को कास्ट करने का कारण उनकी एक-दूसरे से बिल्कुल अलग शख्सियत और उनके किरदारों के साथ उनका तालमेल है।

टेक्नोलॉजी बनाम सादगी: विजन के मुताबिक, परम सुंदरी सिर्फ एक क्रॉस-कल्चरल कहानी नहीं है, बल्कि यह आज के युवाओं की ज़िंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुकी है। फिल्म का नायक परम, एक ऐसा किरदार है जो टेक्नोलॉजी और ऐप्स पर पूरी तरह निर्भर है। वहीं, सुंदरी का किरदार एक ऐसी दुनिया से आता है जहाँ जीवन बहुत सरल और तकनीक के प्रभाव से दूर है। विजन ने कहा, फिल्म की कहानी यही संदेश देती है कि आज के युवा हर काम के लिए ऐप्स पर निर्भर हैं, और इस वजह से वे असली और ऑर्गेनिक रिश्तों की खूबसूरती को भूलते जा रहे हैं।

कास्टिंग पर विजन के विचार: दिनेश विजन ने सिद्धार्थ और जाह्नवी की कास्टिंग को लेकर कहा कि सिद्धार्थ एक हैंडसम हीरो हैं, लेकिन उन्होंने पिछले छह सालों में कोई रोमांटिक-कॉमेडी नहीं की है। वहीं, जाह्नवी, जो असल जिंदगी में सुंदरी जैसी ही हैं, ने भी ऐसा रोल पहले कभी नहीं निभाया।

नुसरत भरूचा की उफ्फ ये सियापा में दिखेगी बिना डायलॉग डार्क कॉमेडी

नुसरत भरूचा की फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। बता दें ये फिल्म बिना डायलॉग के एक डार्क कॉमेडी है, जिसमें हर सीन सिर्फ हावभाव और एक्सप्रेशन से कहानी कहता है। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म की कहानी घूमती है केसरी लाल सिंह (सोहम शाह) के इर्द-गिर्द, जो एक साधारण और भोला-भाला इंसान है। उसकी पत्नी पुष्पा (नुसरत) उसे पड़ोसन कमिनी (नोरा फतेही) से फ्लर्ट करने का इल्जाम लगाकर घर छोड़ देती है। जैसे ही वह अपनी बेगुनाही साबित करने की कोशिश करता है, अचानक उसके घर एक लाश मिलती है। मामला यहीं नहीं रुकता, थोड़ी देर में दूसरी लाश भी सामने आ जाती है और केसरी की जिंदगी पूरी तरह उलझ जाती है। इस गड़बड़झाले में इंस्पेक्टर हसमुख (ओमकार कपूर) की एंट्री होती है, जो खुद भी अपने मकसद से कहानी में रंग भरता है।

फिल्म में सोहम शाह, नुसरत भरूचा और नोरा फतेही मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोहम शाह अपनी सीरियस एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस फिल्म में उनकी मासूमियत और बेबस कॉमिक टाइमिंग दिल जीत सकती है। नुसरत भरूचा के लिए यह साल खास है क्योंकि यह उनकी दूसरी फिल्म है 'छोरी 2' के बाद। वहीं नोरा फतेही भी 2025 में तीसरी बार बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। हाल ही में वो अभिषेक बच्चन की 'बी हैप्पी' और कन्नड़ थ्रिलर 'केडी - द डेविल' में नजर आ चुकी हैं। 'उफ्फ ये सियापा' का निर्देशन जी. अशोक ने किया है और इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संगीत की जिम्मेदारी ए.आर. रहमान ने उठाई है, हालांकि यह फिल्म गानों से नहीं बल्कि बैकग्राउंड स्कोर और साउंड इफेक्ट्स से दर्शकों पर असर डालेगी। अभिनेता शारीब हाशमी भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे।

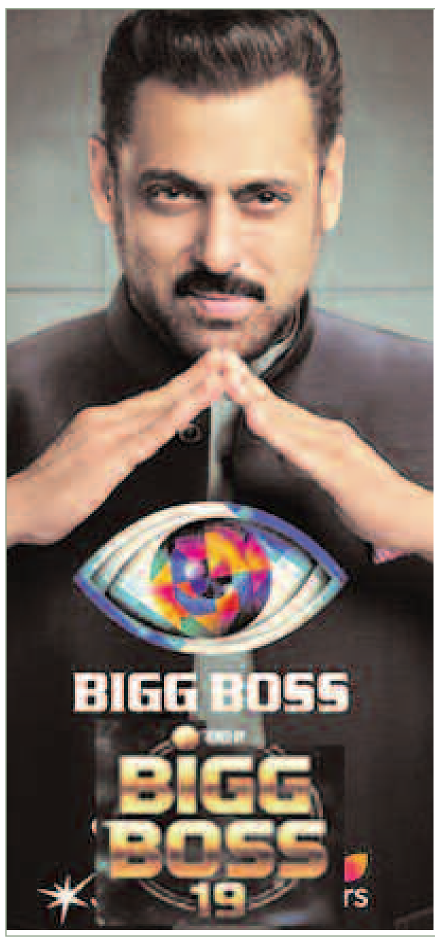

सलमान खान ही नहीं, शिल्पा शेट्टी से लेकर संजय दत्त तक; ये सेलेब भी रहे 'बिग बॉस' के होस्ट

बहुचर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 19, 24 अगस्त से शुरू हो गया है। ये नया सीजन भी पिछले कई साल की तरह ही सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाएगा। लेकिन क्या आपको पता है कि साल 2000 में शुरू हुए इस शो को अभी तक कुल छह होस्ट मिल चुके हैं। हालांकि, इन सभी होस्ट में सलमान को दर्शकों द्वारा खूब प्यार मिला। आइए जानते हैं कि बिग बॉस को अभी तक किन-किन सेलेब्स ने होस्ट किया है।

अरशद वारसी

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता अरशद वारसी साल 2006 में बिग बॉस के पहले सीजन के होस्ट रहे थे। ये कह सकते हैं कि इस शो की शुभ शुरुआत अरशद वारसी ने ही की थी।

शिल्पा शेट्टी

बिग बॉस सीजन 2 की होस्ट बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी थीं। इस शो को काफी लोकप्रियता मिली थी। एक्ट्रेस के मजाकिया अंदाज और शानदार कलाकारी को दर्शकों ने पसंद किया था। शो के बीच में एक्ट्रेस की तबीयत खराब होने के कारण उन्हें शो छोड़ना पड़ा।

अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन की एक्टिंग का हर कोई दीवाना है। शिल्पा शेट्टी द्वारा बिग बॉस सीजन 2 बीच में ही छोड़ने के कारण अमिताभ बच्चन ने इसे होस्ट किया था। अभिनेता उस समय कौन बनेगा करोड़पति शो के जरिए लोगों के दिलों में जगह बना चुके थे। बिग बॉस में भी बिग बी ने शानदार काम किया।

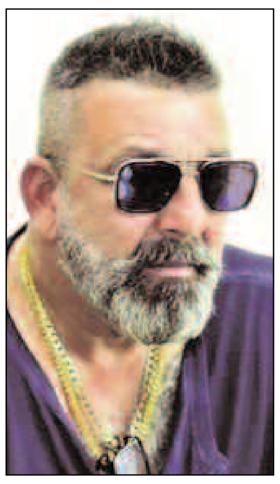

संजय दत्त

बिग बॉस सीजन पांच में सलमान खान होस्ट थे, लेकिन उनके साथ संजय दत्त भी बतौर होस्ट शामिल हुए थे। दोनों अभिनेताओं की जोड़ी को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था।

फराह खान

बिग बॉस सीजन 8 में निर्देशक-कोरियोग्राफर फराह खान बतौर होस्ट शो के बीच में शामिल हुई थी। वजह थी कि सलमान खान को बजरंगी भाईजान फिल्म की शूटिंग करने के कारण ब्रेक लेना पड़ा था। फराह खान के अंदाज को भी दर्शकों ने पसंद किया था।

सलमान खान

शो को अभी तक सलमान खान के अलावा पांच होस्ट मिले, लेकिन दर्शकों ने जिसे सबसे ज्यादा पसंद किया वो सलमान खान हैं। अभिनेता सीजन 9 से लगातार बिग बॉस शो को होस्ट कर रहे हैं। आज रविवार से बिग बॉस 19 शुरू हो रहा है, जिसका दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है।

साभार एजेंसी